THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 136 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद कृ.2 2082 सोमवार, 11 अगस्त-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

कुपवाड़ा के जंगल में आतंकी ठिकाना ध्वस्त

कुपवाड़ा. 10 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय सेना की 2 राजपूत इकाई ने सुबह हंदवाड़ा पुलिस के साथ मिलकर हफरुदा के पास द्रुद के घने जंगल में तलाशी अभियान चलाया। संयुक्त सुरक्षाबलों ने एक आतंकवादी ठिकाने का पता लगाया और एक रॉकेट-प्रोपेल्ड ग्रेनेड (आरपीजी) लॉन्चर, एके-47 और पिस्तौल की गोलियों के साथ विभिन्न खाद्य सामग्री बरामद की। सूत्रों ने बताया कि इस सफल अभियान ने क्षेत्र में शांति भंग करने के प्रयासों को विफल कर दिया। उन्होंने इस सफलता का श्रेय आतंकवादी गतिविधियों का मुकाबला करने में सुरक्षा बलों के अथक प्रयासों को दिया। हंदवाड़ा में घने जंगल के अंदर बनाया गया था आतंकी ठिकाना रॉकेट लॉन्चर भी मिला।

ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान घुटने पर आया : मोदी

पीएम ने बेंगलुरू मेट्रो की यलो लाइन का उद्घाटन किया

बेंगलुरू, 10 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सैनिकों की आतंकियों और पाकिस्तान को घुटने में लाने की क्षमता को पूरी दुनिया ने देखा है। इसकी सफलता के पीछे हमारी टेक्नॉलॉजी और मेक इन इंडिया की ताकत है।

इसमें बेंगलुरू के युवाओं का भी बहुत योगदान है। मोदी ने कहा, बेंगलुरू की पहचान दुनिया की बड़ी सिटी के रूप में है। हमारा लक्ष्य मेक इन इंडिया में बेंगलुरू की प्रेजेंस को और बढ़ाना है। हम तभी आगे निकलेंगे जब हमारे शहर फास्ट और मॉडर्न होंगे।

पीएम आज कर्नाटक के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने बेंगलुरू के केएसआर रेलवे स्टेशन पर 3 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। इनमें बेंगलुरू से बेलगावी, अमृतसर से श्री माता वैष्णो देवी कटरा और नागपुर (अजनी) से पुणे तक की ट्रेनें शामिल हैं।

पीएम ने बेंगलुरू और राज्य के लिए कई विकास कार्यों का शुभारंभ और शिलान्यास भी किया। इन परियोजनाओं की कुल लागत 22 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा है।

पीएम ने बेंगलुरू मेट्रो की यलो लाइन का भी उद्घाटन किया। जो आरवी रोड (रगिगुड्डा) से बोम्मसंद्रा तक जाएगी। पीएम मोदी ने कर्नाटक सीएम सिद्दारमैया, डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार, कर्नाचटक के गर्वनर थावर चंद गहलोत, हरियाणा के पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर के साथ ट्रेन में सफर भी किया।

मोदी के भाषण की बड़ी बातें...

> यलो मेट्रो लाइन के आने लाखों लोगों को फायदा होगा। आज ऑरेंज लाइन का भी शिलान्यास किया। इसके शुरू होने के बाद यलो और ऑरेंज मेट्रो लाइन से 25 लाख लोगों को फायदा होगा। बेंगलुरू मेट्रो के लिए इन्फोसिस समेत कई बड़ी कंपनियों ने फंडिंग की। इसके लिए कार्पोरेट सेक्टर को बधाई।

> भारत दुनिया की तेजी से बढ़ती इकोनॉमी है। हम 10वें नंबर से टॉप 5 में आ गए। जल्द ही टॉप 3 में आएंगे। ये ताकत रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म से मिली है। देश की उपलब्धियों का परचम आसमान में लहरा रहा है।

> 2014 से पहले 74 एयरपोर्ट थे और इनकी संख्या 160 से ज्यादा है। सिर्फ 3 नेशनल वॉटरवेज थे अब ये संख्या 30 हो चुकी है। > 11 साल पहले 7 एम्स थे, अब 22 एम्स और 700 मेडिकल कॉलेज हैं। 2014 से पहले भारत का टोटल एक्सपोर्ट 468 बिलियन डॉलर था। आज 824 बिलियन डॉलर है।

> इंडिया ग्लोबल एआई की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सेमीकंडक्टर मिशन की स्पीड पकड़ रहा है। जल्द ही मेड इन इंडिया चिप मिलने जा रहा है। भविष्य से जुड़ी टेक्नोलॉजी में भारत आगे बढ़ रहा है।

दुनिया झुकती है, झुकाने वाला चाहिए : गडकरी

हम कई समस्याओं का सामना कर रहे, विश्वगुरु बनना है तो इम्पोर्ट कम, एक्सपोर्ट बढ़ाना होगा

नागपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि देश में अभी जिन विषयों पर चर्चा हो रही, मैं उनका नाम नहीं लेना चाहता। विश्व में हम अनेक तरह की समस्याओं का सामना कर रहे हैं, लेकिन मुझे लगता है कि दुनिया झुकती है, बस झुकाने वाला चाहिए। गडकरी नागपुर में स्थित विश्वेश्वरैया नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

गडकरी ने ये भी कहा- सबसे बड़ी राष्ट्रभक्ति यह हो सकती है कि हम इम्पोर्ट को कम करें और एक्सपोर्ट को बढ़ाएं। विश्वगुरु बनने के लिए यह जरूरी है। उन्होंने बताया कि दुनिया की सभी समस्याओं का उपाय साइंस, टेक्नोलॉजी और नॉलेज है। अगर हम नॉलेज और पावर का इस्तेमाल करेंगे तो दुनिया के सामने झुकना नहीं पड़ेगा।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने ये बातें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के भारत पर 25 प्रतिशत एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने के ऐलान के 3 दिन बाद कही हैं। ट्रम्प का 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ 27 अगस्त से लागू होगा। अब भारत पर कुल 50 प्रतिशत टैरिफ लगेगा।

कुछ देश दुनिया में दादागिरी कर रहे :

गडकरी ने कहा, आर्थिक रूप से संपन्न होने की वजह से दुनिया में कुछ देश दादागिरी कर रहे हैं। उनके पास टेक्नोलॉजी है। अगर हमारे पास उनसे अच्छी टेक्नोलॉजी और रिसोर्स आएंगे तो हमें दादागिरी नहीं करनी है। हमारी संस्कृति कहती है कि विश्व का कल्याण हो। हमने कभी नहीं कहा कि अपना कल्याण पहले करो, फिर दुनिया का।

केंद्रीय मंत्री ने कहा- सभी जिले, राज्य और क्षेत्रों में अलग-अलग बातें हैं। जहां कचरा ज्यादा है, वहां भी अलग तरह का काम हो सकता है। टेक्नोलॉजी और साइंस में हमारे इंस्टीट्यूशन और साइंटिस्ट उस दिशा में काम करेंगे। इससे देश की प्रगति और विकास दर तीन गुना बढ़ जाएगी।

ऑपरेशन सिंदूर पर सरकार ने फ्रीहैंड दिया था : आर्मी चीफ

हम चेस खेल रहे थे, न हमें, न दुश्मन को पता था अगला कदम क्या होगा

चेन्नई, 10 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सरकार ने हमें फ्री हैंड दिया था। ऑपरेशन में हम चेस खेल रहे थे। हमें नहीं पता था दुश्मन की अगली चाल क्या होगी और हम क्या करने वाले हैं।

उन्होंने कहा- हम शतरंज की चालें चल रहे थे और वह (दुश्मन) भी शतरंज खेल रहा था। कहीं हम उन्हें शह और मात दे रहे थे तो कहीं हम अपनी जान गंवाने के जोखिम पर भी हार मान रहे थे, लेकिन यही तो जिंदगी है।

जनरल द्विवेदी ने कहा कि इसे ग्रे जोन कहा जाता है। इसका मतलब है कि हम पारंपरिक ऑपरेशन नहीं कर रहे हैं। आईआईटी मद्रास में 'अग्निशोध'- इंडियन आर्मी रिसर्च सेल के उद्घाटन के दौरान उन्होंने यह बात कही थी। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर-आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में एक नया अध्याय' पर भी संबोधित किया। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को सुनियोजित, खुफिया-आधारित ऑपरेशन बताया, जो एक सैद्धांतिक बदलाव को दर्शाता है।

जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा- 25 अप्रैल को हमने उत्तरी कमान का दौरा किया। यहां ऑपरेशन की प्लानिंग की, जिसमें हमने 9 में से 7 आतंकी ठिकानों को नष्ट किया, इसमें कई आतंकी भी मारे गए। उन्होंने कहा कि 29 अप्रैल को पीएम मोदी से मुलाकात की। यह महत्वपूर्ण है कि कैसे एक छोटा सा नाम 'ऑपरेशन सिंदूर' पूरे देश को जोड़ता है।

यह एक ऐसी बात है जिसने पूरे देश को प्रेरित किया। यही कारण है कि पूरा देश कह रहा था कि आपने इसे क्यों रोक दिया? यह सवाल पूछा जा रहा था और इसका भरपूर जवाब दिया गया है।

क्या है 'अग्निशोध' :

'अग्निशोध'- इंडियन आर्मी रिसर्च सेल डिफेंस टेक्नॉलॉजी में बड़ा कदम है। इसका मोटिव सैन्य कर्मियों को एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग, साइबर सिक्योरिटी, क्वांटम कंप्यूटिंग, वायरलेस कम्युनिकेशन और अनमैन्ड सिस्टम जैसे एरिया में कुशल बनाना है।

'पारदर्शिता दिखाएं, डिजिटल मतदाता सूची सार्वजनिक करें'

राहुल गांधी की चुनाव आयोग से मांग

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर चुनाव आयोग पर निशाना साधा। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक वीडियो साझा कर लिखा, वोट चोरी एक व्यक्ति, एक वोट के बुनियादी लोकतांत्रिक सिद्धांत पर हमला है। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के लिए साफ-सुथरी मतदाता सूची अनिवार्य है। चुनाव आयोग से हमारी मांग साफ है कि पारदर्शिता दिखाएं और डिजिटल मतदाता सूची सार्वजनिक करें, ताकि जनता और राजनीतिक दल उसका खुद ऑडिट कर सकें।

राहुल ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने भाजपा और चुनाव आयोग की मिलीभगत से चुनावों में बड़े पैमाने पर आपराधिक धोखाधड़ी होने के अपने दावों को दोहराया। उन्होंने कर्नाटक के एक निर्वाचन क्षेत्र के विश्लेषण का हवाला देते हुए कहा था कि यह संविधान के खिलाफ अपराध है।

वेब पोर्टल पर क्या-क्या :

पोर्टल पर एक संदेश भी है, जिसमें कहा गया है कि वोट हमारे लोकतंत्र की नींव है, लेकिन इस पर भाजपा की ओर से सुनियोजित हमला किया जा रहा है, जिसमें चुनाव आयोग भी शामिल है। इसमें दावा किया गया, बेंगलूरू मध्य के सिर्फ एक विधानसभा क्षेत्र में हमें एक लाख से ज्यादा फर्जी मतदाता मिले, जिन्होंने भाजपा को यह लोकसभा सीट जीतने में मदद की। कल्पना कीजिए कि अगर ऐसा 70-100 सीटों पर हो तो यह स्वतंत्र चुनावों को नष्ट कर देगा।

पोर्टल पर दिए गए संदेश में लिखा है, कांग्रेस और भारत ने पहले भी महाराष्ट्र सहित कई जगहों पर चिंता जताई है।

यात्री को दी थी गंदी और खराब सीट

अब इंडिगो एयरलाइंस को देना होगा 1.5 लाख का मुआवजा

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। एयरलाइन कंपनी इंडिगो को अब यात्रियों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। क्योंकि एक मामले में दिल्ली उपभोक्ता मंच ने इंडिगो पर शिकंजा कसते हुए यात्री को मुआवजा देने का निर्देश दिया है। यह मामला यात्री को खराब सीट उपलब्ध कराने का है।

दरअसल, दिल्ली के एक उपभोक्ता मंच ने विमानन कंपनी इंडिगो को एक महिला को गंदी और दागदार सीट उपलब्ध कराने के लिए सेवा में कमी का दोषी माना। उपभोक्ता मंच ने इसी के साथ महिला यात्री को हुई असुविधा, पीड़ा और मानसिक परेशानी के लिए 1.5 लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया।

नई दिल्ली जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने पिंकी नामक महिला यात्री द्वारा दर्ज कराई की शिकायत पर सुनवाई की।

सबके बॉस तो हम हैं : राजनाथ

ट्रंप का नाम लिए बिना रक्षामंत्री ने कसा तंज कहा- कुछ लोग भारत के विकास से खुश नहीं

भोपाल, 10 अगस्त (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज मध्य प्रदेश के रायसेन जिले के दौरे पर हैं। जिले के उमरिया गांव में औबेदुल्लागंज के दशहरा मैदान में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने रेल कोच इकाई का भूमिपूजन किया। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने बिना नाम लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हमला बोला।

राजनाथ सिंह ने कहा कि कुछ लोग ऐसे हैं जो भारत के विकास की रफ्तार से खुश नहीं हैं। उन्हें यह अच्छा नहीं लग रहा। 'सबके बॉस तो हम हैं'। भारत इतनी तेजी से कैसे आगे बढ़ रहा है? कई लोग कोशिश कर रहे हैं कि भारत में, भारतीयों के हाथों से बनी चीजें उन देशों में बनी चीजों से ज्यादा महंगी हो जाएं, ताकि जब ये चीजें महंगी हो जाएं तो दुनिया इन्हें न खरीदे। यह प्रयास किया जा रहा है। लेकिन, भारत इतनी तेजी से आगे बढ़ रहा है कि मैं पूरे विश्वास के साथ कहता हूं, अब दुनिया की कोई ताकत भारत को विश्व की एक बड़ी ताकत बनने से नहीं रोक सकती।

रक्षा क्षेत्र को लेकर राजनाथ सिंह ने कहा- कि आपको यह जानकर खुशी होगी कि अब हम 24 हजार करोड़ रुपये से अधिक के रक्षा सामान का निर्यात कर रहे हैं। यही भारत की ताकत है, यही नए भारत का नया रक्षा क्षेत्र है, हमारा निर्यात लगातार बढ़ रहा है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा- आतंकवादी आए और लोगों को उनका धर्म पूछकर मार डाला। हमने भी तय किया कि हम किसी को धर्म पूछकर नहीं मारेंगे, बल्कि उनके कर्म देखकर मारेंगे। हमने ऐसा ही किया किया। जब रावण ने सीता जी का अपहरण किया, वह लंका में थीं। जब हनुमान जी वहां पहुंचे तो उन्होंने लंका में हाहाकार मचा दिया। जब वे सीता जी के पास पहुंचे तो सीता जी ने बहुत विनम्रता से कहा, अरे हनुमान! यह तुमने क्या कर दिया? लंका में इतना हंगामा क्यों मचाया? इतने लोगों को क्यों मार डाला? तब हनुमान जी बहुत विनम्र होकर, हाथ जोड़कर बोले, 'अरे माता, जिन मोहि मारा, तिन मैं मारे'। जिन्होंने हमारे लोगों को मारा, हमने भी उन्हें ही मारा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने मध्य प्रदेश की तारीफ की। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास को देखकर मैं कह सकता हूं कि आने वाले वर्षों में इसे 'मॉडर्न प्रदेश' के नाम से जाना जाएगा। आज जिस रेल कोच फैक्ट्री का शिलान्यास किया गया, मैंने देखा कि आपने इसका नाम 'ब्रह्मा' रखा है। सृष्टिकर्ता के नाम पर इस इकाई का नाम रखना अपने आप में एक बहुत ही अद्भुत सुझाव है। मुझे पूरा विश्वास है कि यह इकाई, अपने नाम से प्रेरणा लेकर और उसे साकार करते हुए, उत्पाद निर्माण के मामले में नई ऊंचाइयों को छुएगी।

जम्मू-कश्मीर में आतंकियों से 10वें दिन भी मुठभेड़ जारी

जम्मू, 10 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले के अखल देवसर इलाके में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ 10वें दिन भी जारी है। वहीं आज भी जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ और कुलगाम में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई और इस समय गोलीबारी जारी है। भारतीय सेना के जवानों ने जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ के दुल इलाके में आतंकवाद विरोधी अभियान शुरू किया। बता दें कि अब तक सेना के दो जवान शहीद हो गए हैं और सुरक्षा बलों ने एक आतंकवादी को मार गिराया है, लेकिन अभी भी कुछ और आतंकवादी इलाके में छिपे हुए हैं।

इलाके में आतंकियों की मौजूदगी के मद्देनजर सुरक्षाबल पूरी सतर्कता से अभियान चला रहे हैं। साथ ही पुलिस और सेना के अधिकारी ऑपरेशन को जल्द से जल्द सफल बनाने के लिए लगातार रणनीति बना रहे हैं।

बिहार में बिना नोटिस नहीं हटेगा किसी भी मतदाता का नाम

एसआईआर पर घमासान के बीच चुनाव आयोग ने दिया भरोसा

बिहार में वोटर्स को लेकर चुनाव आयोग का बड़ा फैसला

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में एक नया हलफनामा दायर किया है। यह हलफनामा बिहार में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) से जुड़ा है। आयोग ने शीर्ष अदालत को भरोसा दिलाया है कि वोटर लिस्ट से किसी का भी नाम बिना सूचना दिए और बिना आदेश के नहीं हटाया जाएगा। यह एफिडेविट एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की याचिका के जवाब में दिया गया है। याचिका में वोटर लिस्ट से हटाए गए लगभग 65 लाख नामों की जानकारी मांगी गई थी। चुनाव आयोग ने कहा है कि वह हर वोटर को शामिल करने के लिए पूरी कोशिश कर रहा है। साथ ही, अपील के लिए दो स्तर की व्यवस्था भी बनाई गई है।

चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में दिया हलफनामा :

चुनाव आयोग ने अपने हलफनामे में कहा है कि पॉलिसी के तौर पर और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन करते हुए, 1 अगस्त 2025 को प्रकाशित वोटर लिस्ट से किसी भी वोटर का नाम बिना पूर्व सूचना के नहीं हटाया जाएगा। मतदाता को नाम हटाने का कारण बताया जाएगा और उसे अपनी बात रखने का मौका दिया जाएगा। सक्षम अधिकारी एक आदेश जारी करेंगे। इसका मतलब स्पष्ट है कि अब वोटर लिस्ट से नाम हटाने के पहले चुनाव आयोग को मतदाता को नोटिस देना होगा। उसे अपनी बात रखने का मौका देना होगा और नाम हटाने का कारण भी बताना होगा।

आयोग ने यह भी कहा कि उसने यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कदम उठाया है कि कोई भी योग्य मतदाता छूट न जाए। चुनाव आयोग ने आगे कहा कि इस संबंध में दो-स्तरीय अपील सिस्ट यह सुनिश्चित करती है कि हर वोटर को किसी भी गलत कार्रवाई के खिलाफ पर्याप्त अवसर मिले। यानी अगर किसी वोटर का नाम वोटर लिस्ट से गलत तरीके से हटा दिया जाता है, तो उसके पास अपील करने का मौका होगा।

आयोग ने आगे ये भी कहा कि जिन मतदाताओं के पास अभी कोई दस्तावेज नहीं है, उन्हें भी ऐसे डॉक्यूमेंट्स प्राप्त करने की प्रक्रिया में मदद की जाएगी। आयोग ने बताया कि 7.89 करोड़

केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी से संपर्क न होने का दावा

केएसयू नेता ने गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई

त्रिशूर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। केरल छात्र संघ (केएसयू) के एक नेता ने दावा किया है कि वरिष्ठ भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी पिछले कुछ समय से अपने निर्वाचन क्षेत्र और जिले के लोगों के लिए पहुंच से बाहर हैं। उन्होंने रविवार को पुलिस में उनकी गुमशुदगी की शिकायत भी दर्ज कराई। केएसयू, कांग्रेस पार्टी का छात्र संगठन है।

तीन महीनों से अपने निर्वाचन क्षेत्र में नहीं आए :

केएसयू नेता गोकुल गुरुवायूर ने आरोप लगाया कि त्रिशूर से लोकसभा सांसद गोपी पिछले तीन महीनों से अपने निर्वाचन क्षेत्र में नहीं आए हैं। उन्होंने हाल ही में छत्तीसगढ़ में राज्य की दो कैथोलिक ननों की गिरफ्तारी पर एक शब्द भी नहीं कहा। उन्होंने बताया, भले ही गोपी एक ऐसे नेता थे, जिन्होंने पिछले लोकसभा चुनावों के दौरान पूरी तरह से ईसाई वोट बैंक पर ध्यान केंद्रित किया था और समुदाय के वोटों को लुभाने के लिए एक चर्च को सोने का मुकुट भेंट किया था, लेकिन जब भाजपा शासित राज्य में ननों को अपमानित और गिरफ्तार किया गया, तो उन्होंने चुप्पी साधे रखी।

जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों के लिए पहुंच से बाहर :

उन्होंने आरोप लगाया कि त्रिशूर निगम के तहत कार्यान्वित एक महत्वपूर्ण केंद्र सरकार की परियोजना के उद्घाटन के लिए जब अधिकारियों ने गोपी से संपर्क किया, तो उनसे संपर्क नहीं हो पाया। केएसयू नेता ने आगे आरोप लगाया कि केंद्रीय मंत्री न केवल निर्वाचन क्षेत्र के आम लोगों के लिए, बल्कि राज्य में जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों के लिए पहुंच से बाहर हो गए हैं।

ब्रिक्स देशों की जुगलबंदी के बाद ट्रंप ने साधी चुप्पी

वॉशिंगटन/नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। रूसी तेल खरीदने को लेकर जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत का टैरिफ लगाया, तो लगे हाथ उन्होंने एक चेतावनी भी दी थी। उन्होंने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा था कि 'आठ घंटे में देखिए और क्या क्या होता है'। आशंका थी की अगले आठ घंटों के बाद भारत के खिलाफ और ज्यादा टैरिफ या फिर किसी तरह के प्रतिबंध का ऐलान किया जाएगा। लेकिन करीब 40 घंटे से ज्यादा बीत गये हैं और डोनाल्ड ट्रंप ने चुप्पी साध रखी है। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि पर्दे के पीछे कुछ तो ऐसा हुआ है कि डोनाल्ड ट्रंप अचानक बैकफुट पर चले गये हैं। कुछ बड़ी बातें जो हुई हैं वो हैं, भारत के नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर (एनएसए) अजीत डोभाल का मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलना, प्रधानमंत्री मोदी के चीन दौरे का ऐलान होना, पुतिन और प्रधानमंत्री मोदी में टेलीफोन पर बात होना और ब्राजील के राष्ट्रपति लुला डी सिल्वा का प्रधानमंत्री मोदी को फोन करना।

इन सभी बातों में कॉमन ये है कि ब्राजील, भारत, रूस और चीन... ये चारों देश ब्रिक्स के संस्थापक सदस्य हैं। ऐसे में सवाल ये हैं कि क्या टैरिफ युद्ध के खिलाफ ब्रिक्स के एक्टिवेट होते ही डोनाल्ड ट्रंप ने अपने कदम वापस खींच लिए हैं? संकेत मिल रहे हैं कि डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ युद्ध के खिलाफ ब्रिक्स देश बहुत बड़ा ऐलान करने की तैयारी कर रहे हैं और वो ऐलान ब्रिक्स करेंसी को लेकर हो सकता है, जो अमेरिका के पैरों तले जमीन हिलाने वाला होगा। माना जा रहा है कि डोनाल्ड ट्रंप के हर दिन के टैरिफ नौटंकी के खिलाफ ब्रिक्स देश जवाब देने की तैयारी कर रहा हैं। आपको बता दें कि ब्रिक्स देश वैश्विक जीडीपी में करीब 35.6 प्रतिशत का योगदान देते हैं और ये अब ट्रंप की टैरिफ नीति के खिलाफ एकजुट हो रहे हैं।

हालांकि ब्रिक्स का अब विस्तार हो चुका है और कई नये देश इसमें शामिल हो चुके हैं, लेकिन ज्यादातर शामिल देश चीन के ज्यादा करीबी हैं, जिनमें से ज्यादातर देशों के साथ भारत की अच्छी दोस्ती है, जैसे संयुक्त अरब अमीरात। ब्रिक्स का पांचवां सदस्य दक्षिण अफ्रीका है, जो अभी तक स्थिर है। ब्रिक्स देशों के नेताओं के बीच की बातचीत अब औपचारिकता से आगे बढ़ चुकी है, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी और पुतिन के बीच की लंबी बातचीत भी शामिल है। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा ने भी पीएम मोदी से लंबी बातचीत की है और दोनों नेताओं ने आपसी व्यापार को 2030 तक 20 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है।

युवती ने प्रेमी समेत परिवार पर एफआईआर कराई

इंदौर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। इंदौर के परदेशीपुरा पुलिस ने इलाके में रहने वाली 23 वर्षीय युवती की शिकायत पर उसके प्रेमी और परिवार के 6 से ज्यादा लोगों के खिलाफ नाम बदलकर दोस्ती करने, धर्म परिवर्तन कराने और दुष्कर्म करने के आरोप में मामला दर्ज किया है। पीड़िता के मुताबिक, आरोपी ने अपना गलत नाम बताकर उससे दोस्ती की और फिर शादी के बहाने उसे अपने साथ ले गया। इसके बाद आरोपी ने उसका धर्म बदलवाकर निकाह कर लिया। जब पीड़िता के परिवार को इस बात की जानकारी लगी, तो उन्होंने थाने में एफआईआर करवाई। परदेशीपुरा पुलिस ने दुष्कर्म, धर्म परिवर्तन और जान से मारने की धमकी के आरोप में फाइटर राजपूत उर्फ सोहिल खान, साकिर इकबाल, शामनाज फातिमा, नदीम अख्तर, सहवर इकबाल, यासिर हयात, सारिक, शिवा जरिन, गुलसफा, शौकत राजपूत, गुलजार राजपूत, नजाकत राजपूत और एक मौलवी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

खनन माफिया अमित खंपरिया पर 1.40 लाख का इनाम

बालाघाट, 10 अगस्त (एजेंसियां)। करोड़ों रुपये के फर्जीवाड़े के कई मामलों में फरार खनन माफिया अमित खंपरिया पर कुल 1 लाख 40 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है। उस पर जबलपुर पुलिस ने 60 हजार, बालाघाट पुलिस ने 30 हजार और एक निजी आवेदक ने 50 हजार रुपये का इनाम रखा है। अमित खंपरिया के खिलाफ 2022 में थाना संजीवनी नगर में दर्ज अपराधों में धारा 420, 406, 386, 294, 323, 506 और एससी/एसटी एक्ट शामिल हैं। वहीं, थाना मदन महल में धारा 420, 406, 467, 468, 471, 474, 112, 120बी, 109, 204 के तहत मामले दर्ज हैं। इन प्रकरणों में उसे फरार घोषित किया जा चुका है। जबलपुर एसपी सम्पत उपाध्याय के अनुसार, आरोपी की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है, लेकिन अब तक सफलता नहीं मिली। पुलिस ने जनता से अपील की है कि जो भी व्यक्ति उसके बारे में पुख्ता सूचना देगा, उसे इनाम दिया जाएगा और पहचान गुप्त रखी जाएगी।

दो पक्षों के बीच खूनी जंग के बाद तनाव

रीवा, 10 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के रीवा जिले की रानी तालाब के समीप बसोर बस्ती है जहां नशाखोरी को लेकर शुरू हुए छोटी सी बात को लेकर कुचवधिय(कंजर) और बंसल समाज के बीच उपजा विवाद इतना बढ़ गया कि उसने खूनी जंग का रूप ले लिया। देखते ही देखते पूरा इलाका युद्ध के मैदान में तब्दील हो गया। दोनों पक्षों में जमकर पत्थरबाजी और शराब की बोतलों से एक दूसरे पर बौछार की गई। इस खूनी जंग में दोनों पक्षों की तरफ से महिलाओं ने भी जमकर बवाल काटा। इतना ही नहीं, घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे पुलिस टीम पर भी दोनो पक्षों ने हमला कर दिया, इसके बाद हालात को बेकाबू होता देख अतिरिक्त पुलिस बल भेजा गया और पूरी बस्ती पुलिस छावनी में तब्दील हो गई है। इलाके में तनाव व्याप्त है और इस संघर्ष में 4 से 5 लोग घायल हुए हैं।

दिल्ली यूनिवर्सिटी चुनाव नियमों में सख्ती, उल्लंघन पर होगी कार्रवाई

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस साल छात्र संघ चुनावों में अनुशासन और नियमों को लेकर पहले से ज्यादा कड़ा रुख अपनाने का ऐलान किया है। विश्वविद्यालय की ओर से जारी दिशानिर्देशों में साफ कहा गया है कि डीयू की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी।

वहीं, विजयी जुलूस में ढोल-नगाड़े और लाउडस्पीकर के इस्तेमाल पर भी पाबंदी लगा दी गई है। पिछले चुनाव में प्रचार के दौरान विश्वविद्यालय की संपत्ति को नुकसान पहुचाने और तोड़फोड़ की घटनाओं के चलते कई बार मतगणना रोकनी पड़ी थी। इन घटनाओं को देखते हुए इस बार प्रशासन ने शुरुआत से ही स्पष्ट संकेत दे दिए हैं कि अनुशासन तोड़ने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। निर्देशों में कहा गया है कि चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार न तो विश्वविद्यालय की संपत्ति को नुकसान पहुंचाएंगे और न ही दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करेंगे, जिसके लिए नामांकन के समय ही सभी प्रत्याशियों को एक लाख रुपये का बांड भरना होगा। ऐसे मामलों में जुर्माने के साथ चुनाव से अयोग्यता तक की कार्रवाई हो सकती है।

पुल को तोड़ती हुई 40 फीट नीचे नदी में जा गिरी कार, चार युवकों की हुई मौत

अरावली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। अरावली के मोडासा में माज़ुम पुल पर एक कार तेज गति से दौड़ती जा रही थी, कार अचानक अनियंत्रित हुई और 40 फीट नीचे नदी में जा गिरी। इस हादसे में चार युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। ये हादसा मोडासा शहर के शामलाजी बायपास इलाके में हुआ, जिसमें माज़ुम नदी पर बने पुल से एक कार नीचे गिर जाने से गंभीर घटना सामने आई, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई और पुल पर लोगों की काफी भीड़ जमा हो गई। मिली जानकारी के अनुसार शनिवार, नौ अगस्त की रात करीब साढ़े नौ बजे एक तेज रफ्तार कार के चालक ने अचानक नियंत्रण खो दिया, नियंत्रण बिगड़ने से कार लहराती हुई पुल से सीधे 40 फीट नीचे बह रही नदी में गिर गई।

खरगे महाराष्ट्र कांग्रेस के नए पदाधिकारियों के लिए कार्यशाला का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे

मुंबई, 10 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र कांग्रेस इकाई अपने नवनियुक्त पदाधिकारियों के लिए सोमवार से पुणे के निकट एक हिल रिसॉर्ट में दो दिवसीय आवासीय कार्यशाला आयोजित करेगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे कार्यशाला का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। पार्टी ने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महाराष्ट्र प्रभारी रमेश चेन्निथला और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल सहित वरिष्ठ नेता इस दो दिवसीय कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण, कांग्रेस विधायक दल के नेता विजय वडेट्टीवार, विधान परिषद समूह के नेता सतेज पाटिल, कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य बालासाहेब थोराट और अन्य वरिष्ठ नेता भी कार्यशाला में भाग लेंगे। कार्यशाला में कई पैनल चर्चाएं और संवादात्मक सत्र होंगे। बयान में कहा गया है कि कार्यशाला के दौरान राज्य कांग्रेस की राजनीतिक मामलों की समिति की भी बैठक होगी।

'लाडकी बहिन योजना' के एक साल पूरे

मुंबई, 10 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में लाडकी बहिन योजना का एक साल पूरा हो चुका है। राज्य में लाखों महिलाओं को इस योजना का लाभ मिल रहा है। इस योजना को लेकर कई बार सियासत होती रही है और यह योजना विवादों में भी रही है। अब इस योजना को लेकर कयासबाजी चल रही है कि यह योजना अब बंद हो सकती है। इन विवादों और कयासबाजी के बीच अब महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने बड़ी बात कही है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है कि लाडकी बहिन योजना कभी नहीं रुकेगी, यह योजना जारी रहेगी। बता दें कि शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने महाराष्ट्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था, लाडकी बहिन योजना जल्द ही बंद कर दी जाएगी। राउत ने शिंदे पर कटाक्ष करते हुए कहा, आपने कहा था कि 1,500 रुपये मिलेंगे, लेकिन अब बस 500 रुपये दिए जा रहे हैं। वहीं, चुनाव के दौरान 2,100 रुपये देने की बात कही गई थी। मगर, बाद में डिप्टी सीएम अजित पवार ने इससे साफ इनकार कर दिया। जब से आप डिप्टी सीएम बने हैं हमेशा मेरा पैसा मेरा पैसा करते रहते हैं। इस उपलक्ष्य में पुणे में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डिप्टी सीएम शिंदे ने कहा, जब मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना शुरू हुई, तो विपक्ष ने इसे झूठा करार देते हुए इसे चुनावी एजेंडा बताया था। उस समय में विपक्ष जितनी अफवाहें फैला सकता था, उतनी अफवाहें फैलाई गईं थी। फिर से वही हो रहा है लेकिन मैं बता दूं कि लाडकी बहिन योजना कभी भविष्य में नहीं रुकेगी।

तेलंगाना आरक्षण विधेयक को मंजूरी न मिलने पर कांग्रेस नाराज

भाजपा के सामाजिक न्याय पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने रविवार को तेलंगाना आरक्षण विधेयक को राष्ट्रपति द्वारा मंजूरी न दिए जाने पर आपत्ति जताई। उन्होंने बिहार का उदाहरण देते हुए भाजपा पर निशाना साधा और उनके सामाजिक न्याय को कटघरे में खड़ा किया। तेलंगाना आरक्षण विधेयक में पिछड़े वर्ग को तेलंगाना के स्थानीय निकाय चुनाव, शिक्षा और रोजगार में 42 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान है।

जयराम रमेश ने सवाल उठाया कि जब बिहार में ऐसा ही आरक्षण विधेयक आया था, तब उसे तुरंत मंजूरी दे दी गई थी। जयराम रमेश ने भाजपा के सामाजिक न्याय पर सवाल उठाए और आरोप लगाया कि भाजपा आरक्षण में रुकावट डाल रही है। कांग्रेस सांसद ने सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में लिखा कि '9 नवंबर

2023 में बिहार विधानसभा ने अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के आरक्षण को 65 प्रतिशत बढ़ाने के लिए विधेयक पारित किया गया। इसके बाद विधान परिषद ने 10 नवंबर 2023 को विधेयक पारित हुआ। इसके बाद राज्यपाल ने 21 नवंबर 2023 को विधेयक को मंजूरी दे दी।'

कांग्रेस नेता ने इसके बाद तेलंगाना के आरक्षण विधेयक को लेकर कहा कि 'तेलंगाना विधानसभा ने 17 मार्च 2025 को आरक्षण बढ़ाकर 67 प्रतिशत करने का विधेयक पारित किया था, जिनमें से पिछड़े वर्ग का आरक्षण 42 प्रतिशत करने का प्रावधान है। एक दिन बाद ही विधान परिषद ने इस विधेयक को मंजूरी दे दी। 30 मार्च 2025 को विधेयक को राज्यपाल ने मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा और अब चार महीने से ज्यादा का समय बीत चुका है, लेकिन अभी तक विधेयक को मंजूरी मिलने का इंतजार हो रहा है।'

जयराम रमेश ने कहा कि बिहार में भाजपा उस स्थिति में नहीं थी कि विधेयक में रोड़े अटका सके, लेकिन तेलंगाना में ऐसा किया जा रहा है। बुधवार को तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन भी किया, जिसमें आरक्षण विधेयक को राष्ट्रपति द्वारा मंजूरी देने की मांग की गई।

तेज रफ्तार थार ने दो लोगों को कुचला, एक शख्स की मौके पर ही मौत, दूसरा घायल

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में एक बार फिर तेज रफ्तार थार का कहर देखने को मिला है। लुटियन्स दिल्ली के पास 11 मूर्ति से महज़ कुछ दूरी पर एक तेज रफ्तार थार ने दो लोगों को जोरदार टक्कर मार दी। एक शख्स की मौत हो गई जबकि दूसरे शख्स का अस्पताल में इलाज चल रहा है। यह घटना राष्ट्रपति भवन से मात्र दो किलोमीटर की दूरी पर हुई। थार की रफ्तार इतनी तेज थी कि थार के परखच्चे उड़ गए और उसका अगला टायर निकल गया। हादसे के वक्त कार चला रहा युवक अकेला गाड़ी में सवार था। पुलिस को गाड़ी के अंदर से शराब की बोतल मिली है। गाड़ी का रजिस्ट्रेशन नंबर उत्तर प्रदेश का है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। बताया जाता है कि जिस शख्स की मौत हुई है वह सड़क पर पैदल जा रहा था। इसी बीच तेज रफ्तार कार ने उसे टक्कर मार दी। मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

एससी: सुप्रीम कोर्ट में तत्काल नहीं होगी वरिष्ठ वकीलों के मामलों पर सुनवाई

सीजेआई गवई के आदेश पर आज से होगी शुरुआत

नई दिल्लीसुप्रीम कोर्ट में अब वरिष्ठ अधिवक्ताओं के मामलों पर तत्काल सुनवाई नहीं होगा। जूनियर अधिवक्ताओं को मौका देने के लिए मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई के निर्देश पर कल से नई शुरुआत की जा रही है। इसके तहत सोमवार से किसी भी वरिष्ठ अधिवक्ता को मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अदालत के समक्ष तत्काल सूचीबद्ध और सुनवाई के लिए मामलों का उल्लेख करने की अनुमति नहीं होगी। सर्वोच्च न्यायालय ने नोटिस में कहा कि नामित वरिष्ठ अधिवक्ताओं को सोमवार 11 अगस्त 2025 से भारत के मुख्य न्यायाधीश की अदालत के समक्ष किसी भी मामले का उल्लेख करने की अनुमति नहीं है। इससे पहले पूर्व सीजेआई जस्टिस संजीव खन्ना ने वकीलों ने मामलों की तत्काल सुनवाई और सूचीकरण के लिए मौखिक प्रस्तुतियां देने की परंपरा को बंद कर दिया था। उन्होंने वकीलों को ईमेल या लिखित पत्र भेजने को कहा था। अब मुख्य न्यायाधीश वकीलों द्वारा मामलों को तत्काल सूचीबद्ध करने और सुनवाई के लिए मौखिक उल्लेख करने की पहल दोबारा शुरू करने जा रहे हैं। सीजेआई गवई ने छह अगस्त को कहा था कि इस बात की बहुत मांग है कि किसी भी मामले का उल्लेख वरिष्ठ वकीलों द्वारा नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने अदालत के कर्मचारियों से कहा था कि वे एक नोटिस जारी करें कि सोमवार से किसी भी वरिष्ठ वकील को उनकी अदालत में तत्काल सूचीबद्ध और सुनवाई के लिए मामलों का उल्लेख करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

खाते में आज आएगी फसल बीमा की राशि, शिवराज बोले-स्वदेशी संकल्प के साथ जन जागरण अभियान

भोपाल, 10 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आने वाले समय में स्वदेशी के लिए जन जागरण आंदोलन शुरू करेंगे। स्वतंत्रता दिवस, गणेश उत्सव, दिवाली भी स्वदेशी के साथ मनाएंगे। सोमवार को मध्य प्रदेश के किसानों के खातों में फसल बीमा के 1156 करोड़ रुपए डाले जाएंगे।ऑपरेशन सिंदूर के बाद रक्षांमंत्री राजनाथ सिंह पहली बार मध्य प्रदेश की धरती पर पधारे हैं। पहलगाम में आतंकियों ने धर्म पूछकर बहनों का सिंदूर उजाड़ा था। तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संकल्प लिया था कि आतंकियों को दुनिया के दूसरे छोर तक खोजकर मारेंगे। राजनाथ सिंह के नेतृत्व में सेना ने पराक्रम दिखाया और आतंकियों को ढ़ेर कर दिया। हमने आतंकियों को निशाना बनाया, इसमें पाकिस्तान के आम नागरिकों को नहीं मारा। हमारी सेनाओं ने दो दिन में पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया। पाकिस्तान खुद हाथ जोड़कर भारत के पास आया। भारत के पास युद्ध विराम के लिए कोई दूसरा नहीं आया है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विकसित और शक्तिशाली भारत का निर्माण हुआ है। हमें प्रधानमंत्री

और रक्षामंत्री पर गर्व है। आपके नेतृत्व में भारत की सीमाएं सुरक्षित हैं। आपके नेतृत्व में उमरिया वालों को रेलवे कोच निर्माण की सौगात मिल रही है। पटवा जी के नेतृत्व में बने मंडीदीप औद्योगिक क्षेत्र में आज 700 से अधिक फैक्ट्रियां हैं। इस क्षेत्र से 20 हजार करोड़ एक्सपोर्ट है। अब ब्रह्मा परियोजना से क्षेत्र के लोगों को रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ। यादव के भी आभारी हैं। यह क्षेत्र का देश का अलग औद्योगिक क्षेत्र बनेगा। इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व अटलजी, सुषमा जी, पटवा जी ने भी किया है। हम इस क्षेत्र को आदर्श लोकसभा क्षेत्र बनाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने साफ कह दिया है कि किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं करेंगे। प्रधानमंत्री जी ने आह्वान किया है कि भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। देश को और मजबूत बनाने के लिए स्वदेशी ही अपनाएं। 144 करोड़ देशवासी अपने घर में बना सामान खरीदने लगेंगे तो इसी को देश के लिए जीना कहते हैं। उन्होंने जनता से संकल्प लेने का आग्रह किया कि हम भारत में बनी चीज ही खरीदेंगे, स्वदेशी को अपनाएंगे और इसे जनजागरण आंदोलन का रूप देंगे। उन्होंने कहा कि गणेश उत्सव, स्वतंत्रता दिवस और दीपावली जैसे पर्व भी स्वदेशी मंत्र के साथ मनाए जाएं, यही सच्चा देशभक्ति का परिचायक होगा। हम सभी प्रधानमंत्री जी के साथ खड़े हैं। संकल्प लें कि भारत में बनी चीजें ही खरीदेंगे।

'सबूत हैं तो अदालत या चुनाव आयोग जाएं'

राहुल गांधी के 'वोट चोरी' के आरोपों पर शिंदे का पलटवार

मुंबई, 10 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को विपक्षी कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी पर उनके 'वोट चोरी' के आरोपों को लेकर निशाना साधा। शिवसेना प्रमुख ने कहा कि अगर उनके पास सबूत हैं तो उन्हें अदालत या चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटाना चाहिए। शिवसेना नेता शिंदे ने ठाणे में एक कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से कहा कि इस तरह के निराधार दावे करके उन्होंने महाराष्ट्र के लोगों का अपमान किया है।

राहुल गांधी ने गुरुवार को भाजपा और चुनाव आयोग के बीच मिलीभगत के जरिए चुनावों में बड़े पैमाने पर आपराधिक धोखाधड़ी का दावा किया था। उन्होंने पिछले साल कर्नाटक के एक निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता सूची के विश्लेषण का हवाला दिया था। इसके एक दिन बाद उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग और भाजपा ने लोगों से लोकसभा चुनाव चुराने के लिए मिलीभगत की। इस दौरान कम से कम तीन राज्यों में वोट चोरी हुई। राहुल ने यह भी आरोप लगाया था कि पिछले साल महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे कांग्रेस के इस शक को स्पष्ट करते हैं कि चुनाव चुराया गया था।

ऐसे आरोपों के बारे में पूछे जाने पर शिंदे ने बिना किसी का नाम लिए विपक्ष की सार्वजनिक रूप से बेतुके आरोप लगाने के लिए आलोचना की। उन्होंने कहा, 'अगर उनके पास सबूत हैं, तो उन्हें अदालत या चुनाव आयोग जाना चाहिए। ऐसे निराधार दावे करके उन्होंने महाराष्ट्र के नागरिकों का अपमान किया है, जिन्होंने महायुति (भाजपा, शिवसेना और राकांपा) को चुना है। साथ ही हमारी बहनों, भाइयों, किसानों और राज्य की जनता का भी अपमान किया है।'

'मुझे भारत छोड़ने पर मजबूर कर रहे'

कोरियाई महिला ने की मदद की गुहार

गुरुग्राम, 10 अगस्त (एजेंसियां)। गुरुग्राम के गोल्फ कोर्स रोड स्थित ग्लोबल फोयर मॉल में 14 साल से रेस्तरां चला रही दक्षिण कोरियाई महिला ह्यांग ली ने मॉल प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि किराया और मेंटेनेंस शुल्क देने के बावजूद, मॉल प्रबंधन बार-बार उनके रेस्तरां 'मिसो' की बिजली और पानी की सप्लाई काट देता है। ह्यांग ली ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर अपनी आपबीती बताई, जिसके बाद गुरुग्राम पुलिस ने मामले में हस्तक्षेप किया। ह्यांग ली ने सोशल मीडिया पर जारी किए अपने वीडियो में कहा, मैं 14 सालों से सभी भारतीय कानूनों और लाइसेंसों का पालन करते हुए कानूनी तौर पर अपना रेस्टोरेंट चला रही हूं। पिछले तीन सालों से, मॉल प्रबंधन और बिल्डर अवैध रूप से आवश्यक सेवाएं बंद करके मुझे परेशान कर रहे हैं।

अगर कोई कार्रवाई नहीं की गई, तो मुझे एक कड़वे अनुभव के साथ अपने देश लौटने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। पुलिस के अनुसार, यह मामला मुख्य रूप से सिविल विवाद का है, लेकिन दोनों पक्षों के बीच मध्यस्थता की कोशिश की जा रही है। शुक्रवार को दोनों पक्षों की मुलाकात पुलिस स्टेशन में हुई, जिसमें यह स्पष्ट हुआ कि ह्यांग ली 14 सालों से मॉल में रेस्तरां चला रही हैं। मॉल प्रबंधन ने उन पर पानी के रिसाव से बिल्डिंग को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाते हुए 9 लाख रुपये का नोटिस जारी किया था। ली ने यह राशि नहीं दी, जिसके चलते बिजली-पानी विवाद पैदा हुआ। पिछली बैठक में बिजली और पानी की समस्या का हल कर लिया गया है। 9 लाख रुपये के विवाद पर सोमवार (11 अगस्त) को दोनों पक्षों की कानूनी टीमों की मौजूदगी में बैठक होगी। पुलिस का कहना है कि बातचीत के जरिए मामले का निपटारा कराने का प्रयास किया जाएगा।

उत्तरकाशी समेत इन जिलों में आईएमडी का अलर्ट

देहरादून, 10 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तराखंड के लोगों के लिए मानसूनी बरसात इन दिनों मुसीबत बनी हुई है। आज भी मौसम विभाग की ओर से राज्य में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग की ओर से उत्तराखंड की राजधानी देहरादून के साथ-साथ पिथौरागढ़ और बागेश्वर जिले के कुछ हिस्सों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। प्रदेश भर में बिजली चमकने और गर्जन के साथ तेज बरसात हो सकती है। उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, नैनीताल, उधम सिंह नगर, चंपावत, टिहरी और पौड़ी जिलों के कुछ इलाकों में तेज बारिश का येलो अलर्ट मौसम विभाग ने जारी किया है। राज्य में पिछले कुछ दिनों में मौसम का जो पैटर्न बदला है, उसका प्रभाव यहां होने वाली बरसात में भी दिख रहा है। पिछले कुछ दिनों से राज्य में पहाड़ी इलाकों से लेकर मैदानी क्षेत्रों तक में तेज बरसात देखने को मिल रही है मौसम विभग की ओर से सोमवार यानी 11 अगस्त को भी राज्य में भारी बारिश होने का अलर्ट जारी किया गया है।

देहरादून, चमौली रुद्रप्रयाग और उत्तरकाशी में कहीं-कहीं भारी बरसात देखने को मिल सकती है। 12 अगस्त को देहरादून,चंपावत, नैनीताल और प्रदेश के बाकी हिस्सों में भारी बारिश की संभवना मौसम विभाग की ओर से जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार, आगामी 15 अगस्त तक मौसम का मिजाज ऐसा ही रहने वाला है। कुल मिलाकर राज्य के लोगों को 15 अगस्त तक बारिश से निजात मिलने के आसार नहीं हैं।

13 अगस्त से नया सिस्टम एमपी में होगी तेज बारिश

भोपाल, 10 अगस्त (एजेंसियां)। बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर एरिया (निम्न दाब क्षेत्र) एक्टिव होने से 13 अगस्त से फिर मध्यप्रदेश में तेज बारिश का दौर शुरू होगा। इससे पहले भी प्रदेश के कई जिले तरबतर होंगे। टर्फ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन एक्टिविटी होने से ऐसा होगा। मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया कि अगले 5 दिन तक कई जिलों में भारी बारिश होगी। 13-14 अगस्त से बारिश की एक्टिविटी तेज होगी। यानी, अगस्त के दूसरे पखवाड़े में प्रदेश में भारी बारिश का दौर बना रहेगा। इससे पहले प्रदेश के कई जिलों में बारिश का दौर बना रहा। भोपाल में दोपहर बाद बादल छा गए और हल्की बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में अब तक 28.8 इंच बारिश हो चुकी है,

बंगाल से किडनैप हुई लड़की राजस्थान में मिली; शादी के लिए दो बार बेची गई

कोलकाता, 10 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो यानी सीबीआई ने पश्चिम बंगाल के बर्धमान से लगभग दो साल पहले कथित तौर पर अगवा हुई लड़की को राजस्थान से बरामद कर लिया है। अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, सीबीआई ने अगवा हुई लड़की को राजस्थान के पाली से बरामद किया है। अधिकारियों ने बताया कि नौ अगस्त 2023 को ट्यूशन पढ़ने के लिए घर से निकलने के बाद लड़की का किडनैप कर लिया गया था और उसे पाली में एक आरोपी के घर से बचा लिया। पीड़िता की मां की याचिका पर कलकत्ता हाई कोर्ट ने 16 फरवरी 2024 को मामले की जांच सीबीआई को देने का आदेश दिया था। अधिकारियों ने बताया कि लड़की को शादी के नाम पर दो बार 'बेचा' गया था। उन्होंने बताया कि सीबीआई ने मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार उन्हें शक है कि कथित अपहरण एक बड़े मानव तस्करी नेटवर्क का हिस्सा था। जानकारी के अनुसार, जिन आरोपियों के अरेस्यट किया गया उनके नाम- भरत कुमार, जगदीश कुमार, मीना दपुबेन, रता राम और दिलीप कुमार हैं। सूत्रों से मिली खुफिया जानकारी और फोन कॉल रिकॉर्ड के आधार पर, सीबीआई की एक टीम ने शुक्रवार को पाली में एक आरोपी के घर पर लड़की को ढूंढ निकाला। जांचकर्ताओं ने पाया कि लापता होने के समय वह नाबालिग थी, लेकिन उसकी शादी कराने के लिए जाली हलफनामों के जरिए उसे वयस्क बताया गया।

सु वि चा र

अभी तो असली बाकी है परिंदे का इम्तिहान बाकी है, अभी तो लंबा है समुद्र, अभी तो पूरा आकाश बाकी है!

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने शहर का औचक निरीक्षण किया

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को एक अघोषित और औचक दौरे में अमीरपेट के बाढ़ प्रभावित बुद्धनगर, मैत्रीवनम और बालकमपेट इलाकों का दौरा किया। उन्होंने निवासियों से बातचीत की और प्रभावित इलाकों में जल निकासी व्यवस्था का जायजा लिया।

बुद्धनगर में, मुख्यमंत्री ने पाया कि जल निकासी नहर कॉलोनी की सड़क से ऊंचे स्तर पर थी, जिससे बाढ़ की समस्या और भी बदतर हो गई।

उन्होंने व्यवस्था को तुरंत सुचारू बनाने के आदेश दिए। निवासियों ने मुख्यमंत्री से गंगूबाई बस्ती के तालाब पर पार्किंग के लिए अवैध अतिक्रमण की शिकायत की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सुधारात्मक कदम उठाने और स्थायी समाधान के लिए एक विशेष ट्रंक लाइन बिछाने के निर्देश दिए।

मैत्रीवनम में, उन्होंने जल जमाव बिंदुओं का निरीक्षण किया, विस्तृत रिपोर्ट मांगी और दीर्घकालिक बाढ़ शमन उपायों के कार्यान्वयन के निर्देश दिए। बालकमपेट में, मुख्यमंत्री ने स्थानीय लोगों से मुलाकात की और बाढ़ के प्रभाव और निवासियों के सामने आने वाली चुनौतियों को समझा। उन्होंने अधिकारियों को सभी प्रभावित परिवारों के लिए राहत और सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

केटीआर ने आदिलाबाद में आईटी टावर का किया स्वागत

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व आईटी मंत्री केटी रामाराव ने आदिलाबाद में बनने वाले आईटी टावर की खबरों का स्वागत किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि कांग्रेस सरकार, के. चंद्रशेखर राव सरकार की सूचना प्रौद्योगिकी को दूसरे दर्जे के शहरों तक पहुंचाने की पहल को जारी रखेगी।

यह मॉडल स्थानीय रोजगार को बढ़ावा देने और हैदराबाद से परे निवेश को आकर्षित करने के लिए तैयार किया गया था। रामा राव ने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार ने आईटी क्षेत्र के विकेंद्रीकरण को प्राथमिकता दी थी, नलगोंडा, वारंगल, करीमनगर, निज़ामाबाद, महबूबनगर, खम्मम, सिद्दीपेट और अब आदिलाबाद में केंद्र स्थापित किए थे।

सिंगरेणी कांग्रेस पार्टी के लिए भ्रष्टाचार की खान बन गई है : एमएलसी कविता

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति अध्यक्ष और बीआरएस पार्टी की एमएलसी कलवकुंतला कविता ने आज आरोप लगाया कि सत्ता में आने के बाद सिंगरेणी कंपनी कांग्रेस पार्टी के लिए भ्रष्टाचार की खान बन गई है।

उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर कंपनी में नौकरियों की नियुक्तियों सहित हर चीज़ में भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि जयपुर थर्मल पावर प्लांट के निर्माण की अनुमानित लागत रातोंरात बढ़ा दी गई। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर ने सिंगरेणी को बचाने के इरादे से वहां राजनीतिक भ्रष्टाचार को खत्म किया था, लेकिन कांग्रेस पार्टी के सत्ता में आने के बाद सिंगरेणी कंपनी में राजनीतिक भ्रष्टाचार बढ़ गया।

उनका मानना है कि सिंगरेणी संगठन में बदलाव किया जाना चाहिए ताकि यह केंद्रीय सतर्कता और सीबीआई के दायरे में आ सके। उन्होंने घोषणा की कि कंपनी के कर्मचारियों को आश्वस्त करने के लिए जल्द ही सिंगरेणी यात्रा निकाली जाएगी। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियां उत्पन्न हो गई हैं, जहां पूछताछ करने पर नौकरियां छीन ली जाएंगी और उन्होंने कहा कि वे ऐसी घटनाओं को रोकेंगे। रविवार को बंजारा हिल्स स्थित तेलंगाना जागृति कार्यालय में एचएमएस महासचिव रियाज़ अहमद और एमएलसी कविता के बीच महत्वपूर्ण चर्चा हुई। यह निर्णय लिया गया कि तेलंगाना जागृति से संबद्ध संगठन सिंगरेणी जागृति और एचएमएस संगम मिलकर काम करेंगे।

इस अवसर पर पत्रकारों से बात करते हुए, एमएलसी कविता ने कहा कि सिंगरेणी क्षेत्र एक लघु भारत बन गया है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के गठन के बाद केसीआर ने सिंगरेणी को बचाने के लिए कड़ी मेहनत की और कहा कि सिंगरेणी में अब लगभग 40,000 कर्मचारी काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अगर हर साल पांच खदानें भी खोली जाएं, तो तेलंगाना में 185 खदानें खोलने के लिए पर्याप्त कोयला भंडार है। उन्होंने सिंगरेणी में भूमिगत मैनुअल खदानें खोलने की मांग की। उन्होंने कहा कि ओपन कास्ट माइनिंग से केवल बड़े लोगों को ही फायदा होता है, और कहा कि प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। उन्होंने बताया कि औसतन, प्रत्येक सिंगरेणी मज़दूर प्रतिदिन छह टन कोयला उत्पादन करता है, जिसका अर्थ है कि प्रत्येक मज़दूर राज्य सरकार को प्रतिदिन लगभग 30 हज़ार रुपये कमाता है। वह इस बात से नाराज़ थीं कि राज्य सरकार मज़दूरों को बहुत कम देती है और उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी उनके वेतन पर आयकर भी लगा रहे हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से कर्मचारियों के लिए आयकर समाप्त करने की मांग की। उन्होंने कहा कि केसीआर ने सिंगरेणी मज़दूरों को घर बनाने के लिए 10 लाख रुपये तक का ब्याज-मुक्त ऋण दिया। उन्होंने मांग की कि उच्च-स्तरीय समिति की सिफारिशों के अनुसार 22,000 ठेका कर्मचारियों को वेतन दिया जाए। उन्होंने कहा कि वे मज़दूरों के कल्याण को मुख्य एजेंडा बनाकर काम करेंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे मज़दूरों के अधिकारों के मामले में कांग्रेस पार्टी की धोखाधड़ी का पर्दाफ़ाश करेंगी। उन्होंने इस बात पर रोष व्यक्त किया कि कांग्रेस पार्टी ने पिछले बोनस के मामले में मज़दूरों को धोखा दिया था और यह कहकर वास्तविक लाभ को कम दिखाया था कि वे बोनस के रूप में लाभ का 33 प्रतिशत हिस्सा दे रहे हैं। उन्होंने मांग की कि सिंगरेणी के श्रमिकों को अगले दशहरा उत्सव के लिए बोनस के रूप में मुनाफे का 37 प्रतिशत हिस्सा दिया जाए। उन्होंने बताया कि एचएमएस श्रमिक संगठन सुभाष चंद्र बोस द्वारा स्थापित एक संगठन है, जो ब्रिटिश शासन के दौरान श्रमिकों के लिए लड़ने के लिए बनाया गया था, और यह राज्य में स्वतंत्र रूप से काम कर रहा है। उन्होंने कई श्रमिक आंदोलनों को आगे बढ़ाने, सिंगरेणी के श्रमिकों के लिए लड़ने और उच्च बोनस प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए एचएमएस महासचिव रियाज़ अहमद की प्रशंसा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि सिंगरेणी जागृति एचएमएस के साथ मिलकर काम करेगी।

तेलंगाना में 11,600 से अधिक इंजीनियरिंग सीटें खाली

180 इंजीनियरिंग कॉलेजों में खाली थीं कुल 91,649 सीटें

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना इंजीनियरिंग, कृषि और फार्मेसी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीजी ईएपीसीईटी) 2025 के अंतिम चरण के सीट आवंटन की रविवार को जारी सूची के बाद इंजीनियरिंग कॉलेजों में 11,638 स्नातक सीटों के लिए कोई उम्मीदवार नहीं है। 180 इंजीनियरिंग कॉलेजों में कुल 91,649 सीटें खाली थीं, जिनमें 156 निजी, 21 विश्वविद्यालय और दो निजी विश्वविद्यालय शामिल थे, जबकि 4,720 नए आवंटनों सहित 80,011 सीटें छात्रों को आवंटित की गईं। निजी इंजीनियरिंग कॉलेजों में सबसे ज्यादा 9,696 सीटें खाली रहीं, इसके बाद विश्वविद्यालय कॉलेजों में 1,793 सीटें खाली रहीं, जहां 72.2 प्रतिशत सीटें आवंटित हुईं। पांच विश्वविद्यालयों और 46 निजी कॉलेजों सहित 51 कॉलेजों में 100 प्रतिशत सीटें आवंटित की गईं।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के कोडंगल निर्वाचन क्षेत्र में तकनीकी शिक्षा आयुक्त के अधीन पहला इंजीनियरिंग कॉलेज के रूप में स्थापित कोसगी स्थित सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज छात्रों को आकर्षित करने में विफल रहा है। इस संस्थान में 198 सीटों में से केवल 28.2 प्रतिशत सीटें ही आवंटित की गईं। इंजीनियरिंग शाखावार दाखिलों की बात करें तो, कंप्यूटर साइंस और आईटी से जुड़े कार्यक्रमों में 65,080 सीटों में से 92 प्रतिशत सीटें आवंटित हुईं। इसी तरह, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग शाखाओं में 3,636 सीटें खाली रहीं। मैकेनिकल और सिविल इंजीनियरिंग शाखाएं छात्रों को आकर्षित करने में विफल रहीं, जहां 7,675 में से 68.22 प्रतिशत सीटें आवंटित हुईं।

जिन अभ्यर्थियों को सीट आवंटन प्राप्त हुआ है, उन्हें 12 जुलाई तक या उससे पहले स्वयं ऑनलाइन रिपोर्ट करना होगा और वेबसाइट पर ट्यूशन शुल्क का भुगतान करना होगा, अन्यथा उनका अनंतिम सीट आवंटन रद्द कर दिया जाएगा।

जुपल्ली ने हैदराबाद मेट्रो की सवारी की

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन, संस्कृति और उत्पाद शुल्क मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने रविवार को हैदराबाद मेट्रो की यात्रा करके सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। उन्होंने एक शादी में शामिल होने के लिए एलबी नगर से केपीएचबी तक यात्रा की और अन्य यात्रियों से बातचीत की। मंत्री ने विशेष रूप से बच्चों के साथ बातचीत की और पूरी यात्रा के दौरान उनके साथ सार्थक पल बिताए। साथी मेट्रो यात्रियों ने भी मंत्री को देखकर खुशी व्यक्त की और यात्रा के दौरान अपने विचार साझा किए। एमएलसी गोरेटी वेंकन्ना भी इस यात्रा में मंत्री के साथ शामिल हुए।

नामपल्ली में एचएमआरएल के बहु-स्तरीय पार्किंग परिसर का अंतिम रूप

अंतिम मंजूरी मिलने के बाद जनता के लिए होगा उपलब्ध

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद मेट्रो रेल लिमिटेड नामपल्ली में विश्व स्तर पर अपनी तरह की पहली पूर्ण स्वचालित बहु-स्तरीय पार्किंग प्रणाली को अंतिम रूप दे रही है। एचएमआरएल के प्रबंध निदेशक एनवीएस रेड्डी ने रविवार को कहा कि अंतिम मंजूरी मिलने के बाद इसे जल्द ही जनता के लिए उपलब्ध करा दिया जाएगा। 'नोवम' द्वारा सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत निर्मित इस परियोजना में पूर्णतः स्वचालित पज़ल पार्किंग प्रणाली के लिए जर्मनी की उन्नत 'पैलिस' प्रौद्योगिकी का उपयोग किया गया है।

रेड्डी ने बताया कि यह भारत में अपनी तरह का पहला और दुनिया के सबसे उन्नत पार्किंग परिसरों में से एक है। इस परिसर में 15 मंजिलें हैं, जिनमें तीन बेसमेंट और सात ऊपरी मंजिलें शामिल हैं, जिससे कुल 10 समर्पित पार्किंग स्तर बनते हैं। इसके अलावा, इस परियोजना को व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य बनाने के लिए पांच मंजिलें व्यावसायिक गतिविधियों के लिए आवंटित की गई हैं। इस परिसर में दो सुसज्जित सिनेमा थिएटर और 11वीं मंजिल पर एक शहर-दर्शन गैलरी भी है। इसमें 250 कारें और 200 दोपहिया वाहन खड़े हो सकते हैं।

यह स्वचालित पज़ल पार्किंग सिस्टम पूरी तरह से सेंसर द्वारा संचालित होता है और इसमें किसी भी मानवीय हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं होती। यह स्वचालित रूप से वाहनों-एसयूवी, सेडान और छोटी कारों-को वर्गीकृत करता है और उन्हें निर्धारित मंजिलों पर पार्क करता है। वाहनों को टर्नटेबल पर किसी भी कोण पर छोड़ा जा सकता है, तथा टर्नटेबल उन्हें सही स्थिति में रखने के लिए 360 डिग्री तक घुमाता है।

आगमन पर, उपयोगकर्ताओं को एक प्रवेश टिकट मिलता है जिस पर एक क्यूआर कोड होता है जो उन्हें टर्मिनल तक ले जाता है। टर्मिनल गेट पर कार्ड स्वाइप करने से गेट खुल जाता है और उपयोगकर्ता कार को टर्नटेबल पर रखता है, हैंडब्रेक लगाता है, इंजन बंद करता है और बाहर निकल जाता है। कार्ड को बाहर स्वाइप करने से पार्किंग प्रक्रिया शुरू हो जाती है। सिस्टम वाहन को स्कैन करता है, उसे वर्गीकृत करता है और उसके अनुसार उसे अपने आप पार्क कर देता है। वाहन वापस लेने के लिए, उपयोगकर्ता काउंटर पर शुल्क का भुगतान करता है, आई/ओ टर्मिनल पर कार्ड स्वाइप करता है, और वाहन पार्किंग प्लेटफ़ॉर्म से उपयोगकर्ता के पास वापस आ जाता है।

करीमनगर में किसान अनौपचारिक बिजली कटौती से परेशान

करीमनगर, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्ववर्ती करीमनगर जिले के किसान (जो पहले से ही कम वर्षा से प्रभावित थे) अब कृषि क्षेत्र में अनौपचारिक बिजली कटौती से जूझ रहे हैं। किसानों का कहना है कि राज्य सरकार किसानों को 24 घंटे मुफ्त और निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने के दावे के बावजूद, वास्तविक आपूर्ति केवल 14 से 15 घंटे ही हो पा रही है। आपूर्ति में बार-बार होने वाले उतार-चढ़ाव से समस्या और बढ़ रही है। जिन किसानों ने अपर्याप्त वर्षा के कारण शुरुआती वनकालम सीज़न में बुवाई में देरी की थी, उन्होंने जुलाई के आखिरी हफ़्ते में बारिश के बाद खेती शुरू कर दी। कुछ किसानों ने बुवाई पूरी कर ली है, वहीं कुछ अभी भी बुवाई जारी रखने के लिए कृषि कुओं और बोरवेल से पानी खींच रहे हैं।

धान मुख्य फसल है, कृषि विभाग का अनुमान है कि जिले भर में 2.76 लाख एकड़ में इसकी खेती होती है। हालांकि, सूखे की स्थिति फिर से लौटने से किसानों को रोपाई और सिंचाई दोनों के लिए बोरवेल पर बहुत अधिक निर्भर रहना पड़ रहा है। चूंकि धान की फसल के लिए भारी मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है, इसलिए बिजली की मांग में तेज़ी से वृद्धि हुई है। बिजली विभाग के अधिकारी कथित तौर पर शाम 5 बजे से रात 2:30 बजे तक बिजली कटौती कर रहे हैं, जिससे रोज़ाना सिर्फ़ 14 से 15 घंटे ही बिजली उपलब्ध हो पा रही है।

तेलुगु सिनेमाकर्मियों ने फिल्म की शूटिंग रोकने की दी चेतावनी

24 यूनियनों के कर्मचारियों ने किया विरोध

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगु सिनेमाकर्मियों ने वेतन वृद्धि की मांग को लेकर अपना विरोध प्रदर्शन तेज कर दिया है, जबकि तेलुगु फिल्म उद्योग कर्मचारी महासंघ ने सोमवार से फिल्म शूटिंग रोकने की धमकी दी है। रविवार को फेडरेशन कार्यालय में उस समय तनाव की स्थिति पैदा हो गई जब बड़ी संख्या में कर्मचारी अपनी मांगों के समर्थन में नारे लगाने के लिए वहां एकत्रित हुए। सभी 24 यूनियनों के कर्मचारियों ने इस विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। सभी यूनियनों का प्रतिनिधित्व करने वाले फेडरेशन के नेताओं ने धमकी दी है कि अगर निर्माताओं के साथ बातचीत में कोई सकारात्मक नतीजा नहीं निकला तो वे फिल्म की शूटिंग पूरी तरह से रोक देंगे। उन्होंने कहा कि पहले से घोषित फिल्म शूटिंग शेड्यूल के लिए वे कुछ दिन का समय देंगे।

फेडरेशन के अध्यक्ष अनिल वल्लभनेनी ने कहा कि वे उन निर्माताओं से भी बात करेंगे जिनके कार्यक्रम पहले ही घोषित हो चुके हैं और फिल्म की शूटिंग रोक दी जाएगी। फेडरेशन ने उत्पादकों के वेतन में क्रमिक वृद्धि के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। उत्पादकों ने 24 में से केवल 13 यूनियनों के श्रमिकों को वेतन वृद्धि की पेशकश की। फेडरेशन के नेताओं ने इसे उनकी एकता को तोड़ने का प्रयास बताया। फेडरेशन 30 प्रतिशत वेतन वृद्धि की मूल मांग पर पुनर्विचार करने को तैयार है। हालांकि, नेताओं ने स्पष्ट किया कि कुछ यूनियनों के लिए वेतन वृद्धि और कुछ को छोड़ देना उन्हें अस्वीकार्य है। फेडरेशन के नेताओं के अनुसार, निर्माताओं ने केवल 1,500 रुपये प्रतिदिन कमाने वाले कर्मचारियों के लिए वेतन वृद्धि का प्रस्ताव रखा है, 2,500 रुपये वाले कर्मचारियों को छोड़कर। उन्होंने मांग की कि सभी 10,000 दिहाड़ी कर्मचारियों के साथ समान व्यवहार किया जाए, न कि उनके बीच फूट डाली जाए।

निर्माता टीजी विश्व प्रसाद द्वारा अदालती नोटिस भेजे जाने पर, फेडरेशन के नेताओं ने कहा कि वे तेलुगु फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स के साथ बातचीत कर रहे हैं, न कि किसी व्यक्तिगत निर्माता के साथ। निर्माता ने फेडरेशन के अध्यक्ष, महासचिव और कोषाध्यक्ष को हड़ताल के कारण हुए डेढ़ करोड़ रुपये के नुकसान के बारे में नोटिस भेजा है। अनिल वल्लभनेनी ने कहा कि जब तक मामला अदालत में है, वे प्रसाद की फिल्म की शूटिंग में शामिल नहीं होंगे। नेताओं ने कहा कि वे जल्द ही तेलंगाना के सिनेमैटोग्राफी मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी से मिलकर उन्हें अपनी मांगों से अवगत कराएंगे। प्रोड्यूसर्स गिल्ड ने क्रमिक वेतन वृद्धि का प्रस्ताव रखा। इस प्रस्ताव के तहत, 2,000 रुपये प्रतिदिन से कम कमाने वाले कर्मचारियों को पहले वर्ष में 15 प्रतिशत और दूसरे व तीसरे वर्ष में 5-5 प्रतिशत वेतन वृद्धि मिलेगी। 1,000 रुपये प्रतिदिन से कम कमाने वालों के लिए, पहले वर्ष में 20 प्रतिशत और दूसरे व तीसरे वर्ष में 5 प्रतिशत वेतन वृद्धि का प्रस्ताव था।

इस बीच, शीर्ष अभिनेता चिरंजीवी ने उन खबरों का खंडन किया है कि वह तेलुगु फिल्म कर्मचारी महासंघ की हड़ताल का समर्थन कर रहे हैं। मेगास्टार ने 'एक्स' पर लिखा, मेरे संज्ञान में आया है कि फिल्म फेडरेशन के सदस्य होने का दावा करने वाले कुछ लोग मीडिया के पास गए हैं और झूठा दावा कर रहे हैं कि मैंने उनसे मुलाकात की है और उन्हें आश्वासन दिया है कि 30 प्रतिशत वेतन वृद्धि आदि से संबंधित उनकी मांगें पूरी की जाएंगी और मैं जल्द ही शूटिंग शुरू करूंगा। मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि मैंने फेडरेशन के किसी भी सदस्य से मुलाकात नहीं की है। यह उद्योग जगत का मुद्दा है और मुझ समेत कोई भी व्यक्ति किसी भी समस्या को किसी भी तरह से हल करने का एकतरफा आश्वासन नहीं दे सकता।

उन्होंने आगे कहा, फिल्म चैंबर तेलुगु फिल्म उद्योग का सर्वोच्च निकाय है, और केवल फिल्म चैंबर ही सामूहिक रूप से सभी संबंधित पक्षों से बातचीत करके किसी उचित समाधान पर पहुंचेगा। तब तक, इस तरह के झूठे दावे अस्वीकार्य हैं। मैं सभी हितधारकों के बीच भ्रम पैदा करने वाले ऐसे सभी निराधार और प्रेरित दावों की निंदा करता हूं।

कांस्टेबल ने की आत्महत्या

पेद्दापल्ली, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दो दिन पहले कीटनाशक पीकर आत्महत्या का प्रयास करने वाले पुलिस कांस्टेबल अनिल की रविवार को अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।

करीमनगर के मूल निवासी अनिल पेद्दापल्ली डीसीपी कार्यालय में कार्यरत थे। आत्महत्या का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रीजेंसी कॉलेज ने फ्रेंच फाइन डाइनिंग कार्यक्रम के साथ पूरे किए 30 साल

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आतिथ्य शिक्षा में उत्कृष्टता के 30 वर्षों का जश्न मनाते हुए, रीजेंसी कॉलेज ने डेजुनेर रॉयल नामक एक फ्रांसीसी थीम वाले लंच का आयोजन किया, जिसे शेफ रोहित राजोले के मार्गदर्शन में 5वें सेमेस्टर बीएचएमसीटी के छात्रों द्वारा तैयार किया गया था।

एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि यह कार्यक्रम पाककला की सटीकता, रचनात्मकता और टीम वर्क का प्रदर्शन था, जो भविष्य के लिए तैयार आतिथ्य पेशेवरों को तैयार करने के लिए कॉलेज की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

फ्रांसीसी भोजन को उसकी वैश्विक प्रतिष्ठा, समृद्ध विरासत तथा पर्यटन एवं आतिथ्य में भारत-फ्रांस संबंधों के साथ बढ़ते संबंधों के लिए चुना गया। मेहमानों ने सोच-समझकर तैयार किए गए 8-कोर्स मेनू का आनंद लिया, जिसे बटलर-शैली की व्यक्तिगत सेवा द्वारा और भी बेहतर बनाया गया।

हर व्यंजन के साथ पूरक वाइन भी परोसी गई, जिससे स्वाद में निखार आया और फ्रांसीसी उत्तम भोजन की परिष्कृत परंपराओं का एहसास हुआ। इस कार्यक्रम में मॉड मिकाउ-निदेशक, एलायंस फ्रांसेस, हैदराबाद, रोहिणी रेड्डीपल्ली-ब्यूरो डी फ्रांस, शेफ नवीन नागराज- कॉर्पोरेट शेफ, तत्व हैदराबाद और शेफ देबराज भौमिक- कॉर्पोरेट शेफ, महासचिव, यंग शेफ्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने भाग लिया।

पूर्व मंत्री मल्लारेड्डी बयान से पलटे

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और मेडचल से विधायक मल्लारेड्डी ने राजनीति से संन्यास लेने के अपने फैसले को बदल दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने राजनीति से दूर रहने की बात नहीं कही थी। उन्होंने केवल इतना कहा था कि वे देश भर में शैक्षणिक संस्थान स्थापित करेंगे। उन्होंने कहा कि वे वर्तमान में बीआरएस पार्टी में हैं और इसी पार्टी में बने रहेंगे।

मल्लारेड्डी ने स्पष्ट किया कि वे तेलुगु देशम पार्टी या भाजपा में शामिल नहीं होंगे। रेड्डी ने कहा कि उन्होंने अपने मित्र से केवल इतना कहा था कि राजनीति में कोई संन्यास नहीं होता, ठीक वैसे ही जैसे जापान में कोई संन्यास नहीं होता। मल्लारेड्डी ने आज (रविवार) जवाहरनगर का दौरा किया। उन्होंने कई विकास कार्यक्रमों में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने मीडियाकर्मियों से बात की। उन्होंने कहा कि उनकी आयु 73 वर्ष हो गई है और अब किसी और दिशा में देखने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने बताया कि वे सांसद, विधायक और राज्य मंत्री बन चुके हैं और अगले तीन वर्षों तक राजनीति में बने रहेंगे। मल्लारेड्डी ने कहा कि वह जनता की सेवा करना चाहते हैं और अच्छे कॉलेज व विश्वविद्यालय चलाना चाहते हैं।

340 नशेड़ी चालकों पर मामला दर्ज

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने शनिवार रात को नशे में गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ विशेष जांच अभियान चलाया और पकड़े गए 340 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया। पकड़े गए लोगों में 288 दो पहिया वाहन चालक, 13 तिपहिया वाहन चालक और 39 चार पहिया वाहन चालक शामिल हैं। सबसे अधिक 46 मामले मियापुर और शमशाबाद यातायात पुलिस द्वारा पकड़े गए, इसके बाद राजेंद्रनगर में 35, तथा कुकटपल्ली और अलवाल में 31-31 मामले पकड़े गए। 12 लोगों का बीएसी स्तर 301 मिलीग्राम/100 मिलीलीटर से ज्यादा दर्ज किया गया। पकड़े गए सभी लोगों को अदालत में पेश होना होगा।

गोलू-हेमराज से था काजल किन्नर का संबंध! कानपुर में उसकी और उसके भाई की मिली लाश

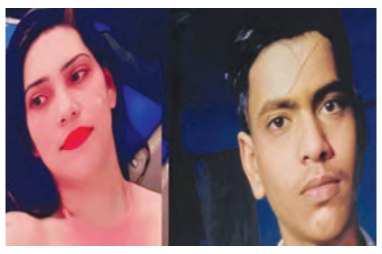

कानपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर से सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां किराए के मकान में रहने वाले किन्नर और उसके भाई की घर में लाश मिली है। दोनों की लाश को बेड में छुपा दिया गया था। 4 दिन तक दोनों के बारे में किसी को कोई जानकारी नहीं थी। अब दोनों की लाश को पुलिस ने बरामद किया है। दरअसल मैनपुरी की रहने वाली दोनों की मां लगातार किन्नर और उसके भाई को फोन कर रही थीं। मगर फोन नहीं उठ रहा था। इसके बाद वह कानपुर आईं और घर पहुंचीं। मकान मालिक से घर का गेट खुलवाया। फिर जाकर दोनों की हत्या का खुलासा हुआ। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मैनपुरी की रहने वाली काजल (किन्नर) पिछले कई दिनों से अपने भाई के साथ किराए के मकान में रह रही थी। 4 दिनों से उसके परिजन उसे फोन कर रहे थे। मगर उसका फोन नहीं मिल रहा था। ऐसे में परिजन उसके घर पहुंच गए। बताया जा रहा है कि कमरे से तेज बदबू आ रही थी। ऐसे में उन्होंने फौरन पुलिस को फोन किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने गेट खुलवाया। तब पुलिस ने काजल और उसके भाई का शव बरामद किया।

दो ईपीआईसी कार्ड पर सियासी भूचाल

कांग्रेस के बाद तेजस्वी ने भी उठाए सवाल, विजय सिन्हा ने क्या दी सफाई?

पटना, 10 अगस्त (एजेंसियां)। तेजस्वी यादव के बाद अब बिहार के डिप्टी सीएम और बीजेपी के सीनियर नेता विजय सिन्हा के दो ईपीआईसी कार्ड का मामला तूल पकड़ने लगा है। पहले तो कांग्रेस ने ट्वीट करके इस मुद्दे को हवा दी, फिर तेजस्वी मैदान में उतरे और विजय सिन्हा के दोनों ईपीआईसी नंबर लखीसराय आईएएफ3939337 और बांकीपुर आईएएफ0853341 का उल्लेख करते हुए जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि क्या चुनाव आयोग विजय सिन्हा को नोटिस भेजेगा, क्या कार्रवाई की जाएगी? इसके बाद विजय सिन्हा कैमरे के सामने आए। उन्होंने कहा कि वे केवल लखीसराय से वोटिंग करते हैं। उन्होंने कहा कि बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र के वोटर लिस्ट में उनका नाम था। अप्रैल 2024 में बांकीपुर से नाम हटाकर लखीसराय में जोड़ने के लिए आवेदन दिया था। विजय सिन्हा ने दावा किया कि इसकी रसीद भी उनके पास है।

आज सुबह सबसे पहले कांग्रेस की ओर से एक ट्वीट किया गया जिसमें विजय सिन्हा के दो ईपीआईसी कार्ड का जिक्र करते सबसे बड़ा फ्रॉड बताया गया। इसके बाद तेजस्वी ने पटना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई और इस मुद्दे पर जमकर बोले। उन्होंने कहा कि विजय सिन्हा को तो दोनों जिले से नोटिस आना चाहिए। उन्होंने कहा कि एसआईआर बहुत बड़ा फर्जीवाड़ा है। कोर्ट में भी हमलोग इसको रखेंगे। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या विजय सिन्हा के दो ईपीआईसी कार्ड पर चुनाव आयोग की तरफ से नोटिस भेजा जाएगा। तेजस्वी ने कहा कि एक अगस्त को जो ड्राफ्ट वोटर लिस्ट पब्लिश हुआ है उसमें विजय सिन्हा के दोनों ईपीआईसी कार्ड में उम्र अलग-अलग है। एक में 57 साल और दूसरे में 60 साल है। उन्होंने कहा एसआईआर के फर्जीवाड़े को हमलोग कोर्ट में भी रखेंगे। पहले आप नाम से ही सर्च कर सकते थे, ड्राफ्ट की फ़ाइल अब बदल दी गयी है। पहले मतदाता टेक्स्ट बेस्ड पीडीएफ था, अब इमेज बेस्ड पीडीएफ डाउनलोड कर दिया है। नई फ़ाइल में ढूंढना मुश्किल है। राहुल जी ने भी ये सवाल उठाया था। हमलोगों की आपत्ति को दिखाया ही नहीं जा रहा है। और कह दिया जाता है कि कोई आपत्ति नहीं आ रही है। तेजस्वी ने अपने दो ईपीआईसी कार्ड के सवाल पर कहा कि हम पर मीडिया ट्रायल हुआ। मुझे 7 अगस्त की शाम को बाई हैंड चुनाव आयोग की चिट्ठी मिली और मैंने 8 अगस्त को स्पीड पोस्ट से मिला। मैंने 8 अगस्त को स्पीड पोस्ट से ही जवाब भेज दिया। विजय सिन्हा ने कहा कि जंगलराज के युवराज तेजस्वी फ्रॉड की राजनीति करके लोगों को बरगलाते हैं। मैं एक ही जगह से वोटिंग करता हूं। पिछली बार भी लखीसराय से वोटिंग किया था। पहले पटना में उनके परिवार का वोट था। जिसको हटाने के लिए वो आवेदन दे चुके हैं। उन्होंने इस बार एसआईआर में भी लखीसराय ही अपना पता भरा है। विजय सिन्हा ने कहा तेजस्वी लोगों को बरगला रहे हैं। उन्हें माफी मांगनी चाहिए।

'क्या चुनाव आयोग आपराधिक मामला दर्ज करेगा' विजय सिन्हा के दो वोटर आईडी पर लालू यादव के ईसी से सवाल

पटना, 10 अगस्त (एजेंसियां)। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के बाद बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा के पास भी दो-दो वोटर आईडी होने की बात कही जा रही है। कांग्रेस और आरजेडी का आरोप है कि उनका नाम दो विधानसभा क्षेत्रों, लखीसराय और बांकीपुर (पटना) की मतदाता सूची में दर्ज है। इस पर तेजस्वी यादव ने एक लंबी पोस्ट के जरिए विजय सिन्हा पर निशाना साधा है। इतना ही नहीं आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव ने तो पोस्ट कर चुनाव आयोग से सवाल पूछे हैं। लालू यादव ने तेजस्वी यादव के पोस्ट की रिपोस्ट किया है। साथ ही लिखा है, बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा पर कथित मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण के उपरांत भी विभिन्न क्षेत्रों में मतदाता होने पर आपराधिक मामला बनता है। क्या चुनाव आयोग उस पर आपराधिक मामला दर्ज करेगा?

इससे पहले तेजस्वी यादव ने भी आरोप लगाते हुए कहा कि "दोनों विधानसभा क्षेत्रों में अलग-अलग गणना पत्र भरे गए होंगे। बीएलओ जब वोटर डाटा लेता है, तो हस्ताक्षर भी होते हैं। ऐसे में सिर्फ दो ही बातें संभव हैं, या तो चुनाव आयोग की पूरी एसआईआर प्रक्रिया फर्जी है, या फिर बिहार के उपमुख्यमंत्री खुद फर्जीवाड़ा कर रहे हैं।" उन्होंने कहा कि जनता को सच पता चलना चाहिए, क्योंकि ये लोकतंत्र और चुनाव की पारदर्शिता से जुड़ा मामला है।

सहरसा के एसआई अनुज कश्यप की मौत में नया मोड़

सहरसा, 10 अगस्त (एजेंसियां)। सहरसा के बनगांव नगर पंचायत वार्ड नंबर 3 निवासी सब इंस्पेक्टर अनुज कश्यप की मौत के मामले में नया मोड़ आया है। मृतक के पिता भावनाथ मिश्रा उर्फ दुन्ना मिश्रा ने गयाजी के रामपुर थाने में महिला सब इंस्पेक्टर स्वीटी कुमारी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया है। पिता का आरोप है कि पिछले छह महीनों से स्वीटी कुमारी उनके बेटे पर शादी के लिए दबाव बना रही थी। इसी दबाव के कारण अनुज को अपनी जान गंवानी पड़ी।

यूपी विधानमंडल मानसून सत्र

सीएम ने विधानभवन के प्रवेश द्वार के गुंबद का किया लोकार्पण, बुलाई गई सर्वदलीय बैठक

लखनऊ, 10 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के मानसून सत्र को लेकर राजधानी लखनऊ में रविवार को सर्वदलीय बैठक आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की। बैठक विधान भवन में की गई। इस दौरान कई बिंदुओं पर चर्चा हुई। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, मंत्री सुरेश खन्ना समेत अन्य लोग मौजूद रहे। बताते चलें कि यूपी विधानमंडल का मानसून सत्र सोमवार से शुरू हो रहा है। इससे पहले विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कार्यमंत्रणा समिति की बैठक बुलाई। वहीं दूसरी तरफ विधानसभा में एआई की भी पाठशाला लगेगी। इसमें विधायक अपने कामकाज में स्मार्टनेस लाने के लिए एआई का उपयोग सीखेंगे। बैठक से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधान भवन के प्रवेश द्वार के नवीनीकृत गुम्बद का लोकार्पण किया। साथ ही विधान भवन के नवीनीकृत सभा मंडप का भी लोकार्पण किया। इसके अलावा नवीनीकृत सभा कक्ष संख्या-15 का उद्घाटन किया।

खुद को एसडीएम बताकर लिया ढेर सारा दहेज, फिर कर ली दूसरी शादी

गाजीपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। शादियाबाद थाने में एक महिला ने अपने पति की खिलाफ थाने में बताया कि पहले उसके पति ने उससे झूठ बोला कि वह एसडीएम है और उसे दहेज के लिए प्रताड़ित किया। महिला ने पति पर ये भी आरोप लगाया कि उसके पति ने उसे घर से निकालकर दूसरी शादी कर ली और दूसरी पत्नी के तीन बच्चे भी हैं। अब महिला ने थाने पहुंचकर पति, दूसरी पत्नी, सास-ससुर समेत सात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। दरअसल, महिला की शादी 1996 में बहरियाबाद थाना क्षेत्र के बुंदावन गांव के रहने वाले कुंदन से हुई थी। जब वह शादी के बाद अपने ससुराल पहुंची। तब उसे पता चला कि उसका पति पीसीएस की परीक्षा पास कर एसडीएम बन चुका है।

योगी सरकार के बेड़े में शामिल होगा अगस्ता हेलीकाप्टर

प्रशिक्षण के लिए 13 अगस्त से इटली भेजे जाएंगे पायलट

लखनऊ, 10 अगस्त (एजेंसियां)। विश्व के सबसे अत्याधुनिक हेलीकाप्टरों में शुमार अगस्ता एडब्लू 139 जल्द यूपी सरकार के बेड़े में शामिल होगा। इस हेलीकाप्टर खरीद की मंजूरी के साथ ही तीन पायलटों को विशेष प्रशिक्षण के लिए इटली भेजा जाएगा। नागरिक उड्डयन विभाग ने इसकी मंजूरी देते हुए आदेश जारी कर दिया है। अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकाप्टर की निर्माता कंपनी इटली की लियोनार्डो हेलीकाप्टर है, जो पायलटों को हेलीकाप्टर की उड़ान के लिए तकनीकी और आपात स्थिति में लैंडिंग का प्रशिक्षण देगी। इसके तहत कैप्टन अमित कुमार भूटानी और कैप्टन अक्षय जायसवाल को 13 अगस्त से 10 अक्तूबर तक और कैप्टन राजेश कुमार शर्मा को 9 अक्तूबर से 27 नवंबर तक विशेष प्रशिक्षण के लिए इटली भेजा जाएगा। विदेश यात्रा के दौरान उनके हवाई किराया, दैनिक भत्ता, होटल, बीमा, वीजा शुल्क आदि पर 50.40 लाख रुपये के खर्च को शासन ने मंजूरी दे दी है। अमित और अक्षय पर प्रति पायलट 17.61 लाख रुपये और राजेश शर्मा पर 15.18 लाख रुपये खर्च होंगे। प्रदेश सरकार हेलीकाप्टर के अलावा एक नया अत्याधुनिक चार्टर्ड प्लेन भी खरीदने की तैयारी कर रही है। चार्टर्ड प्लेन और हेलीकाप्टर खरीदने में 600 से 700 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। इससे पहले मायावती और अखिलेश यादव के शासनकाल में चार्टर्ड प्लेन और हेलीकॉप्टर की खरीद हुई थी। योगी सरकार में पहली बार चार्टर्ड प्लेन और हेलीकाप्टर खरीदने का फैसला हुआ है। अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकाप्टर के साथ फ्रांस के में बने फ्लेकन या बॉम्बार्डियर चार्टर्ड प्लेन को लेकर विचार किया जा रहा है। अमेरिका और यूरोप की चार बड़ी कंपनियों ने चार्टर्ड प्लेन के लिए अपना प्रस्ताव दिया है।

युवक को बदमाशों ने सीने में मारी गोली

मधेपुरा, 10 अगस्त (एजेंसियां)। मधेपुरा के चौसा थाना क्षेत्र में एक युवक को बदमाशों ने गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल युवक की पहचान रसलपुर धुरिया निवासी विलास यादव के बेटे सोनू कुमार (19) के रूप में हुई है। बदमाशों ने उसके सीने के दाहिने हिस्से में गोली मारी है। परिजनों के अनुसार सोनू शनिवार शाम करीब 4 बजे कलासन स्थित आईटीआई कॉलेज के पीछे घास लाने गया था। तभी बदमाशों ने उस पर हमला कर दिया। आसपास के लोगों ने घटना की जानकारी परिजनों को दी। उसे तुरंत चौसा पीएचसी ले जाया गया। वहां से उसे जेएनकेटी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया।

पीवीवीएनएल कर्मियों को बायोमैट्रिक हाजिरी विवाद में मिली राहत

हाईकोर्ट ने वेतन जारी करने का दिया निर्देश

प्रयागराज, 10 अगस्त (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (पीवीवीएनएल) के कर्मचारियों के पक्ष में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। जिसमें कोर्ट ने कहा कि यदि कर्मचारी जून 2025 में काम करने का सबूत पेश करते हैं, तो उनका रोका गया वेतन जारी किया जाएगा। हालांकि यह आदेश बायोमैट्रिक उपस्थिति से छूट नहीं देता। यह मामला सत्यनारायण उपाध्याय और नौ अन्य कर्मचारियों की याचिका से जुड़ा है, जिसे न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की एकलपीठ ने निस्तारित किया। दरअसल मामला तब सामने आया जब पीवीवीएनएल ने जून 2025 का वेतन रोक दिया, क्योंकि कर्मचारियों ने 'ऊर्जा जनशक्ति' ऐप पर बायोमैट्रिक उपस्थिति दर्ज नहीं की। इस पर याचिकाकर्ताओं ने दलील दी कि वे फील्ड में रहते हैं, जहां इंटरनेट की कमी के कारण ऐप काम नहीं करता। सत्यनारायण उपाध्याय ने कोर्ट में कहा कि तकनीकी दिक्कतों के बावजूद उनका काम प्रभावित नहीं हुआ। इसलिए वेतन रोकना गलत है। विद्युत विभाग के वकील ने कोर्ट में तर्क दिया कि बायोमैट्रिक सिस्टम 23 सितंबर 2024 की अधिसूचना के तहत अनिवार्य है, जिसे चुनौती नहीं दी जा सकती। साथ ही कर्मचारियों ने इंटरनेट समस्या की शिकायत समय पर नहीं की, जिससे वेतन रोकना उचित था।

कर्मचारी कार्य के सबूत पेश करें

मामले में दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने जून 2025 में तकनीकी दिक्कतों की जानकारी विभाग को नहीं दी। यदि इंटरनेट समस्या थी तो वे पावर स्टेशन में ड्यूटी का प्रमाण दे सकते थे। कोर्ट ने कर्मचारियों को विभागीय अधिकारी से संपर्क कर काम का सबूत पेश करने का निर्देश दिया।

काम साबित होने पर देना होगा वेतन

हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि सत्यापन के बाद यदि काम साबित होता है, तो विभाग को जून का वेतन जारी होगा, लेकिन बायोमैट्रिक नियम लागू रहेंगे। कोर्ट के बाद अब कर्मचारियों को अपने विभाग में अपने कार्य के सबूत देने होंगे, अगर फिर भी विभाग वेतन जारी नहीं करता है तो कोर्ट अगली कार्यवाही करेगा।

साइबर ठगी के रैकेट का पर्दाफाश

एक बार बैंक अकाउंट यूज करने के मिलते थे 20 हजार ऐसे हुआ खुलासा

लखनऊ, 10 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पुलिस ने साइबर धोखाधड़ी के मामले में एक साथ कई लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोग एक बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है। जांच में सामने आया कि ज्यादातर युवा अपने बैंक अकाउंट का उपयोग अवैध धन के लेनदेन के लिए कर रहे हैं। युवाओं के खातों में क्रिप्टोकरेंसी, और यूएसडीटी के जरिए ट्रांजेक्शन किया जा रहा है। जांच में सामने आया कि ये नेटवर्क ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट और फर्जी नौकरियां लगवाने के नाम पर किया जा रहा है। यह नेटवर्क क्रिप्टोकरेंसी और फर्जी ऑनलाइन योजनाओं से जुड़ा हुआ है। लखनऊ पुलिस ने कुछ दिन पहले 24 साल के एक रेस्टोरेंट वेटर अजय को गिरफ्तार किया था। अजय को से पूछताछ के बाद ही कई खुलासे हुए हैं। अजय ने बताया कि एक दोस्त ने उसे क्रिप्टो ट्रेडर से मिलवाया था। ट्रेडर ने एक दिन के लेनदेन के लिए अजय का बैंक अकाउंट इस्तेमाल करने के लिए 20 हजार रुपये दिए थे।

1 करोड़ 12 लाख लोग हुए मालामाल नीतीश कुमार ने खाते में भेज दी पेंशन

पटना, 10 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार के लोगों को बड़ी सौगात दे दी है। सीएम नीतीश कुमार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि एक करोड़ 12 लाख लाभुकों के खाते में जारी कर दिया है। साथ ही उन्होंने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि जो भी योग्य व्यक्ति इस योजना से छूटे हुए हैं उन सब को इसमें शामिल कराएं। मुख्यमंत्री ने रविवार को पटना के एक अणे मार्ग स्थित अपने आवास पर आयोजित कार्यक्रम में एक क्लिक से राशि का भुगतान किया। साथ ही उन्होंने नौ पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि जो भी योग्य व्यक्ति इस योजना से छूटे हुए हैं उन सब को इसमें शामिल कराएं।

हर लाभार्थी को मिले 1100 रुपये

सूचना एवं जन संपर्क विभाग बिहार सरकार की तरफ से एक्स पर लिखा गया, 'मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के कर-कमलों द्वारा सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के 1 करोड़ 12 लाख से अधिक लाभार्थियों के खातों में 1247 करोड़ 34 लाख का डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरण हुआ।' हर लाभुक को 1100-1100 रुपये उनके खाते में दिए जाएंगे। बढ़ी हुई पेंशनें न राशि की यह दूसरी किस्त है।

रेलवे ट्रैक पर युवक-युवती के क्षत-विक्षत शव मिलने से सनसनी

मथुरा, 10 अगस्त (एजेंसियां)। हाईवे थाना क्षेत्र के नरहौली पुल के समीप रेलवे ट्रैक पर रविवार सुबह सात बजे युवक और युवती के क्षत-विक्षत शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पाकर हाईवे पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई और शवों को कब्जे में लेकर पहचान के प्रयास किए, लेकिन कुछ पता नहीं चल सका। मृतक युवक के हाथ पर नेम सिंह गुदा हुआ है। रविवार सुबह करीब सात बजे कुछ लोग टहलने के लिए हाईवे थाना क्षेत्र के नरहौली पुल के समीप रेलवे ट्रैक की ओर गए थे। तभी उन्होंने पुल के पास युवक और युवती के शव देखे। दोनों के शरीर क्षत-विक्षत हालत में थे। मृतक युवक की उम्र करीब 26 वर्ष और युवती की उम्र लगभग 22 वर्ष बताई जा रही है। युवक के हाथ पर नेम सिंह लिखा हुआ है।

बिना तैयारी के तेंदुआ पकड़ने पहुंची वन विभाग की टीम बनी रही तमाशबीन, ग्रामीणों में आक्रोश

प्रयागराज, 10 अगस्त (एजेंसियां)। हनुमानगंज के धनैचा गांव में तेंदुआ होने की सूचना ग्रामीणों ने सुबह करीब 8.30 बजे ही वन विभाग को दे दिया था। इसके बाद वन विभाग की टीम बिना किसी तैयारी के मौके पर पहुंची और दोपहर तक वन कर्मी बैठे रहे। इससे ग्रामीणों में रोष रहा। तकरीबन दो बजे प्रभागीय वनाधिकारी संगीता यादव जाल लेकर पहुंचीं और गांव से ही ड्रोन कैमरा मंगाया गया, तब जाकर तेंदुए को पकड़ने का प्रयास प्रारंभ किया गया। यही नहीं वनकर्मियों के सामने ही तेंदुआ एक ग्रामीण को जख्मी कर गया पर वे देखते रह गए। ग्रामीणों का कहना है कि तीन दिन पहले ही वनविभाग को तेंदुए की सूचना दी गई थी। उस दौरान वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची थी लेकिन कामयाबी नहीं मिली।

पत्नी ने 10 मिनट के अंदर पति के जड़े 15 थप्पड़

बीच चौराहे पर बाल पकड़कर घसीटा

ललितपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। रक्षाबंधन के त्योहार पर हर जगह भीड़ ही भीड़ रहती है। उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले में एक अनोखा मामला सामने आया है। जिसे देखने के लिए, लोगों की भीड़ जुट गई। ललितपुर के इलाइट चौराहे के पास एक पत्नी अपने पति के बाल पकड़कर दनादन थप्पड़ बरसा रही थी। वहां मौजूद लोग यह देखकर हैरान थे। चौराहे पर महिला द्वारा शख्स को पिटता देख पुलिस की टीम भी वहां आ पहुंची। इसके बावजूद महिला अपने पति पर लगातार थप्पड़ों की बरसात करती रही। बीच चौराहे पर ये महिला बाल पकड़ कर अपनी पति को घसीट-घसीट कर थप्पड़ मारती रही। साथ ही महिला नीचे पड़े पत्थर को उठाकर मारने की कोशिश की लेकिन पुलिस के बीच में आने के बाद पत्थर फेंक दिया। इतने के बाद भी महिला नहीं मानी और लगातार अपने पति की पिटाई करती रही। महिला ने बताया कि इलाइट चौराहे के निकट पति ने पत्नी का मोबाइल छीनकर तोड़ दिया था। मोबाइल तोड़े जाने से पत्नी गुस्से में आ गई और वह पति को मारने लगी। बीच चौराहे के निकट यह नजारा देख पुलिस कर्मी बचाने पहुंचे, लेकिन पत्नी ने एक नहीं सुनी और उसने पति को दस मिनट के अंदर 15 से अधिक थप्पड़ जड़ दिए। यही नहीं 12 बार-बार पकड़कर घसीटा। पुलिसकर्मी महिला को समझाते रहे लेकिन उसने एक नहीं सुनी। पत्नी ने बताया कि उसने युवक से लव मैरिज की थी। वह सामान्य जाति से है, उसका पति आदिवासी जाति का का है। पति उसके साथ ग्वालियर गया था। जहां उसने मारपीट, उसने इंदौर में भी मारपीट की थी। उसने बताया कि पति ने ही उसे शराब पिलाई थी। पति पत्नी के बीच हुआ मारपीट का मामला लोगों ने अपने मोबाइल में कैद कर लिया। जो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। सदर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अनुराग अवस्थी ने बताया कि किसी ने कोई तहरीर नहीं दी है, वह घटना की जानकारी कर रहे हैं। तहरीर आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

आयकर विभाग ने शुरू की संपत्ति खरीद-बिक्री में नकद लेनदेन पर जांच

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद हुई यह कार्रवाई

मुजफ्फरपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। देश के सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में नियम विरुद्ध नकद लेनदेन के आधार पर दो लाख से अधिक की संपत्ति की खरीद-बिक्री हुई है। ऐसा करने वाले निबंधकों पर कार्रवाई की तलवार लटक रही है। कर्नाटक के एक मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद देशभर में यह जांच शुरू हुई है। आयकर की टीम ने भी इसी आदेश के आलोक में जिला निबंधन कार्यालय में जांच की। आशंका है कि पिछले तीन वित्तीय वर्ष में करीब 70 से 75 हजार ऐसे दस्तावेज हैं। दरअसल, नोटबंदी के बाद वर्ष 2017 से देश में नकद में दो लाख से अधिक के लेनदेन पर रोक लगा दी गई थी। इसका उद्देश्य कालेधन के इस्तेमाल को रोकना था। इसके बावजूद जमीन व अपार्टमेंट समेत अचल संपत्ति की खरीद में दो लाख से अधिक का लेनदेन नकद में भी किया गया। कर्नाटक के एक मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने पाया कि बड़ी रकम का लेनदेन नकद में भी किया गया। बेंगलुरु के आरबीएएनएमएस एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन बनाम बी गुणशेखर के मामले की सुनवाई में कहा गया कि 75 लाख रुपये एडवांस का लेनदेन नकद में किया जाना चाहिए। जस्टिस जेबी पारदीवाला और आर महादेवन की खंडपीठ ने दो लाख या उससे अधिक मूल्य की अचल संपत्ति की खरीद-बिक्री के लिए नकद में लेनदेन को नियम विरुद्ध माना। जारी आदेश में कहा गया कि यदि किसी अचल संपत्ति से संबंधित किसी लेनदेन में किसी अन्य स्रोत से या तलाशी या मूल्यांकन कार्रवाई के दौरान दो लाख या उससे अधिक राशि का भुगतान किया गया है, तो पंजीकरण प्राधिकरण की इस अनियमितता को राज्य और केंद्र शासित प्रदेश के मुख्य सचिव के संज्ञान में लाया जाना चाहिए। ऐसे अधिकारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश की प्रति मुख्य सचिव के साथ प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त को भेजकर कार्रवाई के लिए कहा था। इस आदेश के बाद ही आयकर विभाग देश के पंजीकरण कार्यालयों की जांच कर रहा है।

100 करोड़ जुर्माने से बचने को एससी पहुंची नोएडा अथॉरिटी

नोएडा, 10 अगस्त (एजेंसियां)। यमुना नदी को प्रदूषण से बचाने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं, लेकिन सभी कदम नाकाम साबित हो रहे हैं। पिछले दिनों कोंडली ड्रेन यमुना को प्रदूषित करने में अपनी अहम भूमिका अदा कर रहा है। एनजीटी ने नोएडा प्राधिकरण पर 100 करोड़ का जुर्माना लगाया था। इस पर प्राधिकरण ने सुप्रीम कोर्ट में जवाब दाखिल किया है। इस मामले में 13 अगस्त को कोर्ट फैसला दे सकता है। जुर्माने की प्रक्रिया पर्यावरणविद् अभिष्ट कुसुम गुप्ता की याचिका पर लगाया गया था। दावा किया था कि प्राधिकरण सीवरों का गंदा पानी कोंडली ड्रेन के जरिये यमुना में डाला जा रहा है। दिल्ली से नोएडा तक आने वाले नाले की फाई तक नहीं की गई है। एनजीटी के आदेश के खिलाफ नोएडा प्राधिकरण ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई है। इसमें प्राधिकरण ने दावा किया है कि शहर में 8 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट एसटीपी कार्यरत हैं, जिनकी कुल क्षमता प्रतिदिन 411 मिलियन लीटर डेली (एमएलडी) है।

भाटापारा के यश एम्यूजमेंट पार्क में आकाश झूला पर बड़ा हादसा टला

भाटापारा, 10 अगस्त (एजेंसियां)। भाटापारा शहर में रात उस समय अफरा-तफरी मच गई जब यश एम्यूजमेंट पार्क के आकाश झूले में एक महिला झूलते समय बाहर लटक गई। मौके पर मौजूद कर्मचारियों की सूझबूझ और त्वरित कार्रवाई से महिला की जान बच गई, वरना बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, झूले की रफ्तार के दौरान महिला अचानक सीट से खिसककर बाहर लटक गई।

यह दृश्य देख पार्क में मौजूद लोग दहशत में आ गए। घटना का वीडियो सामने आने के बाद एम्यूजमेंट पार्क की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। कड़ी मशक्कत के बाद महिला को सुरक्षित नीचे उतारा गया। फिलहाल घटना की सूचना प्रशासन तक पहुंच गई है और लोगों की निगाहें अब प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हैं।

संदिग्ध हालत में मिला मां-बेटी का शव, पुलिस ने जताई हत्या की आशंका

रायपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। रायपुर में हत्या जैसे गंभीर अपराधों की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। आए दिन हत्या के वारदातों की खबरें सामने आती रहती हैं। जिले के खरोरा थाना क्षेत्र के पचरी गांव में भी एक ऐसा ही मामला सामने आया है, जहां मां-बेटी का शव संदिग्ध हालात मिला है पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मृतकों की पहचान बिंदा बाई चतुर्वेदी (55) और उषा मनहरे (40) के रूप में हुई है। दोनों के शव उनके ही घर के भीतर पड़े मिले। हालांकि दोनों शवों पर किसी प्रकार के चोट का निशान नहीं हैं।

ऐसे में पुलिस को शक है कि शायद दोनों की मौत कुछ खाने के कारण हुई होगी। लेकिन पुलिस की ओर से अभी इसकी पुष्टि नहीं की गई है। सूचना मिलते ही खरोरा पुलिस मौके पर पहुंची और फॉरेंसिक टीम को बुलाकर जांच शुरू की। प्रारंभिक हालात को देखते हुए पुलिस ने हत्या की आशंका जताई है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और घर के भीतर मिले साक्ष्यों को जब्त किया गया है।

एक बाइक पर सवार थे चार लोग,भाई-बहन सहित तीन लोगों की मौत

मरवाही, 10 अगस्त (एजेंसियां)। गौरेला पेंड्रा मरवाही में एक बार फिर रफ्तार का कहर देखने को मिला। जिसमें तेज रफ्तार बाइक हादसे का शिकार हो गई। बाइक सड़क पर बैठी गाय से टकराने के बाद जाकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में भाई-बहन सहित तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य रिश्तेदार गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए बिलासपुर रेफर कर दिया गया है। सभी लोग एमसीबी जिले के रहने वाले है गौरेला पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच में जुट गई है।

जीपीएम जिले में देर रात एक दुखद सड़क हादसा सामने आया है। जिसमें एमसीबी जिले पोड़ी डीह गांव के रहने वाले समीर आयाम अपने दो रिश्तेदार सनी आयाम और सुरेश पोर्ते के साथ बाइक से अपनी बहन दुर्गावती आयाम को लेने पेंड्रा रोड रेलवे स्टेशन पहुंचे थे। दुर्गावती मध्यप्रदेश के अनुपपुर में रहकर पढ़ाई और पार्ट टाइम जॉब भी करती थी और राखी में छुट्टी नहीं मिलने के कारण शाम को ट्रेन से वापस पेंड्रा रोड पहुंची थी। भाई समीर आयाम अपने दो रिश्तेदारों के साथ रेलवे स्टेशन से बहन दुर्गा को लेकर अपने गांव पोड़ीडीह जाने को निकले थे। पर रास्ता भटक जाने के कारण ये लोग गौरेला से वेंकटनगर रोड में आगे निकल गए। जहां पर बांधामुड़ा गांव के पास सड़क पर बैठी एक गाय से टकरा जाने के बाद अनियंत्रित होकर बाइक पेड़ से टकरा गई।

223 करोड़ के टैक्स घोटाले का पर्दाफाश, मजदूरों के नाम पर बनाई फर्जी कंपनियां

रायपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। राज्य जीएसटी विभाग ने 223 करोड़ रुपये के टैक्स घोटाले का पर्दाफाश किया है। विभाग ने मास्टरमाइंड अमन अग्रवाल के खिलाफ 60 दिनों के भीतर 2137 पेज का चालान न्यायालय में पेश किया है।

यह राज्य जीएसटी की पहली ऐसी गिरफ्तारी है,जिसमें इतनी तेजी से कानूनी कदम उठाया गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और वाणिज्यिक कर मंत्री ओपी चौधरी के निर्देश पर राज्य कर आयुक्त पुष्पेंद्र मीणा के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। विभाग ने अत्याधुनिक डिजिटल टूल्स, ई-वे बिल पोर्टल के साथ आइपी एड्रेस एनालिसिस का उपयोग कर घोटाले की परतें खोलीं है।

ट्रांजेक्शन विश्लेषण से पता चला कि चोरी की रकम को तीन बैंकों के खातों में ट्रांसफर किया गया। ये खाते महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तरप्रदेश और गुजरात में थे, जहां से राशि नकद निकालकर सिस्टम से बाहर की गई।

कैसे जांच में पता चला कि अमन अग्रवाल ने 10 से अधिक गरीब मजदूरों के आधार कार्ड और मोबाइल नंबर का दुरुपयोग कर फर्जी कंपनियां बनाईं। इनके जरिए 223 करोड़ रुपये के फर्जी बिल जारी किए गए, जिससे 53 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी हुई। जीओ और एयरटेल से प्राप्त डेटा ने पुष्टि की कि फर्जी फर्मों का संचालन अमन अपने निवास से कर रहा था।

पुतिन से अलास्का में मिलेंगे ट्रम्प

वॉशिंगटन, 10 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प 15 अगस्त को अलास्का में रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात करेंगे ताकि यूक्रेन में चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए बातचीत की जा सके। इन दोनों नेताओं के बीच यह बैठक सफल रही तो 3 साल से जारी यूक्रेन जंग खत्म हो सकती है। ट्रम्प और पुतिन की मुलाकात होती है तो यह पहली बार होगा जब दोनों नेता अमेरिका की जमीन पर मिलेंगे। रूस ने पहले पुतिन और ट्रम्प की मुलाकात के लिए यूएई का सुझाव दिया था। हालांकि बाद में ट्रम्प ने बैठक के लिए अलास्का को चुना। अलास्का रूस से सिर्फ 88 किलोमीटर दूर है। रिपोर्ट्स के मुताबिक पुतिन का यहां पर मिलना ज्यादा मुफीद हो सकता है। अलास्का से रूस के सबसे नजदीकी मिलिट्री बेस करीब 80 से 100 किलोमीटर की दूरी पर हैं। ये बेस

रूस के चुक्ची स्वायत्त क्षेत्र में स्थित हैं, जो बेरिंग स्ट्रेट के पार है। इस क्षेत्र में रूस के कुछ एयरफोर्स बेस और सैन्य निगरानी स्टेशन हैं, जहां परमाणु हथियार भी हो सकते हैं। अलास्का का क्षेत्रफल लगभग 1,717,856 वर्ग किमी है जो कि भारत के सबसे बड़े राज्य राजस्थान (342,239 वर्ग किमी) से 5 गुना ज्यादा बड़ा है। अलास्का को कभी रूस का स्वर्ग कहा जाता था लेकिन अब यह अमेरिका का हिस्सा है। 18वीं सदी में रूसी साम्राज्य ने यहां बसना शुरू किया और फर ट्रेड के लिए चौकियां बनाईं। 125 साल बाद 30 मार्च 1867 को रूस और अमेरिका के बीच समझौता हुआ जिसमें रूस ने अलास्का को 7.2 मिलियन डॉलर (करीब 45 करोड़ रुपए) में अमेरिका को बेच दिया। अलास्का बेचने का विचार रूस के तत्कालीन विदेश मंत्री अलेक्जेंडर मिखाइलोविच गोर्काकोव के दिमाग में आया था। कहा जाता है कि अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति एंड्रयू जॉनसन ने गोर्काकोव को इसे बेचने के लिए राजी किया था। इसके बाद गोर्काकोव ने रूस के जार अलेक्जेंडर द्वितीय के सामने यह प्रस्ताव रखा, जो उन्होंने स्वीकार कर लिया। हालांकि रूस की जनता इस बिक्री के खिलाफ थी, लेकिन जार ने अलास्का को बेचने के दस्तावेज पर हस्ताक्षर कर दिए। अलास्का बेचने के पीछे कई कारण थे। उस समय रूस को डर था कि अगर युद्ध हुआ तो ब्रिटेन की मदद से अमेरिका अलास्का पर कब्जा कर सकता है। उस समय रूस की आर्थिक स्थिति भी कमजोर थी और अलास्का उनके लिए इतना महत्वपूर्ण नहीं था। सबसे बड़ा कारण था रूस की सीमा की सुरक्षा, क्योंकि अलास्का इतना बड़ा इलाका था कि वहां बड़ी संख्या में सैनिक तैनात करना मुश्किल था।

ऑपरेशन मुस्कान' ने लौटाई परिवारों के चेहरे पर खुशी

पुलिस ने एक महीने में 814 लापता बच्चों की खोज निकाला

रायपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ पुलिस ने राज्यभर में 814 लापता बालक-बालिकाओं को खोजकर उनके स्वजनों को सौंपा है। एक जुलाई से 31 जुलाई 2025 तक चलाए गए विशेष अभियान 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत राज्यभर में 814 लापता बालक-बालिकाओं को तलाशने में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम के निर्देश और पुलिस महानिरीक्षक अजय कुमार यादव के मार्गदर्शन में चलाए गए इस अभियान में जिलों की पुलिस टीमों ने सराहनीय कार्य करते हुए वर्षों से लापता कई बच्चों को भी खोज निकाला है। इस अभियान में 113 बालक और 701 बालिकाओं को बरामद किया गया। इनमें से 122 बच्चे उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, गुजरात, राजस्थान, झारखंड, जम्मू-कश्मीर, तमिलनाडु और हिमाचल प्रदेश से बरामद किए गए। ऑपरेशन मुस्कान एक बार फिर यह साबित करता है कि पुलिस के प्रयास अगर इरादे मजबूत हों तो कोई भी बच्चा खोया नहीं रहता। वर्ष 2018 में दुर्ग जिले के सुपेला पुलिस थाने में एक मासूम बच्ची की गुमशुदगी का मामला दर्ज किया गया था।

पीड़ित परिवार ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि इनकी पुत्री बिना बताये कहीं चली गई है। आसपास जान-पहचान, रिश्तेदारों के यहां पूछने पर भी उसका कोई पता नहीं चला। इसके आधार पर पुलिस ने लापता बालिका की तलाश शुरू की। आखिरकार पुलिस को सफलता हाथ लगी।बिहार के छपरा जिले से बालिका को बरामद कर पुलिस ने स्वजनों को सौंपकर उनके चेहरे पर मुस्कान लौटाई।

अखिलेश यादव 12 अगस्त को जाएंगे नेमरा

सीएम सोरेन से करेंगे मुलाकात; दिवंगत पिता को देंगे श्रद्धांजलि

रांची, 10 अगस्त (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद अखिलेश यादव 12 अगस्त को झारखंड पहुंचेंगे। वे दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री एवं 'दिशुम गुरु' शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि देने के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पैतृक गांव नेमरा जाएंगे। स्थानीय सपा नेता रंजन यादव ने बताया कि अखिलेश यादव का निजी विमान 12 अगस्त को सुबह 11:30 बजे बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, रांची पहुंचेगा।

वहां से 11:45 बजे वे सड़क मार्ग से नेमरा रवाना होंगे। नेमरा में वे शिबू सोरेन के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे, परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना देंगे। शिबू सोरेन झारखंड आंदोलन के प्रखर नेता, पूर्व केंद्रीय मंत्री और तीन बार झारखंड के मुख्यमंत्री रहे। उन्हें आदिवासी समाज में 'दिशुम गुरु' के नाम से सम्मानित किया जाता था। राज्य के गठन और आदिवासी अधिकारों की लड़ाई में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। हाल ही में उनके निधन से पूरे झारखंड में शोक की लहर फैल गई थी। कार्यक्रम के बाद अखिलेश यादव शाम 5 बजे बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से लखनऊ के लिए रवाना होंगे।

मौसम की मार, तूफान से एक की मौत; जेल से फरार हुए सैकड़ों कैदी

वॉशिंगटन, 10 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्वी नेब्रास्का में आए तेज तूफान ने एक महिला की जान ले ली और एक अन्य व्यक्ति को गंभीर रूप से घायल कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि जेल के क्षतिग्रस्त होने से सैकड़ों कैदी भाग गए, जिनकी तलाश की जा रही है। नेब्रास्का के साथ ही कई अन्य राज्य भी खराब मौसम का सामना कर रहे हैं। अग्निशमन विभाग ने बताया कि नेब्रास्का के टू रिवर्स पार्क में एक गाड़ी पर पेड़ गिर गया। जिससे गाड़ी में सवार महिला की मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। घायल को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है तूफान के दौरान 129 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा रफ्तार की हवाएं चलीं। जिससे जगह-जगह पेड़ उखड़ गए। घरों की छतें क्षतिग्रस्त हो गई और कई जगह बिजली के तार टूट गए, जिससे बिजली आपूर्ति भी बाधित हुई। नेब्रास्का की राजधानी लिंकन में तूफान के चलते राज्य जेल की दो आवास इकाइयां क्षतिग्रस्त हो गईं, जिससे 387 कैदी फरार हो गए। पुलिस ने बताया कि फरार कैदियों का पता लगा लिया गया है और जल्द ही उन्हें पकड़ लिया जाएगा। राष्ट्रीय मौसम सेवा ने बताया कि पूर्वी विस्कॉन्सिन के कुछ हिस्सों में भी तेज तूफान आया, जिससे राज्य के डोर प्रायद्वीप में 97 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। मौसम सेवा ने बताया कि शनिवार रात से रविवार तक देश के मध्य भाग में और भी तेज तूफान आने की आशंका है, जिससे पश्चिमी कोलोराडो से लेकर कंसास, नेब्रास्का, आयोवा, उत्तरी मिसौरी और इलिनोइस व विस्कॉन्सिन आदि इलाके प्रभावित रहेंगे।

स्कॉटलैंड के तट पर 'परमाणु रिसाव' से हड़कंप

क्या ब्रिटिश नेवी ने दबाया सच?

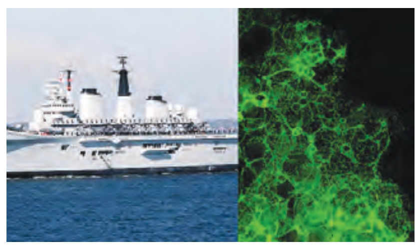

लंदन, 10 अगस्त (एजेंसियां)। ब्रिटेन की रॉयल नेवी से जुड़ा एक सनसनीखेज खुलासा हुआ है, जिसने पर्यावरण और सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटिश नौसेना ने अपने परमाणु बम बेस से रेडियोएक्टिव पानी समुद्र में रिसने दिया। यह घटना स्कॉटलैंड के फासलेन नेवल बेस की है, जहां ट्राइडेंट परमाणु पनडुब्बियों का संचालन होता है। रिपोर्ट के अनुसार, रेडियोएक्टिव पानी का रिसाव तकनीकी खराबी और रखरखाव में चूक के कारण हुआ। नौसेना ने इस मामले को शुरू में दबाने की कोशिश की, लेकिन पर्यावरण एक्टिविस्ट और स्थानीय लोगों के दबाव के बाद सच सामने आया।

विशेषज्ञों का कहना है कि रेडियोएक्टिव कचरे का रिसाव समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को लंबे समय तक नुकसान पहुंचा सकता है,

जिससे मछलियों और अन्य समुद्री जीवों पर असर पड़ सकता है। साथ ही, यह स्थानीय मछुआरों की आजीविका के लिए भी खतरा बन सकता है। ब्रिटेन की सरकार और रक्षा मंत्रालय ने इस घटना पर चुप्पी साध रखी है, लेकिन पर्यावरण संगठनों ने तत्काल जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग की है। स्कॉटलैंड के सांसदों ने भी इस मामले को संसद में उठाने की बात कही है।

भारत का रास्ता रोका तो पाक को लगा 410 करोड़ रुपये का झटका

इस्लामाबाद, 10 अगस्त (एजेंसियां)। हर मोर्चे पर भारत से मुंह की खाने वाले पाकिस्तान की हालत दुनिया से किसी भी देश से छिपी नहीं है। आर्थिक मोर्चे पर उसे लगा एक और बड़ा झटका सामने आया है। भारत का रास्ता रोकना पाकिस्तान को भारी पड़ा है और इसके चलते उसे 410 करोड़ रुपये का झटका लगा है। ये राशि पाकिस्तानी रुपये में है, भारतीय रुपये में जिसकी वैल्यू 127 करोड़ है। दरअसल, पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत की ओर से 23 अप्रैल को सिंधु जल संधि निलंबित किए जाने से पाकिस्तान बौखला गया था। इसी बौखलाहट में उसने एक दिन बाद भारतीय विमानों के लिए अपना एयरस्पेस बंद कर दिया था। ऐसा करने से उसे महज 2 महीने के भीतर इतना बड़ा नुकसान झेलना पड़ा। पाकिस्तानी अखबार, पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में शुक्रवार को नुकसान के आंकड़े साझा किए गए। पाकिस्तान के रक्षा

मंत्रालय के हवाले से बताया कि ये नुकसान 24 अप्रैल से 30 जून 2025 के बीच हुआ, जब भारतीय विमानों के लिए एयरस्पेस बंद कर दिया गया था। इस कदम से लगभग 100-150 भारतीय विमान प्रभावित हुए। इनमें लीज पर लिए गए विमान भी शामिल हैं। पाकिस्तान को भले ही भयंकर नुकसान हुआ, लेकिन उसने 410 करोड़ रुपये के नुकसान पर 'अंगूर खट्टे हैं' जैसा बयान दिया। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि एयरस्पेस पर प्रतिबंध लगाना संघीय सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है। बयान में कहा गया है, 'भले ही वित्तीय नुकसान होता है, लेकिन आर्थिक हितों पर संप्रभुता और राष्ट्रीय रक्षा को प्राथमिकता दी जाती है।' दूसरी ओर एक और आंकड़ा गौर करने लायक है कि बड़े नुकसान के बावजूद, पाकिस्तान एयरपोर्ट्स अथॉरिटी का कुल राजस्व 2019 में 5,08,000 डॉलर से बढ़कर 2025 में 7,60,000 डॉलर हो गया है। हालांकि ये बढ़ोतरी 6 वर्ष में करीब 7% सीएजीआर से हुई, जो कि बहुत अच्छी प्रगति नहीं दिखाता। साल 2019 में भी सीमा तनाव के कारण एयरस्पेस बंद करने से पाकिस्तान को 54 मिलियन डॉलर का नुकसान हुआ था। मौजूदा अपडेट्स के मुताबिक, पाकिस्तान का एयरस्पेस अभी भी भारतीय विमानों के लिए बंद है और यह अगस्त के आखिरी सप्ताह तक बंद रहेगा। वहीं, भारत ने भी अपने एयरस्पेस भी पाकिस्तानी विमानों के लिए बंद रहेगा। विदेश मंत्रालय ने इस संबंध में कह चुका है कि जब संप्रभुता और सुरक्षा की रक्षा की बात आती है, तो कोई भी कीमत बहुत बड़ी नहीं होती।

सेल्फी ली और बनाया मजाक

आयरलैंड में भारतीय बुजुर्ग पर बच्चों ने किया नस्लीय हमला

आयरलैंड, 10 अगस्त (एजेंसियां)। आयरलैंड से नस्लवाद की घटनाएं आए दिन सामने आ रही है। यहां लगभग हर रोज ही दूसरे देशों के लोगों को नस्लभेद का सामना करना पड़ रहा है। खासकर भारतीयों के खिलाफ नफरत इतनी भर गई है कि बच्चों और बुजुर्गों तक को नहीं छोड़ा जा रहा है। ऐसा ही एक मामला डबलिन से सामने आया है।

यहां 60 वर्षीय भारतीय मूल के व्यक्ति को नस्लीय भेदभाव का सामना करना पड़ा। ये भेदभाव और कमेंट बच्चों की तरफ से किया गया। भारतीय के मूल के 60 वर्षीय बुजुर्ग से बच्चों ने पहले सेल्फी मांगी और फिर उनका मजाक उड़ाया, एक बच्चे ने उनके बटुए को छीनने की कोशिश भी की। इस घटना ने आयरलैंड में रह रहे भारतीयों के बीच चिंता बढ़ा दी है। हाल ही में आयरलैंड में भारतीयों पर कई हमले हुए हैं। यही कारण है कि कानून में बदलाव की मांग उठ रही है। बुजुर्ग की बेटी ने बताया कि यह नस्लीय हमला तब हुआ जब वह अपने परिवार के साथ डबलिन में बस का इंतजार कर रहे थे।

महिला ने बताया 9 अगस्त को एक रेडिट पोस्ट में, महिला की एक दोस्त ने बताया कि वह अपने पिता और बहन के साथ डबलिन में बस का इंतजार कर रही थी, तभी दो लड़के, जिनके बारे में उसने सोचा कि वे लगभग 7 या 8 साल के होंगे, उनके पास आए। महिला ने बताया कि लड़कों ने पहले उसके पिता के साथ सेल्फी लेने के लिए कहा, लेकिन फिर वे उनका मजाक उड़ाने लगे और उनमें से एक ने कथित तौर पर उनकी जेब से उनका बटुआ छीनने की कोशिश की। महिला ने बताया कि इस सब के बाद भी हमने शांत रहने की कोशिश की और उनके व्यवहार को नजरअंदाज किया। लेकिन फिर, हैरानी की बात यह रही कि एक लड़के ने मेरे पिता का रास्ता रोक लिया और उनकी जांघों की ओर खींचने वाले इशारे किए। इस घटना ने पूरे परिवार को डरा कर रख दिया है। बेटी ने बताया "मेरे 60 वर्षीय पिता को उनकी बेटियों के सामने ही एक बच्चे ने परेशान किया, जिससे हम असहाय महसूस कर रहे थे। आयरलैंड में अश्वेत लोगों के लिए मौजूदा माहौल और कानूनों की जानकारी होने के बावजूद, तुरंत कोई उपाय न कर पाना निराशाजनक था। "आयरलैंड में अश्वेत लोगों के लिए मौजूदा माहौल" पर बात करते हुए कानूनों में बदलाव की मांग की।

बुजुर्ग के साथ हुई ये घटना पहली नहीं है। यहां आए दिन इस तरह की घटनाएं सामने आती रहती हैं। पिछले हफ्ते 6 साल की एक मासूम बच्ची पर ऐसा ही नस्लीय हमला हुआ था। हमलावरों ने बच्ची को डर्टी इंडियन कहते हुए उसके साथ बर्बर सुलूक किया था। बच्ची के हमलावर 12 से 14 साल के लड़के थे। यहां तक कि उसके बाल खींचते हुए कहा भारत भाग जाओ।

पाक में हिंदू-ईसाई अल्पसंख्यकों के लिए नर्क से भी बदतर हालात

अमानवीय हालात में जीने को मजबूर

इस्लामाबाद, 10 अगस्त (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय संस्था एमनेस्टी इंटरनेशनल की ताजा रिपोर्ट में पाकिस्तान में सफाई कार्यों में जाति और धर्म आधारित भेदभाव के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि देश में हाशिए पर रहनेवाले समुदायों को प्रताड़ित करने के लिए एक प्रणाली डिजाइन की गई है। इन समुदायों को बुनियादी श्रमिक अधिकार और मानवीय सम्मान भी हासिल नहीं है। एमनेस्टी ने अल्पसंख्यकों के इस दुष्चक्र में फंसे रहने को लेकर चेताया भी है। एमनेस्टी की रिपोर्ट में सफाई कार्यों में लगे ईसाइयों और हिंदुओं को निम्न जाति में रखा जाता है और उनसे खतरनाक, निम्न भुगतान वाले काम कराए जाते हैं। ये रिपोर्ट पाकिस्तान के अधिकार समूह सेंटर फॉर लॉ एंड जस्टिस के साथ मिलकर तैयार की गई है, जिसमें लाहौर, बहावलपुर, कराची, उमेरकोट, इस्लामाबाद और पेशावर में काम करनेवाले 230 कामगारों से बातचीत के आधार पर तैयार किया गया है। एमनेस्टी इंटरनेशनल के मुताबिक 55 प्रतिशत लोगों ने बताया कि काम पर रखने में जाति और धर्म हावी रहता है। 44 प्रतिशत सफाईकर्मी ही स्थायी हैं, जबकि 45 प्रतिशत के पास कोई कागजात नहीं है। इसकी वजह से नगरपालिका अधिकारी उनको किसी तरह का लाभ नहीं देते। 55 प्रतिशत कामगारों को चर्मरोग से लेकर श्वसन तक की बीमारियां हो चुकी हैं। वहीं 70 प्रतिशत का कहना है कि वे अमानवीय हालात में काम करने से मना भी नहीं कर सकते क्योंकि उनको तुरंत नौकरी से निकाल दिया जाएगा। अल्पसंख्यकों से भेदभाव पर रोक के लिए पाकिस्तान के संविधान में कोई प्रावधान भी नहीं है।

क्या इमरान खान को मिलेगी राहत

जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में 12 अगस्त को होगी सुनवाई

इस्लामाबाद, 10 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को लेकर एक अहम फैसला 12 अगस्त को आनेवाला है। सुप्रीम कोर्ट इमरान खान द्वारा नौ मई की हिंसा से संबंधित मामलों में जमानत नहीं मिलने के खिलाफ दायर अपीलों पर मंगलवार को फिर से सुनवाई शुरू करेगा। रविवार को मीडिया ने इस बारे में खबर दी। खबर के मुताबिक, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख द्वारा दायर विभिन्न अपील के अनुसार, नौ मई 2023 को इस्लामाबाद हाईकोर्ट परिसर से खान की गिरफ्तारी के बाद भड़की हिंसा से संबंधित आठ मामलों में लाहौर हाईकोर्ट (एलएचसी) ने उन्हें गिरफ्तारी के बाद जमानत देने से इनकार कर दिया था। एलएचसी ने नौ मई को उनकी गिरफ्तारी की आशंका में सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमलों की योजना बनाने में खान की कथित भूमिका का हवाला देते हुए उनकी जमानत खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने बचाव पक्ष के वकील के अनुरोध पर 29 जुलाई को सुनवाई स्थगित कर दी थी, जिन्होंने कहा था कि मुख्य वकील सलमान सफदर विदेश में हैं।

खबर के अनुसार, मंगलवार को पाकिस्तान के प्रधान न्यायाधीश (सीजेपी) याह्या अफरीदी की अध्यक्षता वाली शीर्ष अदालत की तीन न्यायाधीशों की पीठ इस मामले की सुनवाई करेगी, जिसमें न्यायमूर्ति मुहम्मद शफी सिद्दीकी और न्यायमूर्ति मियांगुल हसन औरंगजेब शामिल हैं। खान (72) पर नौ मई की हिंसा के संबंध में लाहौर में कई मामले दर्ज हैं, जिनमें कथित तौर पर अपने समर्थकों को सरकारी और सैन्य भवनों पर हमला करने के लिए उकसाने का मामला भी शामिल है।

थाईलैंड और कंबोडिया में अभी नहीं टला युद्ध का खतरा

लैंडमाइन विस्फोट के बाद दोनों देश फिर आमने सामने

बैंकॉक, 10 अगस्त (एजेंसियां)। थाईलैंड और कंबोडिया की सीमा पर युद्ध का खतरा अभी पूरी तरह से टला नहीं है। थाईलैंड का आरोप है कि सीमा पर पेट्रोलिंग के दौरान लैंडमाइन फटने से उसके तीन जवान घायल हो गए। वहीं, कंबोडिया ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। थाईलैंड की सेना के अनुसार, सुबह लगभग 10 बजे बॉर्डर पर पेट्रोलिंग करते हुए एक भयानक धमाका हुआ। इसमें तीन सैनिक बुरी तरह से घायल हो गए हैं। थाईलैंड की आर्मी की प्रवक्ता विन्थाई सुवारी के अनुसार, यह घटना इस बात का सबूत है कि कंबोडिया सीमा पर खतरनाक हथियारों का इस्तेमाल कर रहा है। यह ओटावा कंवेंशन का उल्लंघन है। अगर कंबोडिया इसी तरह से सीमा पर हथियारों का इस्तेमाल करता रहा, तो इससे सीजफायर की कोशिशें विफल हो सकती हैं और क्षेत्र में शांति स्थापित करना भी मुश्किल हो जाएगा। हालांकि कंबोडिया ने थाईलैंड के दावों का खंडन कर दिया है।

स्वतंत्र वार्ता
सोमवार, 11 अगस्त- 2025

चुनाव आयोग पर गहराता विवाद

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और चुनाव आयोग के बीच का विवाद दुर्भाग्य से आरोप-प्रत्यारोप में उलझ गया है। जैसे-जैसे समय बीत रहा है वैसे-वैसे दोनों की विश्वसनीयता पर सवाल भी उठने लगे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए बेहतर होगा कि विवाद को जल्द से जल्द सुलझा लिया जाए। भारत की मजबूत लोकतांत्रिक परंपरा को देखते हुए चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर भी उंगली उठने लगी है, जो ठीक नहीं कही जा सकती। इसलिए चुनाव प्रक्रिया से संबंधी किसी भी आशंका को जल्द से जल्द दूर करने में ही भलाई है। सबको मालूम है कि कांग्रेस और विपक्ष की दूसरी पार्टियां लंबे समय से चुनाव आयोग पर हमलावर रही हैं। ईवीएम को लेकर काफी बहस और हंगामा देश देख चुका है। लेकिन, देश के सामने अभी जो विवाद पनपा है वह तो अभूतपूर्व है। राहुल गांधी ने सीधे-सीधे चुनाव आयोग की निष्पक्षता, ईमानदारी और लोकतंत्र के प्रति प्रतिबद्धता पर ही सवाल उठा दिया है। महाराष्ट्र में विपक्ष के बुरी तरह परास्त होने के बाद से ही राहुल ने वहां के इलेक्टोरल रोल को लेकर धांधली का आरोप लगाया था। इस बार उन्हें दूसरे विपक्षी दलों का भी साथ मिल रहा है। राहुल का आरोप है कि महाराष्ट्र, हरियाणा और मध्य प्रदेश में हुए विधानसभा चुनावों से लेकर लोकसभा इलेक्शन तक, चुनावों के ऐन पहले बड़े पैमाने पर नए नाम जोड़े और पुराने नाम काटे गए, जिसका पूरा फायदा बीजेपी के उम्मीदवारों को मिला। राहुल के इन आरोपों को बीजेपी जहां बेबुनियाद बताती आई है, वहीं कांग्रेस उसके आरोपों पर पलटवार भी करती दिखाई दे रही है। बहरहाल भाजपा राहुल के आरोपों को चुनावी हार की खीझ बता रही है। इस विवाद में ट्विस्ट तब आया जब चुनाव आयोग ने राहुल गांधी से उनके आरोपों पर हलफनामा मांग लिया है। साथ ही, कर्नाटक समेत तीन राज्यों के चुनाव आयोग ने उन मतदाताओं के नाम देने को कहा है, जो उनके हिसाब से गलत ढंग से काटे या जोड़े गए हैं। इस मामले में चुनाव आयोग की साख तभी बजेगी जब वह बिंदुवार और स्पष्ट ढंग से अपना पक्ष रखे ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो जाए। दूसरी ओर राहुल गांधी एक संवैधानिक पद पर हैं, और विपक्ष में होने के नाते उनका काम है कमियां उजागर करना व सरकार से जवाब मांगना। चुनाव आयोग भी संवैधानिक संस्था है। इन दोनों की ही लोकतंत्र मूल्यों की रक्षा में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका मानी जाती है। इस क्रम में इनकी एक-दूसरे से असहमति, शिकायत मान्य है। लेकिन, फिलहाल का घटनाक्रम असहमति से बहुत आगे निकल चुका है। जिस तरह से दोनों के बीच सार्वजनिक रूप से आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला चल रहा है, उस पर तुरंत विराम लगाने की जरूरत है, अन्यथा दुनिया के सबसे बडे लोकतंत्र की गरिमा को जो ठेस लगेगा उसकी भरपाई आने वाले दिनों में बहुत मुश्किल से ही हो सकेगी।

भारत,रूस,चीन और ब्राजील का नया समीकरण

संजीव ठाकुर

अमेरिका के इतिहास में नजर डाली जाए तो डोनाल्ड ट्रंप देश के 47 वें राष्ट्रपति बने हैं। अमेरिका में सर्वप्रथम अप्रैल 1789 में जॉर्ज वाशिंगटन राष्ट्रपति बने थे। उसके बाद जॉन ऐडम्स, थॉमस जेफरसन,जेम्स मेडिसिन अमेरिका के राष्ट्रपति रहे। परंपरागत रूप से सभी राष्ट्रपति काफी शालीन और शक्तिशाली किन्तु संतुलित निर्णय लेने वाले रहे हैं। अब्राहम लिंकन अमेरिका के ऐसे उल्लेखनीय 16वें राष्ट्रपति बनें जिन्होंने अपने देश में अनेक सामाजिक परिवर्तन भी किए थे। उन्होंने दास प्रथा उन्मूलन में महत्वपूर्ण कदम उठाए। वे अमेरिका में 1861 से लेकर उनकी हत्या 1865 तक राष्ट्रपति रहे और उन्हें अमेरिका में अभी भी शहीद तथा राष्ट्रीय नायक के रूप में याद किया जाता रहा है। इसके ठीक विपरीत अमेरिका के डोनाल्ड ट्रंप 47 वे रिपब्लिकन पार्टी के विवादास्पद राष्ट्रपति बने हैं।राष्ट्रपति पद के अपने दूसरे कार्यकाल में डोनाल्ड ट्रंप जनवरी 25 से लेकर अब तक अपने दिमागी असंतुलन और अजीबोगरीब नीतियों के कारण वैश्विक चर्चा का हॉट टॉपिक बन चुके हैं। विश्व के भारत सहित अनेक देशों पर अमेरिका में आयात किया जा रहे उत्पादों पर 12 से लेकर 50% तक टैरिफ आरोपित करना शुरू कर दिया है।जिससे विश्व के आर्थिक जगत में बेचैनी बढ़ गई है। डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर आवश्यक वस्तुओं के अमेरिकी निर्यात पर 25 से 50% तक शुल्क लगाने की आधिकारिक घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर कर दिए हैं । इसके पूर्व भारत के प्रधानमंत्री तथा अमेरिकी राष्ट्रपतियों जिनमें उल्लेखनीय तौर पर बराक ओबामा, जो बाइडेन और डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल तक संबंध काफी अच्छे और मित्रता पूर्वक रहे हैं। भारत और अमेरिका परंपरागत तरीके से व्यापार के साझेदार भी रह चुके हैं। भारत ने अमेरिका से अस्त्र-शस्त्र तथा कई आवश्यक सामग्रियां भी खरीदी हैं और इसके बदले भारत जेनेरिक दवाइयां एवं अन्य सामग्रियां का अमेरिका को निर्यातक रहा है। उसके बाद जाने क्यों डोनाल्ड ट्रंप का जनवरी 25 से लेकर अब तक भारत के प्रति रवैया धीरे-धीरे बदल गया है और उन्होंने इस दौरान भारत से अपने व्यापारिक संबंध काफी उदासीन कर लिए हैं। डोनाल्ड ट्रंप व्यापारिक पृष्ठभूमि से राष्ट्रपति बने हैं लाजमी है कि वे अपने देश से व्यापार करने वाले अन्य देशों से अमेरिका के लिए अधिकतम लाभ लेना चाहेंगे। उन्होंने भारत के अलावा अन्य कई देशों पर भारी टैरिफ आरोपित करना शुरू कर दिया है। पर चीन बांग्लादेश पाकिस्तान पर उनकी नजीरें काफी इनायत रही है। इन देशों में केवल 12 से 20% तक ही शुल्क आरोपित किया है। इसके विपरीत भारत के द्वारा रुस से भारी मात्रा में तेल आयात करने से नाराज होकर कुछ दिनों पूर्व अमेरिका में भारत से आयातित सामानों पर 25% टैरिफ लगाकर अब उसे बढ़ाकर 50% तक कर दिया है। उसकी समय सीमा भी तय कर दी है। भारत ने इस संदर्भ में अपना रुख स्पष्ट कर कहा है कि भारत अपने देश के उत्पादों पर और 142 करोड़ की जनता के साथ अन्याय नहीं होने देगा। अब भारत के इस नए आक्रामक रुख जिसमें रूस की तरफ अपनी दोस्ती को नया आयाम देने की पेशकश कर राष्ट्रपति पुतिन को भारत आमंत्रित किया है। अब राष्ट्रपति पुतिन अक्टूबर में भारत आएंगे। दूसरी तरफ भारतीय प्रधानमंत्री चीन की यात्रा पर भी जाएंगे। इस नए समीकरण से वैश्विक स्तर पर अमेरिका सहित देशों में बेचैनी बढ़ गई है। इसे नई त्रिकोणीय युति की तरह देखा जा रहा है। चीन की तरफ भारत के रुख और चीन का भारत के प्रति नई व्यावसायिक मित्रता को अलग नजरिए से देखा जा रहा है। इन सब-नए समीकरणों में अमेरिका ने ब्राजील के ऊपर भी 50% टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद ब्राजील के राष्ट्रपति लूला ने भारत के प्रधानमंत्री से टेलीफोन एक वार्ता कर खलबली मचा दी है। अब भारत रूस चीन और ब्राजील एक होकर अमेरिका का लगभग बायकाट करने की स्थिति में आ गए हैं। विश्व के अनेक कूटनीतिज्ञ और अर्थशास्त्रियों का कहना है कि अब यह भविष्य ही बताया कि डोनाल्ड ट्रंप अपनी घोषणाओं पर कितना अधिक टिक सकते हैं और उनके निर्णय कितने दिन तक स्थिर रहेंगे।

समाजवाद यानी समता के साथ संपन्नता

रघु ठाकुर

भारत,रूस,चीन और ब्राजील का नया समीकरण।समाजवादी विचारधारा को लेकर सदैव कई घ्कार के संषय और आरोप लगाए जाते रहे हैं। यद्यपि आजादी के कई वर्षों के बाद स्वरू जवाहरलाल नेहरू ने समाजवादी ढंग की समाज रचना का उल्लेख कांग्रेस पार्टी के अवाड़ी अधिवेषन में एक घ्स्ताव में कराया था और वह भी इनकी लाचारी थी, क्योंकि उसके पूर्व वे समाजवाद का मजाक उड़ाकर कहते रहते थे कि पाघ्च उंगलियां बराबर नहीं होती। तब ड लोहिया ने उनका उार दिया था कि यद्यपि पाघ्च उंगलियां बराबर नहीं होती परंतु इनके बीच का जो फर्क है वह फर्क मुष्किल से एक बनाम डेढ़ है। जबकि उस समय उद्योगपतियों की बात तो छोड़ो घ्धानमंत्री के दघ्तर पर 25000 रुपया रोज खर्च होता था और उस समय देष के आम आदमी की आमदनी ड लोहिया के अनुसार तीन आने और सरकार के अनुसार 15 आने घ्ति व्यघ्ि घ्तिदिन थी। कांग्रेस के इस अवाड़ी अधिवेषन में भी सोषलिस्ट पैटर्न आफ सोसाइटी का घ्स्ताव तब किया गया जब समाजवादी विचारधारा और समाजवादी पार्टी देष में तेजी से फैल रही थी तथा इस कारण से यह जवाहरलाल नेहरू जी के लिये एक मजबूरी बन गई थी।

उस समय भी कुछ लोग यह आरोप समाजवादी विचारधारा पर लगाते थे कि समाजवादी देष को गरीब बनाकर रखना चाहते हैं या समाजवाद गरीबी का दर्षन है और तब भी समाजवादियों ने यह उार दिया था कि समाजवाद गरीबी का दर्षन नहीं है बल्कि ष्ब्रेडघ् एण्डघ् वटरघ् का दर्षन है, घ्याने खाते पीते समाज बनाने का दर्षन है। 9 जुलाई 25 के दैनिक भास्कर के दिल्ली संस्करण में श्री हरिवंषजी का एक लेखघ् गरीबी समाजवाद नहीं है आर्थिक संपन्नता जरूरी है षीर्षक से छपा है। चूघ्कि यह लेख श्री हरिवंष सिंह जी का है, जो राज्यसभा के उपसभापति तो हैं ही हमारे पुराने समाजवादी साथी व मित्र भी हैं इसलिये उनके इस लेख की भावना जो भी रही हो परंतु समाजवाद की विचारधारा के विरोधी इसे अपने हथियार के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। इस लेख में उन्होंने फरवरी में ष्इन्वेस्ट केरल ग्लोबल समिट का संघर्षघ् को लेकर लिखा है कि इस समिट में राजनीति के तीन धुरव भा.क.पा.,कांग्रेस व एन.डी.ए. एक मंच पर थे। जहाघ् केरल सरकार ने देषी, विदेषी निवेषकों को न्यौता था उनके अनुसार इसका संदेष साफ था कि पूघ्जी व उद्योगपतियों का स्वागत है आर्थिक सुधारों व घ्गति को सर्वोच्च घ्राथमिकता होगी। उन्होंने मुख्यमंत्री को उद्धरित करते हुए लिखा है कि ष्केरल ने नौकरषाही ढाघ्चे की सफाई की हैघ् निवेषक घ्रेंडली बनने के लिये बड़े बदलाव किये हैं। इस समिट में श्री नितिन गडकरी जी ने कहा कि 3 लाख करोडघ् की सड़क योजनायें केरल में पूरी होगी। उन्होंने इस अवसर पर 31 नई परियोजनाओं की सौगात भी दी। हरिवंषजी के अनुसार विपक्षी कांग्रेसी नेता वीडी सीषन ने कहा कि घ्राजनैतिक विवादों से परे हमारा सामूहिक लक्ष्य ये है कि केरल आर्थिक समृद्धि व औद्योगिक श्रेष्ठता का पर्याय बने। विपक्ष ने नई संस्.ति षुरू की है, हम सरकार को पूरा समर्थन दे रहे हैं, सरकार से अनुरोध है कि जब आप विपक्ष में हों तो यही संस्.ति अपनायेंघ् केरल में जो नई औद्योगिक नीति बनी है उसके अनुसार 2023 में केरल में लगभग 3 लाख एमएसएमई यूनिटस ने लगभग 250 करोडघ् की पूघ्जी जुटाई घ्33.2 मिलियन डलरघ् देष का पहला टेक्नो पार्क 180 मिलियन डलर याने लगभग 1500 करोडघ् और डिजिटल साइंस पार्क भी लगभग इतनी ही राषि से सरकार ने बनाया है। श्री हरिवंष जी ने यह निष्कर्ष निकाला है कि साम्यवादी केरल ने पघ्जीवादी निवेष उद्यमिता का महत्व अब हड़ताल, आंदोलन, अनावष्यक यूनियनबाजी के अनुभवों के बाद समझा है। चीन ने अपनी यात्रा के 29 वर्षों के बाद 19:8 में ही माना था कि गरीबी समाजवाद नहीं है। संपन्न होना गौरवपूर्ण है। चीन के तत्कालीन मुखिया डेंग जियाओपिंग के इस कथन के साथ यह भी कि आर्थिक ताकत ही मुल्कों का भविष्य तय करेगी। श्री हरिवंष जी के मुताबिक साम्यवादियों ने बदले वघ् की नब्ज पहचान ली है। दरअसल भारत में कांग्रेस पार्टी की सरकार ने 1 जनवरी 95 को वैष्वीकरण के कुख्यात समझौते डब्ल्यूटीओ के मसौदे पर हस्ताक्षर किये थे और उसके बाद से देष की लगभग सभी बड़ी संसदीय विरोधी पार्टियाघ् भी डब्ल्यूटीओ के पालन के मंत्र का जाप करती रही है, चाहे वह घ्धानमंत्री स्वरू अटलबिहारी वाजपेयी रहे हों, श्री देवगोड़ा हों, स्वरू गुजराज हों, स्वरू ड मनमोहन सिंह हों या वर्तमान घ्धानमंत्री श्री नरेन्घ् मोदी हों। इस वैष्वीकरण के समझौते के बाद देष में इन सभी सरकारी व गैर सरकारी दलों ने विदेषी पूघ्जी निवेष को ही अपना आदर्ष लक्ष्य माना है। परंतु क्या पिछले 30 वर्षों में देष में गरीबी वास्तव में घटी है, अगर घटी है तो श्री हरिवंष जी को यह उार भी देना चाहिये कि वर्तमान सरकार जिसके वे अघ्यक्ष हिस्से है, पिछले 11 वर्षों से 85 करोडघ् लोगों को 5 किलो अनाज पेट भरने के लिये क्यों दे रही है और देष की लगभग 65 घ्तिषत आबादी इसके लिये लाचार क्यों है? देष की करोड़ों मातायें, बहिनें महीने के 1000 या 1500 रुपये लाड़ली बहिन योजना के तहत लेने को लाचार क्यों हैं?

निष्चित ही चीन ने श्री डेंग जियाओपिंग के कार्यकाल में पूघ्जीवादी रास्ता चुना है और अपने इस रास्ते के बचाव के लिये बाजार समाजवाद षब्द का घ्योग किया है। परंतु वस्तुस्थिति यह है कि आज चीन में निजी पूघ्जी के बड़े-बड़े टापू खड़े हो चुके हैं और पूघ्जीवाद ने साम्यवादी विचार को जड़ों से उखाडघ् दिया है। इतना ही साम्यवाद चीन या रूस में बचा है कि वहाघ् साम्यवादी पार्टी की साा है और दोनों जगह वह निरंकुष तानाषाही का पर्याय है। चीन दुनिया की एक बड़ी आर्थिक षघ्ि है परंतु इसका बड़ा कारण चीन का सस्ता और लाचार श्रमिक हैं। सर्वहारा की तानाषाही के नाम पर चीन के करोड़ों लोग कम मजदूरी पर और अधिक समय तक काम करने को लाचार हैं। वे न हड़ताल कर सकते हैं, न मांग कर सकते हैं और न विरोध कर सकते हैं। क्योंकि इन सबका या लोकतंत्र का उार चीन में केवल गोली है। तियानमेन चौक पर सैकड़ों छात्रों की नृषंस हत्या को कैसे भुलाया जा सकता है। केरल के 3 लाख स्टार्टअप के पूघ्जी निवेष में औसतन घ्ति स्टार्टअप योगदान लगभग 10000 रुपया घ्ति स्टार्टअप है, यह कौन सा बड़ा पूघ्जी निवेष है जिससे श्री हरिवंष जी घ्भावित हैं? वैसे भी केरल अपने आरंभ से ही एक षिक्षित और संपन्न घ्देष रहा है, जहां षत-घ्तिषत षिक्षा का लक्ष्य दषकों पहले ही पा लिया गया था और केरल की बड़ी आबादी आज लगभग पूरी दुनिया में घ्विदेषों मेंघ् फैली है, जो घ्तिवर्ष लाखों रुपये विदेष से कमाकर अपने घरों को भेजते हैं। केरल की स्थिति यह है कि खेती पर काम करने वाले मजदूर पिछले 10 वर्षों से अधिक से मणिपुर, नागालेंडघ् आदि घ्देषों से आकर काम कर रहे हैं क्योंकि केरल के विदेषी रिष्तेदारों के द्वारा भेजे गये धन के कारण अब वहाघ् के लोग हाथ से काम नहीं करना चाहते। केरल का बड़ा इलाका समुघ् तट से जुड़ा है और माल वाहक पानी के जहाजों का लंबे समय से वहाघ् काम रहा है, इसके कारण वहाघ् बड़े-बड़े बंदरगाह हैं। समाजवाद का मतलब गरीबी कभी भी नहीं था बल्कि गरीबी को मिटाकर संपन्नता लाने का था और संपन्नता के साथ-साथ समानता। संपन्नता दो घ्कार की हो सकती है, एक-अमीरी के चंद टापू को बनाने वाली और दूसरे समानता के साथ संपन्नता। संपन्नता 140 करोडघ् के चीन में हैं पर कितने लोगों की है। वस्तुस्थिति यह है कि जिस घ्कार अमेरिका में हजार दो हजार खरबपति हैं जिनके पास अमेरिका की संपिा का दो तिहाई से अधिक हिस्सा है और अब यही स्थिति चीन और रूस की है कि वहाघ् भी कुछ सैकड़ा खरबपति हैं, बकाया सारे देष की आबादी सामान्य जीवन जी रही है। भारत देष की 140 करोडघ् आबादी संपन्न बने यह समाजवाद भी चाहता है परंतु करोड़ों की लाष पर चंद अमीर अरब खरब पति बनें यह समाजवाद नहीं चाहता।

अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था की आधारशिला के लिए सुगम आवागमन जरूरी

अशोक भाटिया

अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था के सुचारू रूप से चलने के लिए समुद्री आवागमन का सुगम होना बहुत जरूरी है। समुद्री मार्ग, विशेष रूप से जलडमरूमध्य, वैश्विक व्यापार और अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण हैं। इन मार्गों की सुरक्षा और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करना, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और समन्वय का एक महत्वपूर्ण पहलू है। दुनिया का एक बड़ा हिस्सा समुद्री मार्ग से ही होता है। क्योंकि दुनिया का एक बड़ा हिस्सा समुद्री मार्ग से ही होता है और समुद्री परिवहन, विशेष रूप से महाद्वीपों के बीच, अन्य तरीकों की तुलना में अधिक किफायती भी है. दरअसल आज बेहतर कनेक्टिविटी यानी सुगम आवागमन मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था की आधारशिला है. रणनीतिक साझेदारियां इसी से तय होती हैं. विभिन्न देशों के बीच सहयोगी आर्थिक ढांचों का संचालन भी इनके आधार पर होता है. इसके साथ ही ये स्थिरता की अवधारणा को भी परिभाषित करती है. संसाधनों, वस्तुओं और सेवाओं के आदान-प्रदान को सक्षम बनाना आपसी सहयोग के लिए आवश्यक है. लोगों के बीच संपर्क को बढ़ावा देकर, उत्पादक आपूर्ति श्रृंखलाओं को स्थापित करने, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, पूंजी और डेटा प्रवाह को बढ़ाने में कनेक्टिविटी महत्वपूर्ण योगदान देती है. इतिहास में समुद्री मार्गों ने उपनिवेशवादी शक्तियों को वैश्विक दक्षिण से सस्ते कच्चे माल के शोषण और निर्मित उत्पादों के वितरण की सुविधा प्रदान की थी. बाद में इसी समुद्री मार्ग से इन देशों में बना सामान दुनियाभर के दूसरे राष्ट्रों में भेजा जाता रहा है. हालांकि, विकासशील अर्थव्यवस्थाओं, खासकर चीन, के उदय ने विनिर्माण क्षेत्र को पूरी तरह बदल दिया है. भारत, थाईलैंड, चीन, वियतनाम और मलेशिया जैसे एशियाई क्षेत्र में निकटवर्ती समुद्री मार्गों ने उन्नत तकनीकों, वित्तपोषण की वैकल्पिक विधियों, वितरण और प्रदर्शन के अनुरूप नए रास्तों की खोज को बढ़ावा दिया है. आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन का केंद्र अब ग्लोबल नॉर्थ से ग्लोबल साउथ में स्थानांतरित हो गया है. वर्ल्ड बैंक के अनुसार, विकासशील देश अपनी आर्थिक तरक्की के लिए शिपिंग पर बहुत ज़्यादा निर्भर हैं. इन देशों के निर्यात का लगभग 55 प्रतिशत और आयात का 61 प्रतिशत समुद्री मार्गों के ज़रिए संचालित होता है. समुद्री उद्योग को वैश्विक व्यापार और रसद प्रबंधन को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है. वर्तमान विश्व में समुद्री उद्योग की भूमिका और भी अहम हो गई है. कोरोना महामारी और फिर उसके बाद चल रहे भू-राजनीतिक तनावों के कारण बढ़े आर्थिक दबाव के बावजूद समुद्री व्यापार धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ रहा है. संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन (यूएनसीटीएडी) 2024 के मुताबिक, समुद्री व्यापार में 2.4 प्रतिशत यानी 12.3 अरब टन की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है. 2025 में इसके 2 प्रतिशत और बढ़ने का अनुमान है, जो 2029 तक सालाना औसतन 2.4 फीसदी की गति से बढ़ता रहेगा. इस हिसाब से देखें तो बंदरगाहों को भविष्य के प्रवेश द्वार भी कहा जा सकता है.

उच्चतम समुद्री मार्गों वाले देशों में भारत 16वे स्थान पर है। भारत, जो वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनने की राह पर है, अब बंदरगाह विकास और सहायक बुनियादी ढांचे पर केंद्रित है। सरकार ने अब व्यापार और रक्षात्मक रूप से महत्वपूर्ण बंदरगाहों के विकास, नए बंदरगाहों के निर्माण, निजी-सार्वजनिक भागीदारी और विदेशी निवेश के द्वार खोलने पर ध्यान केंद्रित किया है।

भारत में 13 प्रमुख बंदरगाह और 200 से अधिक अधिसूचित छोटे और केंद्रीय बंदरगाह हैं। भारत दुनिया का 16वां सबसे बड़ा समुद्री राष्ट्र है। पूर्वी एशिया, अमेरिका, यूरोप और अफ्रीका के बीच यात्रा करने वाले अधिकांश मालवाहक जहाज हिंद महासागर से गुजरते हैं। भारत के प्रमुख और छोटे बंदरगाह भारत के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का लगभग 95 प्रतिशत संभालते हैं। बंदरगाहों के निर्माण और रखरखाव से संबंधित परियोजनाओं के लिए, सरकार स्वचालित रूप से विदेशी मार्ग का 100 प्रतिशत तक कवर करती है। प्रत्यक्ष निवेश की अनुमति है। भारत के प्रमुख बंदरगाह सालाना 820 मिलियन मीट्रिक टन माल संभालते हैं। यह 2014 के बाद से 47 प्रतिशत की वृद्धि है। इसी अवधि में, कुल बंदरगाह क्षमता दोगुनी होकर 1,630 मिलियन मीट्रिक टन हो गई है। भारत 2047 तक अपनी बंदरगाह क्षमता को छह गुना बढ़ाने की योजना बना रहा है। जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ने 10 मिलियन TEU कंटेनर हैंडलिंग क्षमता हासिल की है। विश्व बैंक की रसद प्रदर्शन सूचकांक रिपोर्ट 2023 के अनुसार, भारत 'अंतर्राष्ट्रीय शिपमेंट' श्रेणी में 22वे स्थान पर है। 2018 में यह 44वे स्थान पर था। प्रमुख बंदरगाहों में प्रौद्योगिकी की समस्याएं और अपर्याप्त बुनियादी ढांचा है। जहाजों के लिए पर्याप्त लंबाई के बर्थ या प्लेटफॉर्म नहीं हैं। पूर्वी तट पर और मन्नार की खाड़ी के पास अधिक गाद जमा होने की संभावना है, जिससे उनकी क्षमता कम हो जाती है। सरकार ने विश्व स्तरीय मेगा बंदरगाहों, ट्रांसशिपमेंट हब और बंदरगाह बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण द्वारा भारत के समुद्री क्षेत्र के विकास में तेजी लाने पर ध्यान केंद्रित किया है। सरकार का लक्ष्य 500 किमी समुद्र तट का उपयोग करके 14,500 किमी संभावित जलमार्ग बनाना और प्रमुख अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार मार्गों पर रणनीतिक स्थान का उपयोग करके देश में बंदरगाह नेतृत्व विकास को बढ़ावा देना है। संचालन बढ़ाने और दक्षता में सुधार करने के लिए स्वचालित क्रेन, रोबोट सिस्टम और स्मार्ट पोर्ट प्रबंधन प्रणाली जैसी उन्नत तकनीकों के उपयोग पर विचार किया जाना चाहिए। गतिशील और बेहतर सड़कों और रेल नेटवर्क के माध्यम से बंदरगाहों और आंतरिक क्षेत्रों के बीच संपर्क में सुधार के लिए प्रयास करने की आवश्यकता है। ब्लॉकचेन, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) और डेटा एनालिटिक्स को शामिल किया जाएगा।

बंदरगाह के बुनियादी ढांचे में 1,000 मीटर लंबाई के नौ कंटेनर टर्मिनल, चार बहुउद्देशीय बर्थ, चार तरल कार्गो बर्थ, एक आरओ-रो बर्थ, एक तटीय कार्गो बर्थ और एक तटरक्षक बर्थ शामिल हैं। यह परियोजना 1,448 हेक्टेयर अपतटीय क्षेत्र और 10.14 किमी ब्रेकवाटर को बहाल करेगी। इसमें कंटेनर/कार्गो भंडारण क्षेत्रों का निर्माण शामिल है। यह परियोजना सभी स्थानीय मत्स्य पालन और रोजगार सहित व्यवसाय से जुड़े लोगों का पुनर्वास करेगी और उचित मुआवजा प्रदान करेगी। बंदरगाह तट से करीब पांच किलोमीटर अंदर बनाया जाएगा। यह पर्यावरण का ख्याल रखता है। कंटेनर जहाजों का आकार दुनिया भर में बढ़ रहा है। इसलिए भारत को करीब 18 से 20 मीटर की गहराई वाले बंदरगाह की जरूरत है। दुनिया के सबसे बड़े कंटेनर जहाज को समायोजित करने के लिए भारत के पास एक भी बंदरगाह नहीं है। इसलिए हमें एक नए बंदरगाह की जरूरत है। बधावन के तट से 10 किलोमीटर तक 20 मीटर की प्राकृतिक पानी की गहराई है। इससे बड़े जहाज इस बंदरगाह पर आ सकेंगे। अन्य बंदरगाहों की तरह इस जगह पर ड्रेजिंग बनाए रखने की कोई आवश्यकता नहीं है। इससे समय और लागत की बचत होगी। मुंबई-दिल्ली पश्चिम रेलवे इस जगह से केवल 12 किलोमीटर दूर है। मुंबई-वडोदरा एक्सप्रेसवे 18 किमी दूर है। मुंबई के उत्तर में बनाया जा रहा यह बंदरगाह महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों को जोड़ेगा। बधावन बंदरगाह के साथ विकास के अवसरों को ध्यान में रखते हुए, वधावन विकास केंद्र के तहत एक चौथा मुंबई स्थापित किया जाएगा। राज्य सरकार ने महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम के प्रस्ताव को बधावन विकास केंद्र के 33.88 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र को 512 वर्ग किलोमीटर तक बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

भूत मास्टर की आखिरी घंटी

रामविलास जांगिड़

भूत आयोग ने एक मरे हुए भूत को सरकारी प्राथमिक विद्यालय में मास्टर बना दिया गया। तर्क बड़ा सुंदर था- ज़िंदा अध्यापक छुट्टियों के लिए मेडिकल सर्टिफिकेट लाते हैं, मरा हुआ अध्यापक सिर्फ मौत का बहाना देगा... और वो तो पहले ही मर चुका है। सरकार को आखिरकार वो कर्मचारी मिल ही गया जो 'हमेशा उपलब्ध' रहे, चाहे परलोक से ही क्यों न हो। भूत सरकारी नौकरी पाकर फूला नहीं समाया। तनख्वाह पक्की, काम का डर नहीं, ऊपर से कोई पारिवारिक जिम्मेदारी भी नहीं। उसे लगा सरकारी स्कूल में पढ़ाना आसान होगा, लेकिन जल्दी ही उसने समझ लिया कि सरकारी स्कूल में पढ़ाना, आत्मा छोड़ने से भी कठिन है। मौत एक बार होती है, सरकारी शिक्षक-पंथी की मौत रोज़ ही होती है। पहली ही सुबह ताले ने स्वागत किया। स्कूल का गेट बंद, चाबी पता नहीं किस पत्थर के नीचे छुपाई हुई। सरकारी शिक्षा का पहला पाठ- ताला हमेशा बच्चों की छुट्टी के बाद ही खुलता है और छुट्टी से पहले ही बंद हो जाता है। यहाँ शिक्षा ताले में बंद होती है और चाबी जाने किस पत्थर के नीचे दबी रहती है। दूसरे दिन मिड-डे मील की रानी ने आदेश सुनाया- लकड़ी, राशन, पानी लाओ और खाना परोसने में मदद करो। यह था शिक्षा का 'आधारभूत ढाँचा!' जहाँ एबीसी का मतलब आलू, बटाटा, चावल !तभी सरकारी फरमान आया—वोटर लिस्ट बनानी है। सरकारी सिलेबस का यही कमाल है- गणित, विज्ञान और भाषा की किताबें धूल खाती रहेंगी, पर चुनावी काम कभी पुराना नहीं होगा। सच्ची जहाँ वोट गिनने हैं, वहाँ बच्चे गिनना गुनाह ही है। टॉयलेट की जिम्मेदारी भी उसी पर आई। दरवाज़ा अटका तो मिस्त्री भी वही, चौकीदार भी वही। सरकारी व्यवस्था में मास्टर न केवल ज्ञान देता है बल्कि ताला भी तोड़ता है।शिक्षक बहु-उपयोगी प्राणी है, जिससे पढ़ाई के अलावा सभी काम करवाए जाने जरूरी होते हैं। निरीक्षण के समय भूत ने अंग्रेज़ी कविता सुनाई- 'ट्विंकल ट्विंकल₹- तो अधिकारी ने टोका कि ये पुरानी है। सरकारी स्कूल में बदलाव का अर्थ ही है, पुरानी चीज़ को नया कह देना।यहाँ सिलेबस अपडेट करना उतना ही मुश्किल है, जितना ज़िंदा होना। बरसात में स्कूल का बरामदा कुत्तों, मक्खी, मच्छरों, जानवरों आदि का सम्मेलन स्थल होता है। लोकतंत्र का इतना सुंदर उदाहरण शायद ही कहीं मिले!

जैव विविधता और इंसान की सांसों में ज़हर घोल रहे कबूतर

हरीश शिवनानी

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में गत सप्ताह पुलिस में एक अनूठा मामला दर्ज किया गया है जो संभवतः देश का पहला ऐसा मामला होगा। मुंबई में एक व्यक्ति के विरुद्ध कबूतरों को दाना डालने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई और 142 लोगों पर 68,700 रुपए का जुर्माना लगाया गया। मामला बृहतमुम्बई म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन (बीएमसी) से लेकर उच्च न्यायालय तक पहुंच कर देश भर में चर्चित हो गया। बीएमसी ने कबूतरों को मानव-स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बताते हुए शहर के कबूतरखानों को बंद करने और खुले चौक वाले स्थानों पर तिरपाल लगाने के आदेश दिए हैं। इससे देश के पक्षी प्रेमियों, धार्मिक-सामाजिक संगठनों में इस बात को लेकर रोष और विरोध शुरू हो गया है। इसके साथ ही जीवविज्ञानियों और चिकित्सकों में कबूतरों को लेकर बहस छिड़ गई है कि क्या कबूतर जैसा सौम्य, शांत जैसा दिखने वाला पक्षी भी मनुष्य के लिए घातक हो सकता है ? ज़वाब है हाँ, कबूतर न केवल मानव -स्वास्थ्य बल्कि पारिस्थितिकी और जैव विविधता के लिए भी घातक साबित हो रहा है। पिछले कुछ दशकों में कबूतरों की अनियंत्रित बढ़ती आबादी चिंता का विषय बन गई है। इससे न केवल अन्य छोटे पक्षियों की संख्या पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है बल्कि स्थानीय जैव विविधता में भी भारी अंतर आ रहा है। कबूतर कई प्रकार के वायरस का भी संवहन करते हैं जो अस्थमा व साँस की बीमारियों से प्रभावित लोगों के लिए काफी ख़तरनाक, ज़हरीले साबित हो रहे हैं। एक मादा कबूतर वर्ष भर में 48 बच्चों को जन्म दे सकती है और एक कबूतर एक वर्ष में औसतन 12 किलोग्राम बीट उत्सर्जित करता है जो अत्यधिक अम्लीय तथा ज़हरीली होती है। सूखने के बाद यह हवा में धूल के साथ मिलकर आसानी से प्रसारित होती है। अनेक जगहों पर रोजाना खूब दाना डाला जाता है। अब यह परंपरा घातक हो सकती है। अमेरिका के जैव विज्ञानी और पक्षी विशेषज्ञ रॉबर्ट ए. पियर्स की शोध रिपोर्ट है कि कबूतरों के पंखों की फड़फड़ाहट व इनकी बीट में पाए जाने वाले सूक्ष्म जीवाणु और कीटाणु, कवक, खांसी, जुकाम, अस्थमा और फेफड़ों में संक्रमण सहित अनेक बीमारियों के कारण बन सकते हैं। शोध में कबूतर के बीट व पंखों में 20 से अधिक पैथोजेनिक बैक्टीरिया और फंगस पाए गए। कबूतरों की बीट लंबे समय तक जमा रहने दी जाए, तो हिस्टोप्लास्मोसिस रोग उत्पन्न कर सकती है, जो मानव श्वसन तंत्र को गम्भीर रूप से प्रभावित करता है। कबूतर प्रत्यक्ष रूप से स्वयं ही बीमारी नहीं फैलाते बल्कि वे अन्य पक्षियों में बीमारी के बैक्टीरिया संचारित कर उनके माध्यम से भी इंसानों में प्रसारित करते हैं। मसलन, एक बीमारी है- सिटाकोसिस। यह रोग कबूतरों से विभिन्न पक्षियों की कई अलग-अलग प्रजातियों को प्रभावित कर सकता है। संचरण करते करते संक्रमित पक्षी श्वसन स्रावों और मल के माध्यम से बैक्टीरिया छोड़ते हैं। जब ये स्राव और मल सूख जाते हैं, तो धूल बनकर हवा में फैल जाती है और साँस के ज़रिए मानव श्वसन तंत्र में प्रवेश कर जाती है। यह श्वसन रोग पक्षियों द्वारा छोड़े गए क्लैमाइडिया सिटासी बैक्टीरिया से होता है। इसे 'तोता बुखार' भी कहा जाता है। पिछले 7-8 वर्षों में ऐसी बीमारियों के मामले पांच गुना बढ़ चुके हैं। पक्षियों के अलावा कबूतरों के बाहरी परजीवियों में घुन, पिस्सू, किलनी और कीड़े शामिल हैं जो परोक्ष रूप में घातक बीमारियों के संचरण में सहायक बनते हैं। जीव-पक्षियों,खेतों के लिए भी ख़तरनाक मानव-स्वास्थ्य के अलावा कबूतर पारिस्थितिकी और जैव विविधता के लिए ख़तरनाक साबित हो रहे हैं। कबूतर बड़ी मात्रा में बीज और अन्य खाद्य संसाधनों का उपभोग करते हैं, जो अन्य पक्षियों और छोटे जीवों के लिए भोजन की कमी का कारण बनता है। वे घोंसले बनाने की जगह के लिए भी अन्य स्थानीय पक्षियों (जैसे गौरैया, मैना आदि) के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं और छोटे पक्षियों जैसे गोरैया, तोते व अन्य पक्षियों का भोजन भी चट कर जाते हैं। जिससे इन अन्य पक्षियों की संख्या में बेहद कमी आई है, छोटी चिड़िया (गौरेया), जो कीटों का भक्षण करके कृषि में सहायक होती थी, आज विलुप्त प्रायः है तथा कबूतरों के बचे दाने से आकर्षित होकर चूहों की संख्या में वृद्धि भी कृषि के लिए हानिकारक साबित हो रही है। जलाशयों के निकट इनकी उपस्थिति, पंखों से गंदगी, बीट निष्कासन छोटी मछलियों व अन्य जलीय जीवों के लिए भी ज़हरीली साबित होती है। उनकी अम्लीय बीट मिट्टी की उर्वरता को प्रभावित लेती है। यह पौधों की वृद्धि को भी नुकसान पहुंचाती है।यह समस्या भारत की ही नहीं, पूरे विश्व की है। ऑस्ट्रिया के वियना में कबूतरों को दाना डालने पर 36 यूरो जुर्माना लगता है। स्पेन के कई शहरों में ओविस्टोप नामक ड्रग का प्रयोग इनके दाने में मिलाकर किया जाता है जो एक प्रकार का गर्भ निरोधक है। सैन फ्रांसिस्को के अलावा लन्दन के मशहूर ट्राफलगर स्क्वायर पर कबूतरों को दाना डालने पर प्रतिबन्ध है। इटली के वेनिस शहर में सेंट मार्क स्क्वायर पर दाना बेचने वालों पर कठोर जुर्माने का प्रावधान है।

भोलेनाथ के ऋंगार का दृश्य

शरीर पर भस्म, सिर पर चंद्रमा और गंगा तो महादेव के

गले में नागदेव क्यों विराजित हैं?

विश्व के नाथ को समर्पित सावन का पवित्र महीना 11 जुलाई से शुरू होने वाला है। महादेव के साथ ही उनके भक्तों के लिए भी यह महीना बेहद मायने रखता है। शिवालयों में लगी लंबी कतारें 'बोल बम' और 'हर हर महादेव' की गूंज चहुंओर सुनाई देगी। भोलेनाथ का स्वरूप निराला है। उनका रूप जितना रहस्यमय है, उतना ही आकर्षक भी है। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि उनके शरीर पर भस्म, माथे पर चंद्रमा, जटा में गंगा और गले में नागदेव क्यों विराजमान रहते हैं?

शरीर पर भस्म, माथे पर चंद्रमा, जटा में गंगा और गले में नागदेव—हर भक्त के मन में जिज्ञासा जगाता है। पौराणिक ग्रंथों में इन सवालों का सरल अंदाज में जवाब मिलता है और भोलेनाथ के स्वरूप और श्रृंगार के बारे में भी विस्तार से जानकारी मिलती है।

महादेव को 'भस्मभूषित' भी कहा जाता है, क्योंकि वह अपने शरीर पर भस्म लगाते हैं। शिव पुराण के अनुसार, भोलेनाथ को भस्म बेहद प्रिय है।

ये वैराग्य और नश्वरता का प्रतीक है। यह दिखाता है कि यह संसार क्षणभंगुर है और आत्मा ही शाश्वत है। शिव यह संदेश देते हैं कि सांसारिक मोह को त्यागकर आत्मिक शांति की ओर बढ़ना चाहिए। इतना ही नहीं, भस्म में औषधीय गुण भी माने जाते हैं, जो नकारात्मक ऊर्जा को दूर करती है।

पौराणिक कथा के अनुसार, जब माता सती ने क्रोध में आकर खुद को अग्नि के हवाले कर दिया था, उस वक्त महादेव ने उनका शव लेकर धरती से आकाश तक हर जगह भ्रमण किया। विष्णु जी से उनकी यह दशा देखी नहीं गई और उन्होंने माता सती के शव को छूकर भस्म में बदल दिया था। अपने हाथों में भस्म देखकर शिव जी और परेशान हो गए और उनकी याद में वो राख अपने शरीर पर मल ली।धार्मिक ग्रंथों में यह भी उल्लेख मिलता है कि भगवान शिव कैलाश पर्वत पर वास करते थे और वहां बहुत ठंड होती थी। ऐसे में खुद को ठंड से बचाने के लिए वह शरीर पर भस्म लगाते थे।

'भस्मभूषित' के साथ ही शिव को 'चंद्रशेखर' भी कहते हैं, क्योंकि उनके मस्तक पर चंद्रमा सुशोभित है। भागवत पुराण के अनुसार, जब चंद्रमा ने दक्ष प्रजापति की 27 पुत्रियों (नक्षत्रों) से विवाह किया, लेकिन केवल रोहिणी को प्राथमिकता दी, तो दक्ष ने उन्हें क्षय रोग का श्राप दे दिया था। इसके बाद चंद्रमा ने शिव की तपस्या की, जिससे प्रसन्न होकर शिव ने उन्हें अपने मस्तक पर रहने का वरदान दिया। महादेव की जटाओं में गंगा का वास है, इसलिए उन्हें 'गंगाधर' कहा जाता है।

हरिवंश पुराण के अनुसार, जब पवित्रता और मुक्ति की दात्री गंगा स्वर्ग से पृथ्वी पर अवतरित हुईं, तो उनकी प्रचंड धारा को संभालने के लिए शिव ने उन्हें अपनी जटाओं में बांध लिया था। औढरदानी को 'नागेंद्रहार' भी कहते हैं, क्योंकि उनके गले में नागराज वासुकी विराजते हैं अर्थात गले में नाग रूपी हार को धारण किए हुए हैं। शिव पुराण के अनुसार, समुद्र मंथन में वासुकी ने रस्सी बनकर शिव के प्रति अपनी भक्ति दिखाई थी। प्रसन्न होकर शिव ने उन्हें अपने गले में स्थान दिया और नागलोक का राजा बनाया।

जब हर काम बिगड़ रहा हो, तो बुरी किस्मत को कहें अलविदा

कभी-कभी जिंदगी में ऐसा वक्त आता है जब हर काम उल्टा होने लगता है। मेहनत के बाद भी रिज़ल्ट नहीं मिलता, लोग बिना वजह नाराज़ हो जाते हैं, पैसा आता है लेकिन टिकता नहीं और मन हर समय बेचैन रहता है। ऐसे हालात में बहुत लोग सोचते हैं कि शायद किस्मत ही खराब चल रही है, लेकिन क्या वाकई हम इसे बदल नहीं सकते?

नहाते समय पानी में हल्दी डालें

आपको लगता है कि आपकी किस्मत साथ नहीं दे रही, तो सुबह नहाते वक्त पानी में एक चुटकी हल्दी डाल लें। यह उपाय बहुत ही पुराना और असरदार माना गया है। हल्दी को शुभता और शुद्धि से जोड़ा गया है। इसे नहाने के पानी में मिलाकर स्नान करने से शरीर और मन दोनों पर पॉजिटिव असर पड़ता है। मान्यता है कि इससे भगवान विष्णु और बृहस्पति देव की कृपा बनी रहती है, और आपके आसपास की नेगेटिव एनर्जी दूर हो जाती है।

पंचमुखी हनुमान जी की पूजा करें

आप लगातार आर्थिक तंगी, घर के झगड़े, या मानसिक तनाव जैसी परेशानियों से जूझ रहे हैं, तो पंचमुखी हनुमान जी की पूजा आपके लिए बहुत फायदेमंद हो सकती है। मंगलवार के दिन किसी मंदिर जाएं और हनुमान जी के सामने घी का दीपक जलाएं। इसके बाद श्रद्धा से हनुमान चालीसा का पाठ करें। ऐसा माना जाता है कि हनुमान जी की कृपा से बुरी शक्तियां और बुरे ग्रहों का असर खत्म हो जाता है, और जीवन में नई ऊर्जा आती है।

घर में साफ़-सफाई का रखें ध्यान

कई बार किस्मत के खराब चलने की वजह हमारे घर का वातावरण भी हो सकता है। घर में गंदगी, टूटे-फूटे सामान या बंद घड़ी जैसी चीजें नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देती हैं। रोज़ सुबह झाड़ू-पोछा लगाएं, खासकर घर के मुख्य दरवाज़े के पास सफाई जरूर करें। वहां नमक मिले पानी से पोछा लगाने से भी बुरी ऊर्जा बाहर चली जाती है।

तिल और गुड़ का दान करें

आपको लग रहा है कि भाग्य साथ नहीं दे रहा, तो शनिवार के दिन काले तिल और गुड़ का दान किसी जरूरतमंद को करें। यह उपाय शनि ग्रह को शांत करने के लिए बहुत असरदार माना गया है। इससे जीवन में स्थिरता और सुख-शांति आती है।

रोज सुबह ये 5 बातें बोलें

हर सुबह उठते ही खुद से या भगवान के सामने ये 5 बातें ज़रूर दोहराएं –
"मैं खुश हूं", "मेरी किस्मत बदल रही है", "मैं मेहनती हूं", "मुझे सबका साथ मिल रहा है", "मैं हर मुश्किल को पार कर सकता हूं"। ऐसा करने से आत्मविश्वास बढ़ता है और सोच पॉजिटिव रहती है, जिससे हालात भी धीरे-धीरे बदलने लगते हैं।

यमी अपने भाई यम पर थी बेतरह मोहित

करना चाहती थी शादी और बच्चे, क्यों नहीं हो सका ऐसा

भारतीय पुराणों में एक हिंदू देवी देवता की ऐसी कहानी है, जो हैरान कर देती है। ये कहानी यम और यमी की है। दोनों भाई बहन थे लेकिन यमी अपने भाई पर ही मोहित हो गई। वो उससे शादी करना चाहती थी। ताकि भाई से कई बच्चे पैदा कर सके। उसने भाई को लुभाया, शादी का प्रस्ताव दिया। उससे मनुहार किया वो उससे शादी कर ले लेकिन भाई ने इनकार कर दिया। जानते हैं क्या थी कहानी

सृष्टि के शुरुआती समय में धरती अभी बनी ही बनी थी। आसमान तारों से सजा हुआ था। सूर्य और उनकी पत्नी संज्ञा के दो बच्चे हुए – यम और यमी। यम शांत और गंभीर था। उसका काम था मानवजाति के कर्मों का हिसाब रखे। जब यम पैदा हुआ तो उसके साथ जुड़वां बहन भी पैदा हुई। उसका नाम था यमी। उत्साह और उमंग से भरी हुई । यमुना की तरह प्रवाहमयी।

दोनों भाई – बहन एक ही गर्भ से पैदा हुए दोनों भाई बहन एक ही गर्भ से जन्मे। लेकिन उनके हृदय अलग-अलग धुन पर नाचते थे। यमी ने यम को हमेशा से एक अलग नजरिए से देखा। वह उसके गंभीर स्वभाव, निष्पक्षता, और सृष्टि के प्रति जिम्मेदारी से आकर्षित थी।

यमी शुरू से भाई यम से आकर्षित थी

सृष्टि जब बनी तब मानवजाति का कोई नामोनिशान नहीं था। तब भाई के प्रति आकर्षित यमी ने सोचा कि उनके और यम के मिलन से एक नई शुरुआत हो सकती है। वह तब अपने भाई को अपने जीवनसाथी के रूप में देखने लगी। ये सपना देखती थी – वह और यम मिलकर ऐसी दुनिया रचेंगे जो प्रेम से भरी होगी और उनके प्रेम से उत्पन्न संतानें धरती को जीवन और प्रेम से भर देंगी।

एक दिन यमी ने यम से शादी का प्रस्ताव रखा

एक दिन यमी ने यम के सामने अपने दिल की बात कह ही दी। उसने कहा कि अगर हम दोनों जीवनसाथी बन जाएं। शादी कर लें तो हमारा मिलन सृष्टि को आगे ले जाएगा। मेरे साथ आओ, मेरे प्रिय। इस खाली धरती को प्रेम और जीवन से भर दें। यमी को लगा कि यम उसके प्रस्ताव को जरूर स्वीकार कर लेगा तब दोनों दुनिया को आगे ले जाएंगे।

यम ने कहा – ऐसा नहीं हो सकता

यम जैसे ही यमी की बातें सुनीं, वो स्तब्ध रह गया। वह हमेशा धर्म के रास्ते पर चलता था। वह अपनी बहन के प्रेम को समझता था, लेकिन उसे मालूम था कि ऐसा नहीं हो सकता। लिहाजा उसने गहरी सांस लेते हुए कहा, "यमी", "हम भाई-बहन हैं। हमारा प्रेम शुद्ध है, लेकिन यह वह प्रेम नहीं जो सृष्टि की नींव बनाए। ये धर्म के खिलाफ होगा, इसलिए ये नहीं हो सकता।

यम अपनी बहन यमी की भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाना चाहते थे, लेकिन धर्म का रास्ता ही पकड़े रखना चाहते थे, लिहाजा बहन के प्रस्ताव को मानना असंभव था। यमी की आंखें नम हो गईं। इसके बाद भी प्रेम का तर्क देकर यमी कई दिनों तक यम को मनाती रही।

यमी कई दिनों तक भाई को शादी के लिए मनाती रही

यमी ने तर्क दिया, "देखो, यम, यह संसार अभी शून्य है। हमारी संतानें इसे रंगों से भर देंगी। अगर ये सृष्टि की भलाई के लिए है तो इसमें कोई पाप नहीं। लेकिन यम अडिग रहे।

फिर यमी के आंसू यमुना नदी बन गए

जब यमी ने देखा कि यम का हृदय नहीं बदलेगा। उनकी आंखों से आंसुओं की धारा बही, जो धरती पर गिरकर एक पवित्र नदी बन गई – यमुना। उसने कहा, "अगर तुम मेरे प्रेम को स्वीकार नहीं कर सकते, तो मैं इस धरती को अपने प्रेम से सींचूंगी।" "मैं यमुना बनकर बहूंगी, और हर जीव को जीवन दूंगी।"

यम ने यमी के बलिदान को देखा। उसका हृदय दुख से भर गया। उसने तब संकल्प लिया कि वो मानवजाति के कर्मों का रक्षक बनेंगे। "मैं धर्मराज बनूंगा, यमी," उसने कहा, तुम्हारी यमुना जीवन देगी और मैं मृत्यु का मार्ग संभालूंगा।"

यम फिर धर्मराज बन गए और यमी की

आंखों से आंसू से यमुना नदी बन गई।

यमी की प्रेम कहानी आज भी कुछ कहती है यम और यमी की कहानी प्रेम और धर्म के बीच की जटिलता को दिखाती है। धरती पर जब भी यमुना की लहरें चमकती हैं, तो वो यमी के अनकहे प्रेम की कहानी भी सुनाती हैं। जब यम की छाया मृत्यु के रूप में आती है, वह धर्म की दृढ़ता को याद दिलाती है, जिसने सृष्टि को एक नींव दी।

ऋग्वेद में भी मिलता है इसका जिक्र

यम और यमी का सबसे प्राचीन उल्लेख ऋग्वेद में मिलता है, विशेष रूप से ऋग्वेद 10।10 में, जो "यम-यमी संवाद" के रूप में प्रसिद्ध है। यहां यम और यमी को भाई-बहन के रूप में बताया गया है। उनके बीच एक संवाद होता है जिसमें यमी भाई यम को प्रजनन और संसार की रचना के लिए उनके साथ संबंध स्थापित करने का प्रस्ताव देती है। यह संवाद प्रतीकात्मक और दार्शनिक स्तर पर गहरा अर्थ रखता है।

हर कठिन समय का समाधान है इन आध्यात्मिक स्थलों में

हर इंसान की ज़िंदगी में कभी न कभी ऐसा वक्त आता है जब सबकुछ हाथ से फिसलता हुआ लगता है। मेहनत करने के बाद भी नतीजे नहीं मिलते, दिल टूटता है, मन भटकता है और आत्मा तक रोने लगती है। ऐसे समय में इंसान अक्सर सोचता है – अब क्या करें? कहां जाएं? किस दर पर सिर झुकाएं ताकि दर्द कम हो, रास्ता दिखे और किस्मत फिर से साथ देने लगे। ऐसे कई पवित्र स्थल हैं जो न सिर्फ मन को सुकून देते हैं बल्कि ज़िंदगी की उलझनों का हल भी बन सकते हैं। तो चलिए जानते हैं – कब, कौन सी परेशानी में कहां जाना चाहिए। इस विषय में अधिक जानकारी दे रहे हैं भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा।

किस्मत सो गई हो तो – उज्जैन महाकाल

किस्मत बार-बार धोखा दे रही है, लाख कोशिशों के बाद भी काम नहीं बन रहा, तो उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर जरूर जाइए। वहां की आरती, वहां की हवा और महाकाल की नजर आपकी सोई हुई किस्मत को भी जगा सकती है। वरना यही किस्मत आपको ताउम्र जगाए रखेगी और चैन से सोने नहीं देगी।

शादी में अड़चन हो तो – कामाख्या देवी मंदिर का रुख कीजिए

रिश्ते बनते-बनते टूट जाते हैं, या शादी की बात आगे नहीं बढ़ती, तो असम के कामाख्या मंदिर का रुख कीजिए, ये शक्तिपीठ सिर्फ एक मंदिर नहीं, बल्कि ऊर्जा का ऐसा केंद्र है जहां जाने से मन की गांठें खुलती हैं और अड़चनें दूर होती हैं। वर्ना ये जन्म भी अकेले ही कट जाएगा।

कर्ज से मुक्ति चाहिए तो – त्र्यंबकेश्वर

कर्ज सिर से उतरने का नाम नहीं ले रहा, हर महीने की शुरुआत उधारी से होती है, तो नासिक स्थित त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग पर जाना चाहिए। यहां की पूजा और रुद्राभिषेक से कर्ज से मुक्ति मिलने का मार्ग खुलता है।

मृत्यु का भय हो तो – काशी विश्वनाथ

बार-बार मन में मृत्यु का डर आता है, या जीवन का कोई बड़ा संकट सिर पर है, तो काशी जरूर जाओ। वहां बाबा विश्वनाथ के दर्शन मात्र से ये भरोसा मिलता है कि चाहे कुछ भी हो, अंत में मोक्ष जरूर मिलेगा।

मन बेचैन हो तो – शांति निकेतन

मन को सुकून नहीं मिल रहा, हर वक्त बेचैनी घेरे रहती है, तो शांति निकेतन का रुख करो, ये जगह ना सिर्फ ज्ञान देती है, बल्कि आत्मा को भी आराम देती है। वर्ना मन हर जन्म में भटकता रहेगा।

मन भटका हो तो – तिरुपति बालाजी

अगर लग रहा है कि जीवन में कोई दिशा नहीं बची, तो तिरुपति बालाजी के चरणों में गिरो। वहां का अनुभव इतना दिव्य होता है कि मन अपने आप रास्ता पकड़ लेता है।

राहु-केतु परेशान कर रहे हों तो – कालहस्ती मंदिर

कुंडली में राहु-केतु भारी हैं और हर काम में रुकावट आ रही है, तो आंध्र प्रदेश के कालहस्ती मंदिर जाओ, ये मंदिर खासतौर पर इन ग्रहों के दोषों को शांत करने के लिए जाना जाता है।

क्या तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में हड़ताल कर रहे कर्मचारियों से मिले चिरंजीवी?

तेलुगु फिल्म उद्योग में इस समय तनाव जारी है। कहा जा रहा है कि अभिनेता चिरंजीवी ने हड़तात कर रहे कर्मचारियों की मांगों पर आश्वासन दिया है और उनसे मुलाकात की है। हालांकि, अभिनेता ने इसे बेबुनियाद बताते हुए प्रतिक्रिया दी है। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा।

क्या बोले चिरंजीवी?

साउथ इंडस्ट्री के मशहूर अभिनेता चिरंजीवी ने अपने एक्स अकाउंट पर ट्वीट किया। उन्होंने कहा, 'ये मेरे ध्यान में आया है कि फिल्म फेडरेशन के सदस्य होने का दावा करने वाले कुछ लोग मीडिया मे झूठा दावा कर रहे हैं। साथ ही बता रहे हैं कि मैंने उनसे मुलाकात की है और आश्वासन दिया है कि 30 प्रतिशत बढ़ोतरी से संबंधित उनकी मांगें पूरी की जाएंगी और मैं बहुत जल्द शूटिंग शुरू करूंगा।'

अभिनेता ने कहा- कोई भी इसमें सलाह नहीं दे सकता

उन्होंने आगे कहा, 'मैं ये स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि मैंने महासंघ के किसी भी सदस्य से मुलाकात नहीं की है। ये फिल्म इंडस्ट्री का मुद्दा है और इसमें कोई भी व्यक्ति किसी भी समस्या पर किसी भी तरह के समाधान का एकतरफा आश्वासन नहीं दे सकता।' उन्होंने कहा, 'इंडस्ट्री की गर्वनिंग बॉडी का रोल अहम है।'

चिरंजीवी के बारे में

साउथ अभिनेता के वर्कफ्रंट की बात करें, तो उन्हें आखिरी बार 'विश्वभरा' में देखा गया था। इस फिल्म का निर्देशन मल्लिदी वशिष्ठ ने किया था। वहीं इसे प्रोजेक्ट को साहू गरपति अपनी शाइन स्क्रीन्स बैनर तले प्रोड्यूस किया गया था।

47 की उम्र में भी क्यों बिन ब्याही हैं 'छावा' एक्ट्रेस? कहा- 'मैं जिंदगी अपनी शर्तों पर जीती हूं'

बॉलीवुड एक्ट्रेस दिव्या दत्ता अपनी शानदार एक्टिंग के साथ बेबाकी के लिए भी सुर्खियों में बनी रहती हैं. हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी जिंदगी को लेकर बड़ा खुलासा किया. उन्होंने शादी ना करने के फैसले को लेकर कहा कि किसी टॉक्सिक रिलेशन में रहने से अच्छा है, इंसान अकेले रह ले.

दिव्या दत्ता से पूछा गया- 'क्या आपने सोच-समझकर अकेले रहने का रास्ता चुना, या ये सब आपके साथ जिंदगी की बदलती प्राथमिकता के साथ होता चला गया? इस पर एक्ट्रेस ने कहा- 'बिलकुल... ये सब धीरे-धीरे अपने आप ही हो गया.'

पहले शादी करना चाहती थीं दिव्या

दिव्या ने कहा- 'मेरा ध्यान सिर्फ शादी पर फोकस था. मैं यश चोपड़ा और करण जौहर की फिल्में देखकर बड़ी हुई हूं, जिसमें ये दिखाया जाता था कि लोग पूरे रीति-रिवाज के साथ शादी करके खुशनुमा जिंदगी बिताते हैं. लेकिन, फिर गुजरते वक्त के साथ एहसास हुआ कि इस तरह के करियर में आपको एक ऐसे पार्टनर की भी जरूरत होती है, जो इस स्थिति को समझने की काबिलियत रखता हो.'

'टॉक्सिक रिलेशन में रहने से बेहतर है...'

दिव्या दत्ता ने आगे कहा- 'इस पेशे की मांगों को समझने वाला साथी मिलना जरूरी है, जो खुद में कॉन्फिडेंस रखे और सेंसिटिव हो. कभी-कभी ऐसा साथी मिलता है, कभी नहीं. मुझे लगता है कि एक टॉक्सिक रिलेशन में रहने से बेहतर है कि आप खुद के साथ, शांति से, एक खूबसूरत जिंदगी जिएं और अपना ध्यान वहां लगाएं जहां जरूरत है. और हां, मैं मानती हूं कि मेरी प्रभावशाली इमेज है, जिसकी

वजह से कोई भी इंसान मुझे अप्रोच करने से पहले झिझकता है, लेकिन फिर धीरे-धीरे नॉर्मल होने लगता है. मैं अपनी जिंदगी अपनी शर्तों पर जीती हूं, और ये बात सबको साफ नजर आती है.'

'मायासभाः द राइज ऑफ द टाइटन्स' को लेकर चर्चा में दिव्या

वर्कफ्रंट पर दिव्या दत्ता इन दिनों अपनी हालिया रिलीज राजनीतिक ड्रामा वेब सीरीज 'मायासभाः द राइज ऑफ द टाइटन्स' में नजर आई हैं. ये सीरीज आंध्र प्रदेश की राजनीति पर आधारित है. 1990 के दशक की अस्थिर राजनीति को दर्शाया गया है. ये सीरीज 7 अगस्त से सोनी लिव पर स्ट्रीम हो रही है. इससे पहले दिव्या विक्की कौशल की फिल्म छावा में दिखाई दी थीं. फिल्म में उन्होंने सोयराबाई का रोल अदा किया था.

हिना खान को कैंसर की वजह से नहीं मिल रहा काम, कहा- 'एक साल कोई फोन नहीं आया'

पॉपुलर टीवी एक्ट्रेस हिना खान ब्रेस्ट कैंसर के तीसरे स्टेज से जूझ रही थीं. हालांकि उनकी सर्जरी हो चुकी है और अदाकारा अपने हेल्थ का बखूबी ध्यान भी रख रही हैं. हाल ही में उन्होंने कैंसर डायग्नोसिस के बाद काम न मिलने वाले नुकसान को लेकर बात की.

कैंसर की वजह से हिना खान को नहीं मिल रहा है काम

हिना खान ने ब्रेस्ट कैंसर के डायग्नोसिस के बाद एक बार फिर टीवी पर्दे पर वापसी की है. पति पत्नी और पंगा के जरिए एक बार फिर उन्हें टीवी पर्दे पर देख फैंस बेहद खुश हैं. लेकिन इसके पहले एक्ट्रेस को अपनी बीमारी के वजह से कई बड़े प्रोजेक्ट्स से हाथ धोना पड़ा था. हिना खान ने कैंसर के बाद काम न मिलने को लेकर पीटीआई संग खास बातचीत में अपना दुख जाहिर किया. उन्होंने कहा कि, 'ये सब होने के बाद ये मेरा पहला प्रोजेक्ट है. मैं काम करना चाहती हूं. किसी ने मुझे सीधे तौर पर नहीं कहा, लेकिन मैं ये फील कर सकती हूं कि कई लोग अभी भी मेरे साथ काम करने से कतरा रहे हैं.'

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए अदाकारा ने कहा, 'कोई बात नहीं लेकिन मुझे से नॉर्म तोड़ना होगा. शायद पति पत्नी पंगा ऐसा कर देगा, मैं समझती हूं. अगर मैं उनकी जगह होती तो मैं इसके बारे में हजार बार सोचती. मैं ऑडीशन के लिए भी तैयार हूं.' इसके साथ ही हिना खान ने खुलासा किया कि पिछले एक साल से उनके पास काम को लेकर किसी ने भी कॉल नहीं किया. अब एक्ट्रेस काम करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं और वो चाहती हैं कि काम के लिए उन्हें फोन आए. इसके बाद हिना खान ने कहा कि अपनी बीमारी से लड़ कर अब वो टीवी पर्दे पर वापसी कर चुकी हैं और इस बात से उन्हें बेहद खुशी है.

टीवी इंडस्ट्री में बनाया अपना बड़ा नाम

हिना खान को 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में अक्षरा के रोल के लिए जाना जाता है. इस सीरियल के जरिए उन्होंने अपनी पॉपुलैरिटी को आसमान की ऊंचाईयों तक पहुंचाया था. इसके बाद वो कसौटी जिंदगी की 2, 'खतरों के खिलाड़ी सीजन 8' और 'बिग बॉस 11 जैसे शोज का भी हिस्सा रही. इन शोज के जरिए भी अदाकारा की पॉपुलैरिटी में काफी इजाफा हुआ था.आजकल हिना खान कलर्स के शो पति पत्नी और पंगा में नजर आ रही हैं. अपने पति रॉकी जायसवाल के साथ हिना खान फैंस से खूब प्यार बटोर रही हैं.

अपनी मेहनत के दम पर हासिल किया स्टारडम ऐसी है सुनील शेट्टी की स्ट्रगल स्टोरी

सुनील शेट्टी जो ना सिर्फ एक सफल अभिनेता हैं बल्कि एक बेहतरीन इंसान होने के साथ बिजनेस टायकून और सोशल वर्कर भी हैं. उन्हें दमदार फिजीक, गहरी आवाज और एक्शन से भरपूर किरदारों के लिए जाना जाता है.उन्होंने 90 के दशक में बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाई लेकिन उनकी जिंदगी की सबसे खास बात सिर्फ एक सुपरस्टार बनना नहीं, बल्कि अपने पिता के संघर्ष को मान देना है.

कैसे बीता सुनील शेट्टी का बचपन?

सुनील शेट्टी का जन्म 11 अगस्त 1961 को कर्नाटक के मैंगलोर जिले के मुल्की शहर में एक मध्यमवर्गीय तुलु भाषी परिवार में हुआ था. उनके पिता वीरप्पा शेट्टी काम की तलाश में मुंबई आए थे और यहां आकर उन्होंने जुहू इलाके में एक छोटे से होटल में वेटर का काम शुरू किया. अपने बच्चों को बेहतर भविष्य देने और परिवार को चलाने के लिए वे दिन-रात मेहनत करते थे, टेबल साफ करना, प्लेटें धोना, ग्राहकों को खाना परोसना. उस वक्त सुनील बेशक बच्चे थे, लेकिन अपने पिता की मेहनत और संघर्ष को नजदीक से देख रहे थे और उनके लिए जिंदगी में कुछ बड़ा करना चाहते थे. जुहू में रहने की वजह से वे अक्सर फिल्मों की शूटिंग देखा करते थे और यहीं से उनका झुकाव एक्टिंग की ओर बढ़ा.

फिल्म इंडस्ट्री में कैसा रहा सुनील शेट्टी का करियर ?

सुनील शेट्टी का बचपन सामान्य सा था. किसी फिल्मी बैकग्राउंड के बिना उन्होंने एक्टिंग में कदम रखा और 1992 में 'बलवान' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की, जिसमें उनकी हीरोइन दिव्या भारती थीं. अभिनेता की पहली ही फिल्म सुपरहिट रही और दर्शकों ने उन्हें एक्शन हीरो के रूप में खूब सराहा. तो वहीं 'मोहरा' ने उन्हें एक मेनस्ट्रीम स्टार बना दिया. इसके बाद उन्होंने 'वक्त हमारा है', 'मोहरा', 'गोपी किशन', 'अंत', 'दिलवाले',

'सुरक्षा', 'बॉर्डर', 'रक्षक', 'भाई', 'पृथ्वी', 'कृष्णा', 'हेरा फेरी' जैसी कई हिट फिल्मों में काम किया.फिल्म 'गोपी किशन' में उनके डबल रोल को आज भी दर्शकों को काफी पसंद है.

सुनील शेट्टी ने खुद को केवल हीरो की भूमिका तक सीमित नहीं रखा. उन्होंने विलेन, कॉमिक और कैरेक्टर रोल्स में भी बखूबी अपने अदाकारी का प्रमाण दिया. 2000 में आई फिल्म 'धड़कन' में उनके ग्रे शेड वाले किरदार देव ने जमकर तालियां बटोरीं और इस रोल के लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट विलेन अवॉर्ड से नवाजा गया था. 'मैं हूं ना' में राघवन जैसे आतंकवादी की भूमिका निभाकर उन्होंने दिखा दिया कि वे किसी भी किरदार को जीवंत बना सकते हैं. साथ ही, 'हेरा फेरी' और 'फिर हेरा फेरी' जैसी फिल्मों में उनका हास्य अभिनय भी दर्शकों को खूब पसंद आया.

स्टारडम हासिल करने के बाद सुनील ने पिता को दिलाया सम्मान

हिंदी के अलावा, उन्होंने मलयालम, कन्नड़, तमिल, तेलुगु और मराठी फिल्में भी की हैं. सुनील शेट्टी केवल एक अभिनेता नहीं हैं, वे एक सफल निर्माता भी हैं. उन्होंने 'रक्त', 'खेल', 'भागम भाग', और 'लूट' जैसी फिल्मों को प्रोड्यूस किया है. इसके अलावा, वो वेब सीरीज की दुनिया में भी सक्रिय हैं. 2022 में 'धारावी बैंक' में थलाइवन की भूमिका और 2023 में 'हंटर - टूटेगा नहीं तोड़ेगा' में एसीपी विक्रम चौहान के किरदार में उनकी अदाकारी की खूब तारीफहै. अब एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में उन्हें सफल अभिनेता के रूप में देखा जाता है.

अब उनके बच्चे भी इंडस्ट्री में बना रहे हैं पहचान

अभिनेता को उनके शानदार अभिनय के लिए कई पुरस्कार मिले हैं. उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड, जी सिने अवॉर्ड, स्टारडस्ट अवॉर्ड और साउथ इंडियन इंटरनेशनल मूवी अवाड्र्स से सम्मानित किया गया है. सुनील शेट्टी ने 25 दिसंबर, 1991 को माना शेट्टी से शादी की थी, जो एक गुजराती मुस्लिम फैमिली से ताल्लुक रखती हैं. माना का असली नाम मोनिशा कादरी है. शादी के बाद कपल के दो बच्चे हुए, बेटी अथिया शेट्टी और बेटा अहान शेट्टी. अथिया ने बॉलीवुड में डेब्यू कर लिया है और अहान भी फिल्मी सफर पर निकल चुके हैं.

सुरवीन चावला बॉलीवुड में नहीं बन पाई लीड एक्ट्रेस, अब ओटीटी पर राज कर रही

इस अभिनेत्री ने टीवी से अपना करियर शुरू किया था और छोटे पर्दे पर खूब पॉपुलर भी हुईं. फिर इन्होंने बॉलीवुड में एंट्री लेकिन इन्हें सफलता नहीं मिली. साउथ फिल्म इंड्स्ट्री में भी किस्मत आजमाई लेकिन यहां भी खास पहचान नहीं मिली. फिर ओटीटी प्लेटफॉर्म ने इस एक्ट्रेस के लिए गेम चेंजर साबित हुआ. खासतौर पर साल 2025 इस हसीना के लिए खुशियों की सौगात ला या और ये ओटीटी पर छा गईं. चलिए जानते हैं आखिर ये हैं कौन?

ओटीटी पर कई शोज कर चुकी हैं सुरवीन चावला

हम जिस अभिनेत्री की बात कर रहे हैं वो बॉलीवुड की कोई लीड एक्ट्रेस नहीं हैं, लेकिन लगातार शानदार परफॉर्मेंस से उन्होंने ओटीटी पर तहलका मचा दिया है. दरअसस ये कोई और नहीं सुरवीन चावला हैं. सुरवीन ने ओटीटी पर कई शानदार शो कर अपनी अदाकारी से दर्शकों के दिलों में जगह बना ली है. सुरवीन सेक्रेड गेम्स, रंगबाज, पार्च्ड जैसे ओटीटी शो में भी नजर आईं थीं. हालांकि साल 2025 में वे ओटीटी पर जैसे छा ही गई हैं.

2025 में ओटीटी पर सुरवीन चावला ने मचाया धमाल

साल की शुरुआत में, अभिनेत्री ने क्रिमिनल जस्टिस सीजन 4 में अपने शानदार प्रदर्शन से दर्शकों का दिल जीत लिया था. उन्होंने साल की एक और हिट वेब सीरीज राणा नायडू सीजन 2 में भी अपने अभिनय से खूब वाहवाही लूटी. इसके बाद वे वाईआरएफ की सीरीज मंडला मर्डर्स में भी नजर आई थीं. इस नेटफ्लिक्स शो, भी एक्ट्रेस ने खूब सुर्खियां बटोरी. हालांकि मंडला मर्डर्स में अनन्या भारद्वाज के रूप में सुरवीन चावला ने भले ही मुख्य भूमिका नहीं निभाई थी, लेकिन उन्होंने अपनी पावरफुल परफॉर्में से सबका ध्यान अपनी और खींच ही लिया था. इसी के साथ वे ओटीटी की लीडिंग एक्ट्रेस बन गई हैं.

सुरवीन चावला अब अंधेरा से मचाएंगी धमाल

सुरवीन चावला अब प्राइम वीडियो की सुपरनैचुरल हॉरर सीरीज़ 'अंधेरा' में अपनी दमदार अदाकारी का जादू चलाते हुए नजर आएंगी राघव डार द्वारा निर्देशित, हॉरर सीरीज़ 14 अगस्त को प्राइम वीडियो पर प्रीमियर के लिए तैयार है. ओटीटी प्लेटफॉर्म ने सीरीज के ग्लोबल प्रीमियर की अनाउंसमेंट भी कर दी है. अंधेरा में सुरवीन चावला के अलावा प्रिया बापट, करणवीर मल्होत्रा, प्राजक्ता कोली भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं.

'वॉर 2' से कटेंगे कियारा आडवाणी के बिकिनी सीन! सेंसर बोर्ड ने ऋतिक रोशन की फिल्म पर लगाए ये 6 कट्स

ऋतिक रोशन की फिल्म 'वॉर 2' की रिलीज में अब एक हफ्ते से भी कम समय रह गया है. इससे पहले फिल्म को सेंसर बोर्ड से करारा झटका लगा है. सेंसर बोर्ड ने फिल्म को यूए सर्टिफिकेट दिया है लेकिन इसके साथ ही कई सीन हटाने और कई जगह पर डायलॉग म्यूट करने की सलाह दी है. CBFC ने 'वॉर 2' में कुल 6 कट्स लगाते हुए फिल्म की लंबाई लगभग 7 मिनट तक कम कर दी है.

'वॉर 2' में हुए ये 6 बदलाव

बॉलीवुड हंगामा की मानें तो सेंसर बोर्ड ने 'वॉर 2' में ऑडियो और विज़ुअल में अहम बदलाव किए जाने का सुझाव दिया है.

मेकर्स को फिल्म में कुछ रेफ्रेंस को म्यूट करने के लिए कहा है.

फिल्म में एक 'अश्लील' डायलॉग को रिप्लेस किया गया.

'वॉर 2' के एक सीन में दो सेकंड का 'अश्लील' एक्सप्रेशन को हटाने की भी सलाह दी गई है.

रिपोर्ट की मानें तो 'वॉर 2' के गाने 'आवां जावां' में कियारा आडवाणी के बिकिनी सीन भी कम किए जा सकते हैं.

दरअसल सीबीएफसी ने फिल्म में इंटीमेट सीन्स को 50% तक कम करने का सुझाव दिया है जो कि करीब 9 सेकंड का है.

कितना है 'वॉर 2' का रनटाइम?

सेंसर बोर्ड के सुझाए गए बदलावों के बाद 'वॉर 2' को 6 अगस्त को U/A 16+ सर्टिफिकेट के साथ पास कर दिया गया है.

तमाम बदलावों के बाद 'वॉर 2' का रनटाइम अब 171.44 मिनट, यानी 2 घंटे, 51 मिनट और 44 सेकंड रह गया है.

पहले फिल्म 2 घंटे, 59 मिनट और 49 सेकंड लंबी थी.

'वॉर 2' की रिलीज डेट

स्पाई थ्रिलर फिल्म 'वॉर 2' को अयान मुखर्जी ने डायरेक्ट किया है. फिल्म में ऋतिक रोशन के साथ साउथ स्टार जूनियर एनटीआर नजर आएंगे. 'वॉर 2' में विलेन अवतार निभाकर जूनियर एनटीआर बॉलीवुड डेब्यू करने वाले हैं. फिल्म 14 अगस्त 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी.

'कुली' से टकराएगी 'वॉर 2'

बॉक्स ऑफिस पर 'वॉर 2' का सामना रजनीकांत की फिल्म 'कुली' से होगा. लोकेश कनगराज के डायरेक्शन वाली इस फिल्म में आमिर खान और श्रुति हासन जैसे कलाकार भी नजर आएंगे.

नौकरी मिलने की उम्मीद बढ़ाएं ये टिप्स

नौकरी पाने की जल्दी में अक्सर लोग रिजेक्ट हो जाते हैं। ये उपाय जॉब मिलने की संभावना को काफी हद तक बढ़ा देंगे।

ड्रीम जॉब नहीं होता

यदि आपका मैनेजर वैसा नहीं है, जैसा आप चाहते थे, साथ देने वाले और प्रोत्साहित करने वाले कुलीग्स नहीं हैं या ऑफिस का वर्क-कल्चर आपकी उम्मीद से जुदा है, तो ऐसी जगह पर काम करके आप खुश और संतुष्ट नहीं रहेंगे। जिसे ड्रीम जॉब मान रहे हैं, वो सबसे खराब भी साबित हो सकता है।

हर बात को सही ना मानें

कई बार नौकरी के लिए दिए गए जॉब डिसक्रिप्शन बेहद खराब तरीके से लिखे होते हैं। अक्सर इन्हें पांच से दस साल में अपडेट किया जाता है। इस दौरान जो बदलाव होते हैं, उनकी जानकारी नहीं दी जाती है। किसी भी नौकरी के विवरण पर आंख बंद करके भरोसा नहीं करें। केवल गाइड की तरह ही देखना चाहिए।

उपलब्धि हाईलाइट करें

अमूमन कोई भी रिक्रूटर एक एप्लिकेशन पर लगभग सात सेकंड या उससे भी कम समय के लिए रुकता है। इसके बाद वो उसे या तो फेंक देता है या संभाल कर रख लेता है। अपना रिज्यूमे सबसे अलग दिखाना चाहते हैं तो इसे कंपनी और अपने नेचर ऑफ जॉब के अनुसार तैयार करें। खास उपलब्धियों को हाईलाइट करें।

कवर लेटर जरूरी है

कवर लेटर ऐसा होना चाहिए, जो बताता हो कि कैसे आपकी स्किल्स की कंपनी को जरूरत है। कवर लेटर पर आपके किए गए किसी महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट के नतीजों का पूरा विवरण भी होना चाहिए। इस संस्थान में आपकी रुचि किसलिए पैदा हुई, इसकी वजह भी कवर लेटर पर स्पष्ट रूप से लिखी जा सकती है।

डिजिटल दौर में फोटोग्राफरों की मांग बढ़ी है

पिछले कुछ वर्षों से अमेरिका, ब्रिटेन और कुछ अन्य देशों में लोग अपने विवाह समारोह के पलों को फिल्मों के फोटो में कैद करना चाहते हैं। इससे कैमरे पर तस्वीरें खींचने वाले फोटोग्राफरों की मांग बढ़ी है। डिजिटल के मुकाबले फिल्म पर शूट की गई फोटो सॉफ्ट होती है।

यह धीमी और अधिक एनालॉग प्रक्रिया कई जोड़ों को पुराने जमाने के मीडियम की ओर आकर्षित कर रही है। अब कई जोड़ों को अपने विवाह के फोटो तत्काल की बजाय कुछ दिन बाद मिलते हैं।

एडिनबर्ग, स्कॉटलैंड में स्थित वेडिंग फोटोग्राफर अन्ना अर्बन का कहना है, पिछले एक वर्ष से फिल्म फोटोग्राफरों की मांग बढ़ी है।

वैसे,वे अब भी डिजिटल कैमरे इस्तेमाल करती हैं। उन्होंने सितंबर 2024 में बढ़ती मांग के कारण अपने क्लाइंट्स को फिल्म फोटोग्राफी ऑफर करना शुरू किया है। वे एक फिल्म रोल के लिए लगभग दस हजार रुपए लेती हैं। उनके पांच फीसदी वेडिंग क्लाइंट अपने पैकेज में फिल्म फोटोग्राफी शामिल करते हैं। वे बताती हैं, लोग कुछ अलग करना चाहते हैं। लंदन की फोटोग्राफर केट हेंपसन ने मई 2024 में सभी शादियों की तस्वीरें फिल्म पर खींचना शुरू किया है। उन्होंने अपने करिअर के शुरुआती वर्षों में डिजिटल फोटोग्राफी की है। वे डिजिटल फोटो के नतीजों से खुश नहीं हैं। बैकअप के तौर पर डिजिटल कैमरा साथ रखती हैं।

सैनफ्रांसिस्को की वेडिंग फोटोग्राफर जिलियन मिशेल न्यूयॉर्क और लॉसएंजिलिस में ज्यादा काम करती हैं। उन्होंने अधिकतर शादियों को फिल्म पर शूट किया है। 2009 में वेडिंग फोटोग्राफर के रूप में काम शुरू करने वाली मिशेल सभी फोटो डिजिटल कैमरे से खींचती थीं।

लेकिन, वे जल्द ही फिल्म की तरफ मुड़ गईं। वैसे, मिशेल कम रोशनी वाले फोटो डिजिटल कैमरे से लेती हैं। उनका कहना है, डिजिटल इमेज की तुलना में फिल्म की फोटो ज्यादा खूबसूरत लगती है। कुछ फोटोग्राफर फिल्म फोटो का लुक डिजिटल फार्मेट जैसा बनाना चाहते हैं।

आर्टिस्टिक तस्वीरें

एक फोटोग्राफर कहती हैं, फिल्म के फोटो डिजिटल से बेहतर नजर आते हैं। वे फिल्म पर फोटो उतारने की तुलना आयल पेंटिंग से करती हैं। फिल्म से अच्छी आर्टिस्टिक तस्वीरें बनती हैं।

'कम्प्यूटर साइंस' व 'कम्प्यूटर इंजीनियरिंग' में क्या अंतर है

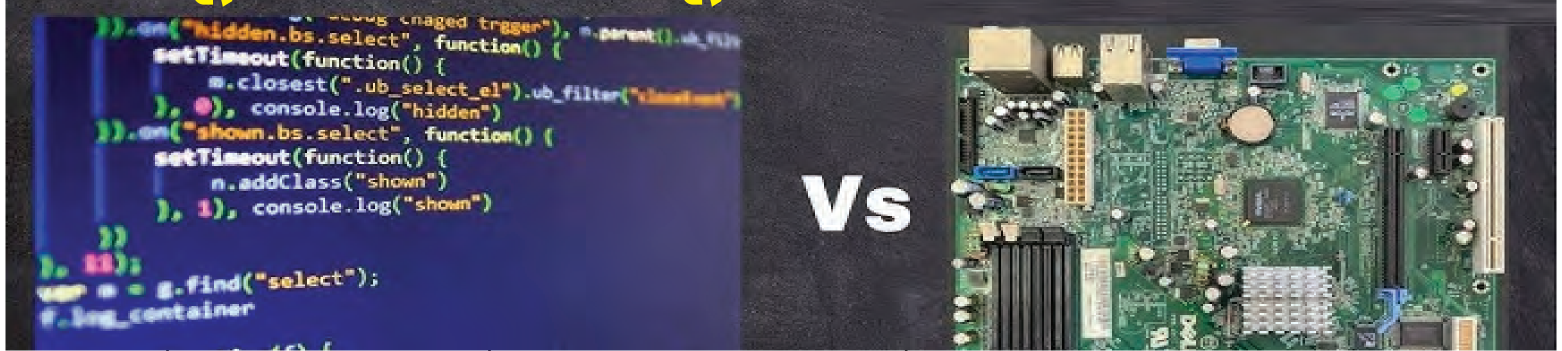

वर्तमान समय टैक्नोलॉजी का है, जिसमें कम्प्यूटर साइंस की अहम भूमिका है। छात्र कम्प्यूटर साइंस से संबंधित कोर्स कर इस फील्ड में शानदार करियर बना सकते हैं। यही वजह है कि टैक्नोलॉजी के क्षेत्र में करियर बनाने वाले ज्यादातर छात्रों की पहली पसंद कम्प्यूटर साइंस तथा कम्प्यूटर इंजीनियरिंग बनी हुई है । हालांकि, ज्यादातर लोग कम्प्यूटर साइंस और कम्प्यूटर इंजीनियरिंग को एक ही मानते हैं, हालांकि ये दोनों ही एक-दूसरे से भिन्न हैं।

कम्प्यूटर साइंस

इसमें कम्प्यूटर प्रोसैस व डाटा का अध्ययन किया जाता है। इसमें उन सभी प्रक्रियाओं की स्टडी की जाती है जो डाटा से संबंधित होते हैं। इस क्षेत्र में भी चार मुख्य क्षेत्र होते हैं- कम्प्यूटर प्रिंसिपल, साइंटिफिक कम्प्यूटिंग, हार्डवेयर सिस्टम, सॉफ्टवेयर सिस्टम ग्रैजुएशन स्तर पर छात्र कम्प्यूटिंग विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला के बारे में सीखते और कई क्षेत्रों में प्रोजैक्ट्स में भाग लेते हैं। ग्रैजुएशन लैवल पर कम्प्यूटिंग के सिद्धांत और सॉफ्टवेयर सिस्टम डिजाइन करने की प्रैक्टिस के बारे में सिखाया जाता है।

कम्प्यूटर इंजीनियरिंग

यह इंजीनियरिंग की एक ब्रांच है जो कम्प्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर डिवैल्प करने के लिए कम्प्यूटर साइंस को इलैक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग के साथ इंटीग्रेट करती है। कम्प्यूटर इंजीनियर कम्प्यूटिंग के कई पहलुओं में शामिल है सर्किट डिजाइन से लेकर माइक्रोकंट्रोलर, माइक्रोप्रोसैसर, पर्सनल कम्प्यूटर और सुपर कम्प्यूटर के डिजाइन तक । कम्प्यूटर इंजीनियरिंग के प्रमुख टैक्निकल क्षेत्र साइबर सुरक्षा, नैटवर्किंग, डिजाइन ऑटोमेशन, मशीन इंटैलिजैंस, कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर और बायोमैडिकल और एम्बेडेड सिस्टम हैं।

कम्प्यूटर साइंस के कोर्स

कम्प्यूटर साइंस में छात्रों के लिए डिग्री और डिप्लोमा के कई कोर्स उपलब्ध हैं, जिन्हें छात्र 12वीं के बाद कर सकते हैं। इन कोर्सों में छात्र कम्प्यूटिंग विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला के बारे में सीखते हैं।

ग्रैजुएशन लैवल पर छात्रों को कम्प्यूटिंग के सिद्धांत और सॉफ्टवेयर सिस्टम डिजाइन करने की प्रैक्टिस के बारे में सिखाया जाता है। वहीं डिप्लोमा के कोर्स में छात्रों को प्रोग्रामिंग, कम्प्यूटर फंडामैंटल्स एंड प्रोग्रामिंग, कम्प्यूटर एप्लिकेशन, पी.सी.-सॉफ्टवेयर, स्ट्रक्चर्ड सिस्टम एनालिसिस एंड डिजाइन, ऑपरेटिंग सिस्टम और प्रोग्रामिंग इन विजुअल जैसे बेसिक विषयों की जानकारी दी जाती है।

कम्प्यूटर साइंस में रोजगार विकल्प

वैब डिवैल्पर

कोर्स के बाद ज्यादातर छात्र वैब डिवैल्पर बनना पसंद करते हैं। एक वैब डिवैल्पर का कार्य वैबसाइट की कोडिंग, लेआऊट और डिजाइन तैयार करना होता है। वे आवश्यकतानुसार वैबसाइटों को मेंटेन और स्केल भी करते रहते हैं ।

एप्लीकेशन डिवैल्पर

एप्लिकेशन डिवैल्परों का कार्य सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन तैयार करना है। वे किसी भी एप्लिकेशन को अपडेट और मॉडिफाई करते हैं। किसी भी कम्पनी के साथ जुड़ने पर इनकी प्रमुख जिम्मेदारियों में सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन विकसित करना शामिल है।

डाटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर

डाटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर की जॉब काफी कठिन मानी जाती है। इनका कार्य कम्पनी को डाटा उपलब्ध कराना और उसे करप्ट या हानि से सुरक्षित बनाना होता है। उनकी मुख्य ड्यूटी में डाटाबेस का मैनेजमैंट करना, बैकअप को डिजाइन करना और लागू करना शामिल होता है।

कम्प्यूटर साइंटिस्ट

कम्प्यूटर साइंटिस्ट इस फील्ड का मूल है। इनका कार्य नई तकनीकों को इजाद करना और उन्हें साइंस या बिजनैस में वास्तविक समस्याओं पर लागू करना होता है। इनका मुख्य कार्य एल्गोरिदम डिवैल्प करना और उसे उपयोग के लिए आसान बनाना भी है।

कम्प्यूटर इंजीनियरिंग के कोर्स

इसमें प्रमुख कोर्स बी.टैक कम्प्यूटर साइंस है, जिसके बाद ढेरों अवसर हैं। दुनिया भर में आई.टी. सैक्टर में सबसे अच्छा प्लेसमैंट मुहैया कराया जाता है। कई कम्पनियां / संगठन छात्रों के चयन के लिए कैम्पस प्लेसमैंट में हिस्सा लेते हैं। इसके बाद एम. टैक (मास्टर ऑफ टैक्नोलॉजी), मास्टर्स इन इंजीनियरिंग जैसे कोर्स किए जा सकते हैं ।

कम्प्यूटर इंजीनियरिंग में रोजगार विकल्प कम्प्यूटर इंजीनियर

वे सॉफ्टवेयर को डिवैल्प, टैस्ट और उनका मूल्यांकन करते हैं। वे कम्प्यूटर गेम, बिजनैस एप्लिकेशन और यहां तक कि नए ऑपरेटिंग सिस्टम पर भी काम कर सकते हैं।

क्वालिटी एश्योरैंस इंजीनियर

वे प्रोडक्ट की क्वालिटी सुनिश्चित करने के लिए टैस्ट डिवैल्प करते हैं ।

हार्डवेयर इंजीनियर

हार्डवेयर इंजीनियर हार्डवेयर का डिजाइन, डिवैल्प और टैस्ट करते हैं ।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर

सॉफ्टवेयर इंजीनियर कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर के डिजाइन और डिवैल्पमंट के लिए गणितीय विश्लेषण और कम्प्यूटर साइंस के प्रिंसिपल को लागू करते हैं।

बच्चों के खिलाफ हिंसा रोकने की दिशा में केरल सरकार का सराहनीय कदम, स्कूलों में लगेंगे हेल्प बॉक्स

बच्चों के खिलाफ हिंसा को रोकने की दिशा में केरल सरकार ने एक सराहनीय कदम उठाते हुए 'सुरक्षा मित्रम' योजना शुरू करने की घोषणा की है। दरअसल, सरकार ने यह निर्णय एक तटीय जिले में चौथी कक्षा की एक बच्ची के साथ उसके पिता और सौतेली मां द्वारा कथित दुर्व्यवहार के बाद लिया गया है।

राज्य के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए शनिवार को एक व्यापक कार्य योजना, 'सुरक्षा मित्रम' की घोषणा की। बच्ची से मिलने और उससे बातचीत करने के बाद शिवनकुट्टी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और जोर देकर कहा कि बच्चों के खिलाफ हिंसा किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने कहा, सरकार इस मुद्दे को बहुत गंभीरता से ले रही है और बच्ची के लिए सभी आवश्यक सुरक्षा और सहायता सुनिश्चित करेगी।

पीड़ित बच्चों की पहचान करने के लिए कार्य योजना तैयार

सामान्य शिक्षा विभाग द्वारा तैयार की गई विशेष कार्य योजना, दुर्व्यवहार से पीड़ित बच्चों की पहचान करने और उन्हें उचित सुरक्षा प्रदान करने पर केंद्रित है।

स्कूलों में लगेंगे हेल्प बॉक्स

इस पहल के तहत, केरल के सभी स्कूलों में एक 'हेल्प बॉक्स' लगाए जाएंगे जहां छात्र अपनी समस्याएं बता सकते हैं। इस बॉक्स की जिम्मेदारी प्रधानाध्यापक या प्रधानाध्यापिका की होगी, जिन्हें रिपोर्ट की समीक्षा करने और संबंधित जानकारी सामान्य शिक्षा विभाग को भेजने के लिए इसे सप्ताह में कम से कम एक बार खोलना होगा।

शिक्षकों को बच्चों के व्यवहार में बदलावों को देखने और किसी भी समस्या की पहचान करने के लिए विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। एक सहायक वातावरण बनाने के लिए मैत्रीपूर्ण बातचीत और सावधानीपूर्वक अवलोकन पर जोर दिया जाएगा।

हालिया मामला ऐसे आया प्रकाश में

हाल ही में दुर्व्यवहार का मामला तब सामने आया जब एक शिक्षिका ने देखा कि लड़की ने अपनी नोटबुक में अपने साथ हुए शारीरिक दुर्व्यवहार के बारे में लिखा था।

मंत्री ने कहा कि बच्चों को डायरी लिखने और जीरो पीरियड्स सेशन के माध्यम से अपनी चिंताओं को खुलकर व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। यह परियोजना महिला एवं बाल विकास, सामाजिक न्याय, स्थानीय स्वशासन, स्वास्थ्य और पुलिस विभागों के समन्वय से क्रियान्वित की जाएगी। कठिनाइयों का सामना कर रहे अभिभावकों को परामर्श प्रदान करने के लिए मौजूदा पेरेंटिंग क्लीनिकों को सुदृढ़ किया जाएगा। सरकार सुरक्षा की आवश्यकता वाले बच्चों के लिए गृहों और विशेष सुविधाओं का भी पूर्ण उपयोग करेगी।

मंत्री ने बाल सुरक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए कहा, सार्वजनिक शिक्षा निदेशक जल्द ही बच्चों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया जारी करेंगे।

गुजरात के महिला एवं बाल विकास विभाग में 10वीं-12वीं पास महिलाओं के लिए निकलीं 9895 पदों पर भर्ती

अगर आप 10वीं या 12वीं पास हैं और सरकारी नौकरी की तलाश में हैं, तो आपके लिए एक शानदार मौका है। महिला एवं बाल विकास विभाग, गुजरात ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और आंगनवाड़ी सहायिका के कुल 9895 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं।

गुजरात आंगनवाड़ी भर्ती 2025 के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार 30 अगस्त 2025 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को महिला एवं बाल विकास विभाग, गुजरात की आधिकारिक वेबसाइट e-hrms.gujarat.gov.in पर जाना होगा। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे समय रहते आवेदन प्रक्रिया पूरी कर लें और अंतिम तिथि का इंतजार न करें।

शैक्षणिक योग्यता और आयु सीमा

गुजरात आंगनवाड़ी भर्ती 2025 के तहत विभिन्न पदों के लिए अलग-अलग शैक्षणिक योग्यताएं निर्धारित की गई हैं। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पदों के लिए उम्मीदवार का 12वीं पास या समकक्ष योग्यता होना आवश्यक है। वहीं, आंगनवाड़ी सहायिका पद के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं पास या समकक्ष रखी गई है।

आयु सीमा की बात करें तो, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पदों के लिए उम्मीदवार की आयु 18 से 33 वर्ष के बीच होनी चाहिए, जबकि आंगनवाड़ी सहायिका के पद के लिए अधिकतम आयु 43 वर्ष निर्धारित की गई है। (आयु सीमा की गणना, आरक्षण और छूट से जुड़ी विस्तृत जानकारी के लिए आधिकारिक नोटिफिकेशन जरूर देखें।)

वेतनमान

गुजरात आंगनवाड़ी भर्ती 2025 के अंतर्गत चयनित उम्मीदवारों को पद के अनुसार निश्चित मासिक वेतन प्रदान किया जाएगा। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को प्रतिमाह 10,000 का वेतन मिलेगा, जबकि आंगनवाड़ी सहायिका को 5,500 प्रति माह वेतन दिया जाएगा।

चयन प्रक्रिया

चयन प्रक्रिया पूरी तरह मेरिट लिस्ट पर आधारित होगी, जिसमें उम्मीदवार की शैक्षणिक योग्यता के आधार पर अंक दिए जाएंगे। मेरिट सूची में चयनित अभ्यर्थियों को आगे चलकर दस्तावेज सत्यापन और मेडिकल परीक्षण से गुजरना होगा। अंतिम चयन इन्हीं सभी चरणों को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद किया जाएगा।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया

आधिकारिक वेबसाइट e-hrms.gujarat.gov.in पर जाएं।

होमपेज पर दिए गए भर्ती लिंक पर क्लिक करें।

पहले रजिस्ट्रेशन करें।

फिर लॉगिन करके आवेदन फॉर्म भरें।

सभी जरूरी दस्तावेज अपलोड करें।

फॉर्म चेक करें और सबमिट करें।

आवेदन का प्रिंटआउट भविष्य के लिए सुरक्षित रखें।

रेलवे में एक और बंपर भर्ती! पैरा-मैडिकल स्टाफ के मांगे जा रहे आवेदन

अगर आप स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े हैं और सरकारी नौकरी की तलाश में हैं, तो रेलवे आपके लिए एक शानदार मौका लेकर आया है। रेलवे भर्ती बोर्ड ने पैरामेडिकल कैटेगरी में कुल 434 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इच्छुक और पात्र उम्मीदवार 8 सितंबर 2025 तक आधिकारिक वेबसाइट rrbapply.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। उम्मीदवारों को आवेदन प्रक्रिया शुरू करने के लिए आधार नंबर और OTP के जरिए लॉगिन करना होगा।

कुल पद — 434

कौन कर सकता है आवेदन?

इन पदों पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों की न्यूनतम आयु पदानुसार 18, 19 और 20 वर्ष निर्धारित की गई है। वहीं, अधिकतम आयु सीमा भी पद के अनुसार अलग-अलग तय की गई है, जो कि 33, 35 और 40 वर्ष तक हो सकती है। अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे आवेदन करने से पूर्व संबंधित पद की विस्तृत पात्रता, शैक्षणिक योग्यता और आयु सीमा की जानकारी आधिकारिक नोटिफिकेशन में जरूर पढ़ लें।

चयन प्रक्रिया

उम्मीदवारों का चयन कंप्यूटर आधारित परीक्षा (CBT), डॉक्युमेंट वेरिफिकेशन और मेडिकल टेस्ट के आधार पर किया जाएगा। परीक्षा में प्रत्येक सही उत्तर के लिए 1 अंक मिलेगा जबकि गलत उत्तर पर 1/3 अंक की कटौती होगी।

ऐसे करें आवेदन

सबसे पहले रेलवे भर्ती बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट indianrailways.gov.in पर जाएं।

वेबसाइट पर जाकर उस RRB रीजन को चुनें जहां आप आवेदन करना चाहते हैं (जैसे RRB Allahabad, RRB Mumbai आदि)।

CEN No...के तहत पैरामेडिकल भर्ती 2025 का नोटिफिकेशन लिंक खोजें।

Apply Online या New Registration लिंक पर क्लिक करके अपना नाम, मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी आदि भरकर रजिस्ट्रेशन करें।

पंजीकरण के बाद मिले लॉगिन क्रेडेंशियल्स से लॉगिन करें और आवेदन फॉर्म को सावधानीपूर्वक भरें।

अपनी पासपोर्ट साइज फोटो, सिग्नेचर और आवश्यक प्रमाण पत्र निर्धारित प्रारूप और साइज में अपलोड करें।

अपनी श्रेणी के अनुसार आवेदन शुल्क ऑनलाइन माध्यम से जमा करें।

सभी विवरण की जांच करें और Final Submit बटन पर क्लिक करें।

सफलतापूर्वक आवेदन करने के बाद आवेदन फॉर्म का प्रिंट आउट अपने पास रख लें।

तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए केंद्र ने शुरू की नई योजना

केंद्र सरकार ने पिछले सप्ताह बहु-विषयक शिक्षा और अनुसंधान सुधार योजना को लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। यह योजना 275 तकनीकी संस्थानों में लागू होगी, जिनमें 175 इंजीनियरिंग कॉलेज और 100 पॉलिटेक्निक संस्थान शामिल हैं। इसकी घोषणा केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने की।

4,200 करोड़ रुपये का प्रावधान

यह केंद्र की योजना है, जिसके लिए 2025-26 से 2029-30 तक कुल 4,200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसमें से 2,100 करोड़ रुपये की बाहरी सहायता विश्व बैंक से ऋण के रूप में मिलेगी।

सरकारी बयान के अनुसार, 275 सरकारी और सरकारी-सहायता प्राप्त तकनीकी संस्थानों का चयन कर उन्हें योजना के तहत समर्थन दिया जाएगा। इसमें चुने हुए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (NITs), राज्य इंजीनियरिंग संस्थान, पॉलिटेक्निक और संबद्ध तकनीकी विश्वविद्यालय (ATUs) शामिल होंगे।

7.5 लाख छात्रों को पहुंचेगा लाभ

इसके अलावा, तकनीकी शिक्षा क्षेत्र को संभालने वाले राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के विभागों को भी MERITE योजना के तहत सहायता दी जाएगी। अनुमान है कि इस योजना से करीब 7.5 लाख छात्र लाभान्वित होंगे।

फेल हो गई ट्रंप सरकार !

अमेरिका का कर्ज $37 ट्रिलियन के पार .ब्याज चुकाने में ही निकल रहा दम

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इकॉनमी को लेकर बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं लेकिन वह देश का बढ़ता कर्ज रोकने में नाकाम रहे हैं। अमेरिका का कर्ज आधिकारिक रूप से पहली बार 37 ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंच चुका है। 4 जुलाई को वन बिग ब्यूटीफुल बिल एक्ट के लागू होने के बाद से देश का कर्ज 780 अरब डॉलर बढ़ चुका है। यानी रोजाना इसमें 22 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। अमेरिका में कर्ज का संकट दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। महामारी के बाद से अमेरिका का कर्ज 14 ट्रिलियन डॉलर बढ़ चुका है। हालत यह हो गई है कि अमेरिका को रोजाना 3 अरब डॉलर ब्याज चुकाने पर खर्च करने पड़ रहे हैं। इससे साफ है कि ट्रंप भले ही इकॉनमी को लेकर जो भी दावे करें, लेकिन देश में कर्ज की स्थिति लगातार भयावह होती जा रही है। अगर इसमें जल्दी सुधार नहीं किया गया तो सरकार के पास विकास के बाकी कामों के लिए पैसे नहीं रह जाएंगे और सारा पैसा कर्ज चुकाने में ही निकल जाएगा। पिछले हफ्ते सरकार ने 10 नीलामी के जरिए 724 अरब डॉलर के बॉन्ड बेचे।

कैसे दूर होगा कर्ज

अमेरिका ने भारत समेत कई देशों से आने वाले सामान पर जमकर टैरिफ लगाया है। भारत और ब्राजील पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया है।

ट्रंप का दावा है कि इससे इतने पैसे आएंगे कि अमेरिका फिर से अमीर बन जाएगा। ट्रंप ने मंगलवार को कहा, मैं जो कर रहा हूं उसका उद्देश्य मुख्य रूप से कर्ज चुकाना है। लेकिन मुझे लगता है कि एक संभावना यह भी है कि हम इतना पैसा ले रहे हैं कि अमेरिका के लोगों को डिविडेंड भी दे सकते हैं।

पेट्रोल-डीजल बेचने की तैयारी में अडानी!

सरकार बदल सकती है लाइसेंस नियम

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। भारत में जल्द ही पेट्रोल-डीजल का खुदरा कारोबार करने के नियम बदल सकते हैं। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय मौजूदा लाइसेंसिंग मानकों में ढील देने पर विचार कर रहा है। सरकार का मानना है कि बदलते वैश्विक ईंधन परिदृश्य और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों के बढ़ते महत्व को देखते हुए पुराने नियमों में बदलाव जरूरी है।

इसके लिए एक विशेषज्ञ समिति बनाई गई है, जो 2019 में जारी दिशा-निर्देशों की समीक्षा करेगी। समिति यह भी देखेगी कि मौजूदा मानकों से ऊर्जा सुरक्षा, कार्बन उत्सर्जन में कमी और वैकल्पिक ईंधनों को बढ़ावा देने के लक्ष्यों पर क्या असर पड़ रहा है।

इस विशेषज्ञ समिति की अध्यक्षता भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड के पूर्व निदेशक (मार्केटिंग) सुखमल जैन कर रहे हैं। अन्य सदस्यों में पेट्रोलियम नियोजन एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ के महानिदेशक पी। मनोज कुमार, फेडरेशन ऑफ इंडियन पेट्रोलियम इंडस्ट्रीज के सदस्य पीएस रवि और मंत्रालय के निदेशक (मार्केटिंग) अरुण कुमार शामिल हैं। समिति का मकसद मौजूदा नीतियों में सुधार के सुझाव देना, वैकल्पिक ईंधन व इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन देने के उपाय सुझाना और दिशा-निर्देशों के क्रियान्वयन में आ रही चुनौतियों की पहचान करना है। 2019 में सरकार ने नियमों में बदलाव कर गैर-पेट्रोलियम कंपनियों को भी खुदरा ईंधन बेचने की अनुमति दी थी, बशर्ते उनकी शुद्ध संपत्ति 250 करोड़ रुपये हो। अगर कोई कंपनी खुदरा और थोक दोनों तरह की आपूर्ति करना चाहती है, तो उसकी शुद्ध संपत्ति कम से कम 500 करोड़ रुपये होनी चाहिए.इससे पहले, ईंधन बिक्री लाइसेंस के लिए कंपनियों को ऊर्जा क्षेत्र में 2,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की प्रतिबद्धता दिखानी होती थी। पेट्रोल पंप खोलना और भी आसान हो सकता है। फिलहाल देश में 97,804 पेट्रोल पंप हैं। इनमें से सरकारी कंपनियों का दबदबा है। इंडियन ऑयल के पास 40,666, बीपीसीएल के पास 23,959 और एचपीसीएल के पास 23,901 पंप हैं। निजी क्षेत्र में रिलायंस-बीपी का संयुक्त उद्यम 1,991 पंप, नायरा एनर्जी 6,763 पंप और शेल 355 पंप संचालित करती है.भारतीय बाजार में टोटल एनर्जीज (अडानी के साथ), बीपी (रिलायंस के साथ), ट्रैफिगुरा की प्यूमा एनर्जी और सऊदी अरामको जैसी वैश्विक कंपनियां भी हिस्सेदारी लेने में रुचि दिखा चुकी हैं।

भारतवंशी ने बंद कर दी एलन मस्क की दुकान!

दिया ऐसा झटका कि जिंदगी भर रखेंगे याद, जानें आखिर क्या कर दिया ऐसा

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे अमीर शख्स और टेस्ला कंपनी के मालिक एलन मस्क को एक भारतवंशी ने तगड़ा झटका दिया है। दरअसल, एलन मस्क की कंपनी टेस्ला ने अपनी चिप बनाने वाली यूनिट डोजो को बंद कर दिया है।

इस यूनिट के हेड पीटर बैनन भी कंपनी छोड़ने वाले हैं। यह बदलाव तब आया है जब टेस्ला के लगभग 20 कर्मचारी एक नई स्टार्टअप कंपनी डेंसिटीएआई में चले गए। इस कंपनी को टेस्ला के ही पूर्व कर्मचारी गणेश वेंकटरमनन ने शुरू किया है। गणेश भारतीय मूल के हैं। टेस्ला अब चिप बनाने के लिए एनवीडिया, एएमडी और सैमसंग जैसी दूसरी कंपनियों पर निर्भर रहेगी।

क्या था डोजो का काम? डोजो टेस्ला का एक सुपरकंप्यूटर था। इसका इस्तेमाल कारों के 'ऑटोपायलट' और 'फुल सेल्फ-ड्राइविंग' सिस्टम के लिए मशीन लर्निंग मॉडल को ट्रेन करने के लिए किया जाता था। आसान भाषा में कहें तो यह कंप्यूटर कारों द्वारा रिकॉर्ड किए गए वीडियो डेटा को प्रोसेस करता था और एल्गोरिदम को बेहतर बनाता था। पहले विशेषज्ञों का मानना था कि डोजो टेस्ला को बाजार में एक बड़ी बढ़त दिला सकता है। मॉर्गन स्टेनली ने साल 2023 में अनुमान लगाया था कि यह सुपरकंप्यूटर कंपनी के मार्केट वैल्यू को 500 अरब डॉलर तक बढ़ा सकता है। एलन मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए टेस्ला में इस बदलाव की पुष्टि की। उन्होंने लिखा, 'टेस्ला के लिए अपने संसाधनों को दो अलग-अलग एआई चिप डिजाइनों पर लगाना सही नहीं है। टेस्ला एआई5, एआई6 और इसके बाद के चिप अनुमान के लिए बहुत अच्छे होंगे और ट्रेनिंग के लिए भी काफी अच्छे होंगे। सारी कोशिशें इसी पर केंद्रित हैं।' इसका मतलब है कि टेस्ला अब ऐसे चिप्स पर ध्यान देगी जो कारों में इस्तेमाल होने वाले एआई सिस्टम को बेहतर तरीके से चला सकें। टेस्ला का यह कदम ऐसे समय में आया है जब कंपनी के कई कर्मचारी डेंसिटीएआई में चले गए हैं। इस स्टार्टअप को वेंकटरमनन के साथ टेस्ला के पूर्व कर्मचारी बिल चांग और बेन फ्लोएरिंग ने मिलकर शुरू किया है। डेंसिटीएआई ऐसे चिप, हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर पर काम कर रही है जो एआई के लिए डेटा सेंटर्स को पावर देंगे। टेस्ला को पिछले कुछ समय से कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

अमेरिका में अब तक किसी भी कंपनी को नहीं मिला था यह तमगा

एनवीडिया ने रच दिया इतिहास

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। एआई चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया रोज-रोज नया इतिहास बना रही है। 4 ट्रिलियन डॉलर का मार्केट कैप छूने वाली दुनिया की पहले कंपनी बनने के बाद इस कंपनी ने एक नया रेकॉर्ड बना दिया है।

अमेरिका के एसएंडपी 500 इंडेक्स में एनवीडिया की हिस्सेदारी 8 फीसदी पहुंच गई है। अमेरिका में 1981 में इस तरह का रेकॉर्ड रखने की शुरुआत हुई थी और अब तक कोई कंपनी इस मुकाम पर नहीं पहुंच पाई थी। जिस तरह से एनवीडिया का शेयर बढ़ रहा है, उससे आने वाले दिनों में यह कंपनी कई नए रेकॉर्ड बना सकती है। एनवीडिया का मार्केट कैप 4.455 ट्रिलियन डॉलर पहुंच चुका है जो भारत की जीडीपी से अधिक है। अमेरिका के इतिहास में इससे पहले केवल एक ही कंपनी एसएंडपी 500 इंडेक्स में 7% के ऊपर पहुंच पाई थी। आईफोन बनाने वाली कंपनी ऐपल ने 2023 में यह उपलब्धि हासिल की थी। यहां तक कि 2000 के डॉट-कॉम बबल में भी किसी कंपनी ने इस तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स पर अपना दबदबा कायम नहीं किया था। 1999 में माइक्रोसॉफ्ट की और साल 2000 में जनरल इलेक्ट्रिक की एसएंडपी 500 इंडेक्स में हिस्सेदारी 4% थी। साल 1984 में आईबीएम की एसएंडपी 500 इंडेक्स में हिस्सेदारी 6% थी।

कहां तक जाएगा सिलसिला

जानकारों का कहना है कि अभी दुनिया में एआई क्रांति की शुरुआत हुई है। आने वाले दिनों में जैसे-जैसे दुनिया में एआई का यूज बढ़ेगा, वैसे-वैसे एनवीडिया और चिप बनाने वाली दूसरी कंपनियों के शेयरों में तेजी आएगी। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगले दो साल में एनवीडिया का शेयर 300 डॉलर तक जा सकता है। पिछले कुछ महीनों में ही कंपनी के शेयरों में भारी तेजी आई है। अप्रैल में इसकी कीमत 95 डॉलर के आसपास थी और आज यह 183 डॉलर के आसपास पहुंच चुकी है।

बुलेट ट्रेन लिस्ट में भारत को अभी जगह नहीं

अमेरिका की भी है हालत पतली, चीन है सरताज

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के पास दुनिया का चौथा बड़ा रेल नेटवर्क है। लेकिन देश में भी हाई-स्पीड रेल नेटवर्क की शुरुआत भी नहीं हुई है। देश में बुलेट ट्रेन का पहला कॉरिडोर मुंबई से अहमदाबाद के बीच बनाया जा रहा है। इसे शुरू होने में अभी समय लगेगा। दूसरी ओर चीन में 45,000 किमी हाई स्पीड रेल नेटवर्क तैयार हो चुका है। दूर-दूर तक कोई उसके मुकाबले में नहीं है। इंटरनेशनल यूनियन ऑफ रेलवेज के मुताबिक कम से कम 200 किमी प्रति घंटे से चलने वाली ट्रेन को हाई-स्पीड ट्रेन कहा जाता है। भारत में वंदे भारत की स्पीड 180 किमी है लेकिन इसे बहुत कम स्पीड पर चलाया जा रहा है। हाई स्पीड रेल नेटवर्क के मामले में अमेरिका भी दुनिया के कई देशों से पीछे है। चीन के बाद सबसे बड़ा हाई स्पीड रेल नेटवर्क स्पेन में है। यह यूरोपीय देश अब तक 3,966 किमी हाई स्पीड रेल नेटवर्क तैयार कर चुका है। जापान में यह 3,096 किमी है। फ्रांस (2,800 किमी), यूके (2,214 किमी), जर्मनी (1,658 किमी), फिनलैंड (1,120 किमी), इटली (1,117 किमी) और साउथ कोरिया (877 किमी) टॉप 10 हाई स्पीड रेल नेटवर्क वाले देशों में शामिल हैं। इसके बाद स्वीडन (860 किमी), ग्रीस (672 किमी), रूस (650 किमी), तुर्की (627 किमी) और पुर्तगाल (610 किमी) का नंबर है।

अमेरिका का हाल

मध्य एशियाई देश उज्बेकिस्तान में 600 किमी हाई स्पीड रेल नेटवर्क है। पोलैंड में 547 किमी, सऊदी अरब में 450 किमी, ताइवान 350 किमी, बेल्जियम 326 किमी, ऑस्ट्रिया में 283 किमी, नॉर्वे में 224 किमी, मोरक्को में 186 किमी, नीदरलैंड में 175 किमी, स्विट्जरलैंड में 164 किमी, इंडोनेशिया में 143 किमी, अमेरिका में 136 किमी, सर्बिया में 70 किमी, डेनमार्क में 60 किमी और हॉन्ग कॉन्ग में 26 किमी हाई स्पीड रेल नेटवर्क है।

टॉप 10 कंपनियों को 1.36 लाख करोड़ का घाटा, मुकेश अंबानी की रिलायंस को सबसे ज्यादा नुकसान

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। घरेलू शेयर मार्केट में पिछले हफ्ते भी गिरावट रही। बीएसई का मानक सूचकांक सेंसेक्स लगातार छठे सप्ताह गिरावट के साथ बंद हुआ। पिछले हफ्ते सेंसेक्स 742.12 अंक यानी 0.92% गिरा जबकि निफ्टी में 202.05 अंक यानी 0.82% प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इससे देश की शीर्ष 10 मूल्यवान कंपनियों में से छह के मार्केट कैप में 1.36 लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आई। इसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे बड़ा झटका लगा। रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ-साथ एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस और हिंदुस्तान यूनिलीवर जैसी दिग्गज कंपनियों के बाजार मूल्य में गिरावट दर्ज की गई। हालांकि टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज , भारतीय स्टेट बैंक , भारतीय जीवन बीमा निगम और बजाज फाइनेंस को इस दौरान लाभ हुआ। सबसे अधिक गिरावट रिलायंस इंडस्ट्रीज को झेलनी पड़ी। कंपनी का मार्केट कैप 34,710.8 करोड़ रुपये घटकर 18,51,174.59 करोड़ रुपये रह गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 29,722.04 करोड़ रुपये घटकर 15,14,303.58 करोड़ रुपये रह गया।

किन कंपनियों को हुआ फायदा

आईसीआईसीआई बैंक का पूंजीकरण भी 24,719.45 करोड़ रुपये घटकर 10,25,495.69 करोड़ रुपये और इन्फोसिस का 19,504.31 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 5,91,423.02 करोड़ रुपये रह गया। इस अवधि में भारती एयरटेल का पूंजीकरण 15,053.55 करोड़ रुपये घटकर 10,59,850.32 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर का पूंजीकरण 12,441.09 करोड़ रुपये घटकर 5,87,021.88 करोड़ रुपये पर आ गया। दूसरी तरफ, एलआईसी की बाजार हैसियत 17,678.37 करोड़ रुपये बढ़कर 5,77,187.67 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। इस दौरान टीसीएस का मूल्यांकन 11,360.8 करोड़ रुपये बढ़कर 10,97,908.66 करोड़ रुपये, एसबीआई का 9,784.46 करोड़ रुपये बढ़कर 7,42,649.34 करोड़ रुपये और बजाज फाइनेंस का 186.43 करोड़ रुपये बढ़कर 5,45,148.52 करोड़ रुपये हो गया। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही। इसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एलआईसी और बजाज फाइनेंस का स्थान रहा।

तेल-मांस ने बढ़ाया थाली का बोझ, जुलाई में वैश्विक खाद्य कीमतें 1.6% बढ़ीं; भारत में भी असर के संकेत

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। जुलाई 2025 में आम लोगों की थाली एक बार फिर महंगी हो गई। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक वैश्विक खाद्य मूल्य सूचकांक में 1.6% की वृद्धि दर्ज की गई, जिसका मुख्य कारण वनस्पति तेल और मांस की कीमतों में रिकॉर्ड बढ़ोतरी रही। राहत की बात यह रही कि अनाज, डेयरी और चीनी की कीमतों में गिरावट से बढ़ते दामों का दबाव कुछ हद तक कम हुआ, लेकिन रिपोर्ट चेतावनी देती है कि वैश्विक खाद्य बाजार अब भी अस्थिर है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि इसका सीधा असर भारत की उपभोक्ता महंगाई (सीपीआई) और घरेलू थाली की लागत पर पड़ सकता है। एफएओ के अनुसार जुलाई में वनस्पति तेल मूल्य सूचकांक 7.1% उछलकर 166.8 अंकों पर पहुंच गया, जो पिछले तीन वर्षों का उच्चतम स्तर है। पाम, सोया और सूरजमुखी तेल की बढ़ती कीमतों ने इस उछाल को गति दी। पाम तेल की कीमत लगातार दूसरे महीने बढ़ी, जबकि बायोफ्यूल सेक्टर की मांग ने सोया तेल को महंगा किया। मांस मूल्य सूचकांक भी 1.2% की वृद्धि के साथ 127.3 अंकों पर पहुंच गया जो अब तक का सर्वाधिक स्तर है। डेयरी मूल्य सूचकांक 0.1% घटकर 155.3 अंक पर आ गया। ओशिनिया में बढ़ते उत्पादन और भरे स्टॉक के कारण मक्खन और मिल्क पाउडर सस्ते हुए। हालांकि, एशिया और पश्चिम एशिया में मजबूत मांग और यूरोप से कम निर्यात की वजह से पनीर के दाम बढ़े। चीनी मूल्य सूचकांक 0.2% घटकर 103.3 अंक पर रहा। भारत, थाईलैंड और ब्राजील में बेहतर मौसम के कारण उत्पादन बढ़ने की उम्मीदें कीमतों को नीचे ला रही हैं।

1.2 करोड़ बन गए 7,802 करोड़, एसबीआई और आईडीबीआई बैंक को 650 गुना रिटर्न

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड के शेयर बाजार में आने के बाद से ही धूम मची हुई है। शेयर बाजार में गिरावट के बावजूद इसके शेयरों में तेजी आई है। लिस्टिंग के बाद पहले तीन दिनों में ही इसके शेयरों में 62.5% की जबरदस्त उछाल आई है। इससे शुरुआती निवेशकों को बहुत फायदा हुआ है। एसबीआई, आईडीबीआई बैंक और एसयूयूटीआई जैसे निवेशकों को तो लॉटरी लग गई है। उनके निवेश में 650 गुना तक का मुनाफा हुआ है। एनएसडीएल के शेयर का इश्यू प्राइस 800 रुपये था लेकिन शेयर बाजार में आते ही इसने सबको चौंका दिया। केवल तीन दिनों में ही शेयर की कीमत 1,300.30 रुपये तक पहुंच गई। इससे देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक एसबीआई को सबसे ज्यादा फायदा हुआ है। एसबीआई ने एनएसडीएल के शेयर औसतन 2 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से खरीदे थे। उसके पास 60 लाख शेयर यानी करीब 3% हिस्सेदारी हैं। इस हिसाब से एसबीआई का 1.20 करोड़ रुपये का निवेश अब 7,801.80 करोड़ रुपये का हो गया है। यानी उसे 7,800.60 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है। यह रिटर्न 6,50,050% है। इसी तरह एक और सरकारी बैंक आईडीबीआई बैंक को भी काफी फायदा हुआ है। बिकने जा रहे इस बैंक को इस पर 650 गुना रिटर्न मिला है। इस बैंक के पास एनएसडीएल के 2.998 करोड़ शेयर यानी 14.99% हिस्सेदारी है। बैंक ने ये शेयर 2 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से 5.996 करोड़ रुपये में खरीदे थे। भारतीय यूनिट ट्रस्ट का निर्दिष्ट उपक्रम (एसयूयूटीआई) को भी इस कंपनी में निवेश पर 650 गुना रिटर्न मिला है। एसयूयूटीआई के पास एनएसडीएल के 1.0245 करोड़ शेयर (5.12% हिस्सेदारी) हैं। उसने ये शेयर 2 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से 2.049 करोड़ रुपये में खरीदे थे। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने भी एनएसडीएल में अच्छा मुनाफा कमाया है। एनएसई ने एनएसडीएल के शेयर औसतन 12.28 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से खरीदे थे। एनएसई ने आईपीओ में अपनी 9% हिस्सेदारी बेच दी थी। उसके पास अब भी 15% हिस्सेदारी है। एनएनसई के पास अब भी 2.9999 करोड़ शेयर हैं। इन शेयरों को खरीदने में एनएसई ने 36.84 करोड़ रुपये लगाए थे। इनकी कीमत अब 3,900.90 करोड़ रुपये हो गई है। इस तरह एनएसई को 3,864.06 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है। यह रिटर्न 10,488.76% है। एचडीएफसी बैंक ने एनएसडीएल के शेयर औसतन 108.29 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से खरीदे थे। उसके पास 1.38995 करोड़ शेयर (6.95% हिस्सेदारी) हैं। इस हिसाब से एचडीएफसी बैंक का 150.54 करोड़ रुपये का निवेश अब 1,657.54 करोड़ रुपये का हो गया है। इस तरह बैंक को 1,101.14% रिटर्न मिला है। सरकारी बैंक यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया भी इस मुनाफे में पीछे नहीं रहा। बैंक के पास एनएसडीएल के 51.25 लाख शेयर (2.56% हिस्सेदारी) हैं। उसने ये शेयर 5.20 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से खरीदे थे। इस हिसाब से बैंक का 2.665 करोड़ रुपये का निवेश अब 666.90 करोड़ रुपये का हो गया है।

1 लाख के 11 लाख रुपये बनाने वाले शेयर में फिर आने लगी तेजी, 3 महीने में ही दिखा दिया रंग, क्या फिर करेगा पैसों की बारिश?

नई दिल्लीः सुजलॉन एनर्जी के शेयर में फिर से तेजी आने लगी है। यह शेयर डेढ़ साल में एक लाख रुपये के निवेश को 11 लाख रुपये में बदल चुका है।

पिछले कुछ महीनों से इसमें गिरावट आ रही थी। लेकिन अब आ रही तेजी से लगाने लगा है कि यह शेयर फिर से निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दे सकता है। सुजलॉन एनर्जी का शेयर पिछले तीन महीनों में करीब 19% चढ़ चुका है। इसकी वजह है कंपनी को लगातार मिल रहे ऑर्डर और बेहतर होते वित्तीय नतीजे। हालांकि, पिछले एक महीने में 4.7% और पिछले एक हफ्ते में 4% की गिरावट आई है। इससे सवाल उठ रहे हैं कि क्या शेयर की तेजी रुक रही है या सिर्फ एक ब्रेक ले रही है। शुक्रवार को यह शेयर 1.59% की गिरावट के साथ 63.18 रुपये पर बंद हुआ था।इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार विश्लेषकों का कहना है कि छोटी अवधि के दबाव के बावजूद, शेयर की तकनीकी संरचना अभी भी मजबूत है। कुछ विश्लेषक तो 86.50 रुपये तक के लक्ष्य की उम्मीद कर रहे हैं। यानी यह शेयर आने वाले दिनों में 86 रुपये के पार जा सकता है। बोनांजा के टेक्निकल रिसर्च एनालिस्ट ड्रमिल विठलानी ने कहा कि अभी जो कीमत में उतार-चढ़ाव दिख रहा है, वह एक तेजी के मध्यम अवधि के सेटअप के भीतर समेकन को दर्शाता है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082

शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- वर्षा

महावीर निर्वाण संवत् -2551

कलियुग अवधि-432000

भोग्य कलि वर्ष-426874

कलियुग संवत् -5126 वर्ष,

कल्पारंभ संवत् -1972949126

सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

सूर्योदय- 06-01 सूर्यास्त- 18-40

दिशाशूल- पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले

तिथि- द्वितीया 10-33 तक उपरान्त तृतीया

मास- भाद्रपद कृष्ण ,सोमवार 11 August

नक्षत्र- शतभिषा 13-00 तक उपरान्त पूर्वाभाद्रपद

योग - अतिगण्ड 21-33 तक सुकर्मा

करण- गर 10-33 तक उप वणिज

विशेष:- व्रत -त्योहार कज्जली तीज

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क	कर्क	04-14 बजे
चन्द्र	कुंभ	सिंह	06-26 बजे
मंगल	कन्या	कन्या	08-33 बजे
बुध	कर्क	तुला	10-38 बजे
गुरु	मिथुन	वृश्चिक	12-48 बजे
शुक्र	मिथुन	धनु	15-01 बजे
शनि	मीन	मकर	17-08 बजे
राहु	कुंभ	कुंभ	18-58 बजे
केतु	सिंह	मीन	20-36 बजे
		मेष	22-13 बजे
		वृष	23-57 बजे
		मिथुन	01-57 बजे

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 07-35 से 09-10 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
अमृत 06-01 - 07-35 शुभ	चंचल 18-40 - 20-08 शुभ
काल 07-35 - 09-10 अशुभ	रोग 20-08 - 21-32 अशुभ
शुभ 09-10 - 10-46 शुभ	काल 21-32 - 22-57 अशुभ
रोग 10-46 - 12-21 अशुभ	लाभ 22-57 - 00-21 शुभ
उत्पात 12-21 - 13-57 अशुभ	उत्पात 00-21 - 01-46 अशुभ
चंचल 13-57 - 15-32 शुभ	शुभ 01-46 - 03-10 शुभ
लाभ 15-32 - 17-08 शुभ	अमृत 03-10 - 04-35 शुभ
अमृत 17-08 - 18-40 शुभ	चंचल 04-35 - 06-01 शुभ

आपका राशिफल

चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ, — आप आज सकारात्मक उर्जा से भरे हुए हैं । हालाँकि आपका उद्देश्य अच्छा है परन्तु आपकी बातों का हर स्थान पर स्वागत नही होगा । आपको अपनी प्रवृति का उपयोग अपने आप को ख़ुशी देने के लिए भी करना चाहिए और आज आप अपने ऊपर अच्छी खासी रकम खर्च कर सकते हैं । जहां तक दूसरों के बारे में आपकी राय का सवाल है।

ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो, — आज आपको ईमानदारी से काम लेना है। आज का दिन अपने काम की बारीकियों पर ध्यान देने और उन महत्वपूर्ण कामों को पूरे कर लेने के लिए भी बहुत अच्छा है जिन्हें आप कुछ समय से टाल रहे हो । आप इन नीरस रूटीन कामों को पूरा करने में आलस कर रहे हैं लेकिन एक बार आप इन्हें शुरू कर दें तो बहुत जल्दी पूरा भी कर लेंगे ।

का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह, — आज का दिन अलग अलग तरह के विचारों और दुनियाभर के नए पैदा हो रहे अवसरों के चलते थोडा सा उलझाने वाला रहेगा । विभिन्न शक्तियां आपको अपनी तरफ खीचेंगी । अधिक सोचने और हर किसी को खुश करने की कोशिश न करें । इसके स्थान पर,अपने मन की ही सुनें.आपके लिए सर्वोत्तम होगा ।

ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो, — आपको कुछ घटनाओं की तह तक जाना पड़ेगा । वर्तमान की कुछ घटनाओं के लिए वही पुराने कारण जिम्मेदार हैं । इससे आपकी इज्जत को काफी ठेस पहुंची है । आपको काफी आरक्षित और सावधान रहने की जरूरत है क्योकि कुछ लोग आपके रास्ते में बाधा बनने की कोशिश कर सकते हैं ।

मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे, — आपको थोडा सा अधिक लचीला रुख अपनाना चाहिए ,लेकिन आज आप ना तो कोई अच्छी सलाह और ना ही अपने मन की आवाज सुनना चाहते हैं । आपका यह अड़ियल रवैया आपके लिये घर और कार्यस्थल दोनों ही जगह पर आपके लिए नुक्सान का कारण बनेगा । इसका एक ही समाधान है कि आप अपना दिमाग खुला रखें और दूसरों की भी बातें सुनें ।

टो पा पी पू ष ण ठ पे पो — आज आप पूरा दिन थोड़े से भावुक रहेंगे । आप जो भी करेंगे पूरे मन से करेंगे और इसीलिए आपको सफलता जरुर मिलेगी। आप पिछले कुछ समय से किसी महत्वपूर्ण मुद्दे को टाल रहें हैं लेकिन आज इस मुद्दे को प्राथमिकता के आधार पर रखकर सुलझाने के लिए बहुत अच्छा दिन है ।

रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते, — अगर किसी के साथ इन दिनों आपके सम्बन्ध सही नही हैं तो आज उनसे इस बारे में बात कर सकते हैं । उनकी भी बात ध्यानपूर्वक सुनें । सामने वाले को ना तो इतनी छूट दें की आपको रोंदकर आगे बढ़ जाए,ना ही बहुत रुखा व्यवहार करना ठीक होगा । ऑफिस में आज किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात सम्भव है,सतर्क और सक्रिय रहें ।

तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू, — आज दिनभर आपका मूड बदलता रहेगा लेकिन आपका भाग्य आपके साथ है ,इसका एक नुक्सान यह है कि आप भाग्य के भरोसे पर अधिक रह सकते हैं । इस बात का ध्यान रखें कि इसके कारण परियोजनाओं की तैयारी में कोई कमी ना रहे । वित्तीय फायदे तो होंगे किन्तु अनावश्यक खर्च ना करें । वित्तीय लाभ का यह सिलसिला अधिक समय तक नही चलेगा ।

ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे — आज के दिन आप अपने आसपास सभी को अपनी सोच और किसी भी स्थिति को सही समझने की योग्यता से प्रभावित करेंगे । अपने कार्यस्थल की किसी बड़ी समस्या या किसी दोस्त की परेशानी का बहुत रचनात्मक सा हल निकलकर छा जायेंगे । आपके लिए रोमांचक समय है । आपको किसी का ध्यान अपनी और खीचने की जरुरत नही है।

भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी — दिन की शुरुआत उलझन से होगी । आज कोई आध्यात्मिक प्रवृति वाला व्यक्ति आपके बचाव में आयेगा,आपका मार्गदर्शन करेगा । आप उसकी नेक सलाह मान सकते हैं । आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं । दोपहर बाद दिन अच्छा गुजरेगा,दोस्तों के साथ समय बीतेगा ।

गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा, — आप सृजनात्मक ऊर्जा से भरपूर हैं ,अपनी कल्पनाशक्ति का उपयोग करें । इससे आपको ख़ुशी और सौभाग्य दोनों मिलेंगे । दिल की ना सुनें ,अपने दिमाग की सुनें । तर्कशक्ति से काम लें । अपनी ऊर्जा को सही जगह पर लगायें । निवेश के लिए अच्छा दिन है ।अधिक सावधानी की बजाय अपने आप को थोडा ढीला छोड़ दें,राहत मिलेगी ।

दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची — कार्यस्थल पर कोई आपके खिलाफ चुपचाप काम कर रहा है लेकिन आज आपको इस बात का पक्का सबूत मिलने वाला है कि वह कौन है। लेकिन अभी इस आदमी से ना उलझें ,आपको केवल यह पता चल जाने से भी काफी मदद मिलेगी कि आपके खिलाफ कौन काम कर रहा है और आप अपने दुश्मनों को अपने रास्ते से हटाने में कामयाब रहेंगे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

मंत्री जोगाराम पटेल ने कांग्रेस पर बोला तीखा हमला

अशोक गहलोत को लेकर दिया बड़ा बयान

जोधपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार के मंत्री जोगाराम पटेल ने रविवार को कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। साथ ही पूर्व सीएम अशोक गहलोत को लेकर भी बड़ा बयान दिया। मंत्री पटेल ने कहा कि अशोक गहलोत को खुद की पार्टी में ही किनारे कर दिया गया है। फिर भी वो सुर्खियों में बने रहने के लिए चुनाव आयोग और बीजेपी पर गंभीर आरोप लगा रहे है।

बता दें कि राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जयपुर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठाए थे। गहलोत ने राहुल गांधी द्वारा चुनाव आयोग पर लगाए गए आरोपों का समर्थन करते हुए बीजेपी और आरएसएस पर भी निशाना साधा था।

जोधपुर में मीडिया से चर्चा के दौरान मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि कांग्रेस को पक्का अनुमान हो गया है कि बिहार चुनाव में उनको राज नहीं मिलने वाला है। बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत से भाजपा नीत गठबंधन की सरकार बन रही है। जिस-जिस राज्य में कांग्रेस चुनाव जीतती है, वहां कोई आरोप नहीं लगाते हैं। लेकिन, जहां पर कांग्रेस हारती है, वहां पर हार का ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ती है और चुनाव आयोग पर धांधली के आरोप लगाते है।

कांग्रेस के फर्जीवाड़े हो रहे उजागर

मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि चुनाव आयोग संवैधानिक संस्था है और संविधान के तहत कार्य करती है। विशेष निगरानी रखना और सर्वे करना ये चुनाव आयोग का काम है। अगर आप 20 लाख मतदाताओं के नाम नहीं हटाओ। 22—23 लाख ऐसे मतदाताओं के नाम जोड़ दो, जिनका कोई अता-पता ही नहीं है।

ऐसे में संदेश उत्पन्न होता है कि मतदाता लिस्ट में अनाधिकृत लोगों के नाम है। किसी भी वास्तविक मतदाना ने नहीं कहा है कि मेरा नाम वोटर लिस्ट से हटा दिया है। लेकिन, कांग्रेस पार्टी के पेट में मरोड़े इसलिए हो रहे हैं कि उनके फर्जीवाड़े उजागर हो रहे है। राहुल गांधी ने जिस तरह की बात कहीं, वो उनकी अज्ञानता को प्रदर्शित करता है। अपनी हार की बौखलाहट को मिटाने के लिए आरोप लगाना ठीक नहीं है।

मंत्री जोगाराम पटेल का गहलोत पर तीखा पलटवार

अशोक गहलोत पर पलटवार करते हुए मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि वे तो आज तक एक ही परिवार की पूजा कर रहे हैं। राहुल गांधी के बयान को सही साबित करने के लिए गहलोत ने चुनाव आयोग और बीजेपी पर जो आरोप लगाए हैं, उसका वास्तविकता से कोई लेना-देना नहीं है। अगर इनके पास कोई सबूत है तो न्यायालय में पेश करें। गहलोत जानबूझकर सुर्खियों में रहने के लिए ऐसे आरोप लगाते है।

गहलोत को खुद की पार्टी में ही किनारे कर दिया

मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि अशोक गहलोत को खुद की पार्टी में ही किनारे कर दिया गया है। जयपुर में छात्रसंघ को लेकर जो आंदोलन हुआ, उसमें उन्हें आमंत्रित ही नहीं किया गया। वे आए भी नहीं। ऐसी स्थिति में साफ है कि वे अपनी पार्टी में धीरे-धीरे किनारे हो रहे है। सिर्फ एक परिवार की हाजिरी और सुर्खियों में रहने के लिए ऐसा बयान दिया, जिसका वास्तविकता से कोई लेना-देना नहीं है।

पेपर लीक मामले पर दिया ये बयान

पेपर लीक के मुद्दे पर मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि पेपर लीक में जो भी शामिल रहे हैं, वे पकड़े जा रहे है। गहलोत के पीएसओ की गिरफ्तारी पर मंत्री ने कहा कि उनके साथ काम करने वाला एक अधिकारी पेपर लीक मामले में पकड़ा जाएं, इससे ज्यादा शर्मनाक की बात कुछ नहीं हो सकती है। पता नहीं गहलोत के इर्द—गिर्द ऐसे कितने लोग थे, जो मिनी सीएम बनकर फिर रहे थे। उनमें से जो भी दोषी होंगे, वे सभी पकड़े जाएंगे।

भाजपा कार्यकर्ता संगठन के लिए काम करें

व्यक्तिगत नेता के लिए नहीं'; राठौड़ की क्या तैयारी

जयपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान भाजपा में नई प्रदेश कार्यकारिणी के गठन का इंतजार अब लगभग खत्म होने वाला है। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ इस बार ऐसी टीम बनाने पर फोकस कर रहे हैं जो न केवल मजबूत हो बल्कि विवादों से भी दूर रहे। इसके लिए वे पिछले एक साल में सभी गुटों के नेताओं, पूर्व प्रदेश अध्यक्षों, सांसदों, मंत्रियों और वरिष्ठ नेताओं से व्यक्तिगत मुलाकात कर उनके सुझाव ले चुके हैं।

राठौड़ का स्पष्ट संदेश है कि भाजपा कार्यकर्ता संगठन के लिए काम करे, किसी व्यक्तिगत नेता के लिए नहीं। उनकी प्राथमिकता सत्ता और संगठन का संतुलन साधना है, जिसके तहत मौजूदा मंत्रियों को भी संगठन में और सक्रिय नेताओं को सरकार में जगह दी जा सकती है। इससे मंत्रिमंडल फेरबदल के संकेत भी मिल रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, उपाध्यक्ष पद पर नाहर सिंह जोधा, ज्योति मिर्धा, अनिता कटारा, विजेंद्र पूनिया और हरिराम रिणवा के नाम संभावित हैं। महा मंत्री पद पर श्रवण सिंह बगड़ी, मिथलेश गौतम, भूपेंद्र सैनी और अर्चना मीणा के नाम चर्चा में हैं, जबकि मंत्री पद के लिए आईदान सिंह भाटी, एकता अग्रवाल और नीलम गुर्जर का नाम सामने आया है।

राठौड़ फरवरी 2028 तक अपने कार्यकाल में बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने, युवा और महिला नेताओं की भागीदारी बढ़ाने और आदिवासी-दलित समुदाय को जोड़ने पर जोर देंगे। यह नई टीम न केवल आंतरिक संरचना को सुदृढ़ करेगी, बल्कि आने वाले उपचुनावों और निकाय चुनावों में भाजपा के मनोबल को भी बढ़ाएगी।

'गहलोत के पीएसओ की गिरफ्तारी के बाद हो गई पुष्टि'

मंत्री किरोड़ी लाल बोले- 'पूर्ववर्ती सरकार के संरक्षण में हुए पेपर लीक'

जयपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में SI भर्ती परीक्षा में धांधली को लेकर एसओजी ने पूर्व सीएम अशोक गहलोत के सुरक्षाकर्मी राजकुमार यादव व उनके बेटे भरत यादव को गिरफ्तार कर तीन दिन के रिमांड पर लिया है। जिसके बाद प्रदेश की सियायत में उबाल आ गया है। मंत्री किरोड़ी लाल मीना ने पूर्ववर्ती गहलोत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि 'मैंने कई बार दोहराया था कि पूर्ववर्ती सरकार के संरक्षण में नकल माफिया ने पेपर लीक किए।'

किरोड़ी लाल मीना ने X पर पोस्ट कर लिखा कि 'आज SI भर्ती में SOG की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पीएसओ राजकुमार यादव और उनके बेटे भरत यादव की गिरफ्तारी से इसकी पुष्टि हो गई है। यदि गहलोत सरकार की नकल माफिया के साथ सांठगांठ नहीं होती तो युवाओं के साथ इतना बड़ा अन्याय नहीं होता।'

गिरफ्तारी ने खड़े किए गंभीर सवाल- मदन राठौड़

वहीं, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि 'राजस्थान में 2021 की सब-इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा पेपर लीक प्रकरण केवल

कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि लाखों मेहनती युवाओं के सपनों पर चोट है। इस घोटाले में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) हेड कांस्टेबल राजकुमार यादव और उनके बेटे भरत यादव की गिरफ्तारी ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं।'

कानून अपना काम करे- गहलोत

इस मामले को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने X पर पोस्ट कर लिखा कि 'मीडिया के माध्यम से जानकारी में आया है कि मेरी सुरक्षा में तैनात जयपुर पुलिस लाइन के एक हेड कांस्टेबल एवं उनके पुत्र को SOG ने हिरासत में लिया है। किसी भी व्यक्ति की अपराध में कोई संलिप्तता हो तो कानून अपना काम करे। मुझे आशा है कि SOG बिना किसी दबाव के इस मामले की जांच कर एक तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचेगी।'

'परीक्षा पूर्व पढ़वाया पेपर'- एसओजी

एसओजी के अतिरिक्त महानिदेशक वी. के. सिंह ने बताया कि उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा 2021 पेपर लीक प्रकरण में गिरफ्तारशुदा प्रोबेशनर उप निरीक्षक सत्येन्द्र सिंह यादव से पूछताछ के दौरान पुलिस आयुक्तालय जयपुर में तैनात हैड कांस्टेबल राजकुमार यादव का नाम सामने आया। उन्होंने बताया कि उप निरीक्षक परीक्षा का पेपर परीक्षा से पूर्व प्राप्त करने एवं राजकुमार यादव द्वारा अपने पुत्र भरत यादव एवं परिचित रविन्द्र सैनी को भी लिखित परीक्षा पूर्व उक्त लीक प्रश्नोत्तर सैट पढ़ाने के तथ्य पाये गए।

फिर हिली धरती, बीकानेर के बाद अब माउंट आबू में भूकंप के तेज झटके

30 दिन में तीसरा झटका

माउंट आबू, 10 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में भूकंप के झटके लगातार महसूस किए जा रहे हैं। सिरोही जिले में 9:03 बजे तेज कंपन हुआ, जिससे लोग दहशत में घरों से बाहर निकल आए। माउंट आबू और आसपास के इलाकों में भी झटके महसूस हुए। इससे पहले प्रतापगढ़ में भी भूकंप आया था।

राजस्थान में एक बार फिर धरती ने करवट ली है। दो दिन पहले प्रतापगढ़ जिले में धरती हिली थी सिरोही जिले में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। देखते ही देखते दहशत में लोग घरों से बाहर भागने लगे। माउंट आबू, गिरवर, आकराभट्टा और मानपुर समेत कई इलाकों में यह कंपन महसूस हुआ।

ब्रह्माकुमारीज संस्थान में हिलता पंखा, लोग दहशत में बाहर निकले

आबूरोड स्थित ब्रह्माकुमारीज संस्थान में मौजूद अनुयायी भूपेंद्र भाई ने बताया, करीब 9 बजकर 4 मिनट हो रहे थे, अचानक पूरी बिल्डिंग जोर से हिलने लगी। पंखे तक झूलने लगे। हम सब फौरन

बाहर निकल आए। गनीमत रही कि यह झटका कुछ सेकेंड ही रहा, नहीं तो हालात बिगड़ सकते थे। संस्थान के पीआरओ के कमरे में लगे पंखे का हिलना कैमरे में कैद हो गया, जो सोशल मीडिया पर अब चर्चा का विषय है।

एसडीएम ने टीम को अलर्ट पर रखा

माउंट आबू एसडीएम डॉ. अंशु प्रिया ने बताया कि झटकों के बाद आपदा राहत टीम को पूरी तरह अलर्ट मोड पर रखा गया है। अभी तक किसी जनहानि या संपत्ति के नुकसान की सूचना नहीं है।

दो दिन पहले प्रतापगढ़ में भी हिली थी धरती

गौरतलब है कि सिरोही से पहले 7 अगस्त को प्रतापगढ़ में भी सुबह 10:07 बजे भूकंप के झटके महसूस हुए थे। रिक्टर स्केल पर तीव्रता 3.9 दर्ज हुई थी। केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर भीतर था। उस समय भी लोग दहशत में घरों और दुकानों से बाहर निकल आए थे।

30 दिन में तीसरा झटका

यह पिछले 30 दिनों में राजस्थान में तीसरी बार धरती के हिलने का मामला है। इससे पहले जयपुर, सीकर और झुंझुनूं समेत एनसीआर के कई इलाकों में झटके महसूस हुए थे, जिनका केंद्र हरियाणा के झज्जर में था। उस समय तीव्रता 4.4 रही थी।

बीकानेर भी नहीं बचा

करीब 5 महीने पहले बीकानेर के जसरासर इलाके में 3.6 तीव्रता का भूकंप दर्ज हुआ था। भले ही झटका कुछ सेकेंड का था, लेकिन एक बात साफ है—धरती का यह बार-बार हिलना राजस्थान के लिए चेतावनी हो सकता है।

तालाब में डूबने से दो दोस्तों की मौत

बहनें करती रही इंतजार, गांव में पसरा मातम

राजसमंद, 10 अगस्त (एजेंसियां)। जहां एक ओर रक्षाबंधन पर्व हर्ष उल्लास से मनाया जा रहा था। सभी बहनें भाइयों की कलाइयों पर रेशम का धागा बांधकर उनके दीर्घायु होने की कामना कर रही थीं। वहीं, दूसरी ओर मियाला गांव में दो पड़ोसी दोस्त गांव के ही तालाब में नहाने के दौरान डूब गए, जिससे दोनों की मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसर गया।

थानाधिकारी अनिल कुमार बिश्नोई ने बताया कि प्रार्थी मियाला निवासी मांगीलाल पुत्र मीठालाल भांड ने रिपोर्ट दर्ज करवाई। इसमें बताया कि उसका भतीजा विशाल (16) पुत्र किशनलाल भांड एवं उसके पड़ोस में रहने वाला उसका दोस्त श्रवणसिंह (13) पुत्र लाडूसिंह दोपहर में बकरियां चराने गए थे। इस दौरान उमस के चलते दोनों रामदेव सागर तालाब में नहाने उतरे। पैर फिसलने से दोनों पानी में डूब गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के सहयोग से तालाब में दोनों की तलाश शुरू की। इस दौरान मौके पर ग्रामीणों की भीड़ एकत्रित हो गई। काफी प्रयास के बाद दोनों को तालाब से निकाल कर देवगढ़ अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। परिजनों और ग्रामीणों की मौजूदगी में दोनों का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिए।

रक्षाबंधन पर्व पर एक भाई अपनी बहनो से हमेशा के लिए दूर हो गया। नदी दरवाो स्थित रेणुका नदी के पुल के पास एक युवक की नदी में डूबने से मौत हो गई। पुलिस कर्मियों व गोताखोरों ने ग्रामीणों के सहयोग से रेस्क्यू कर डूबे युवक को बाहर निकाला।

नागौर जिले में खौफनाक वारदात

पेट्रोल डालकर महिला को जिंदा जलाया, गंभीर हालत में जोधपुर रेफर

नागौर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के नागौर जिले में आज तड़के घर में सो रही महिला को पेट्रोल डालकर जिंदा जलाने का मामला सामने आया है। महिला को उपचार के लिए नागौर के जेएलएन अस्पताल ले जाया गया। जहां से महिला को गंभीर हालत में जोधपुर रेफर किया गया है।

जायल तहसील के सोनेली गांव में महिला को पेट्रोल डालकर जलाने का मामला सामने आने के बाद हड़कंप मच गया है। वहीं, परिजनों ने अपने रिश्तेदारों पर जलाने का आरोप लगाया है।

परिजनों बताया कि वे रात को अपने घर में सो रहे थे। तभी देर रात कुछ लोग आए और महिला भंवरी देवी का मुंह बंद कर उठा ले गए। घर से दूर ले जाकर उस पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी और मौके से भाग छूटे।

चीख पुकार सुनकर बचाने के लिए दौड़े परिजन

महिला के चिल्लाने की आवाज सुनकर परिजन बचाने के लिए दौड़े। लेकिन तब तक भंवरी देवी का आधे से ज्यादा शरीर जल गया। रात को उसे गंभीर हालत में नजदीकी डेह हॉस्पिटल लेकर गए, जहां स्थिति गंभीर होने पर नागौर जेएलएन अस्पताल लाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद भंवरीदेवी को जोधपुर रेफर कर दिया।

भरतपुर जिले जिले में 3 घंटे तक झमाझम

घरों व दुकानों में घुसा बारिश का पानी; नदी-नाले भी उफने

कोटा, 10 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा सहित कई जिलों में आज सुबह से ही मौसम का मिजाज बदला हुआ है। कोटा जिले के सांगोद क्षेत्र में रविवार सुबह तीन घंटे तक जोरदार बारिश हुई। भारी बारिश के चलते सड़कें दरिया बन गई और बारिश का पानी घरों व दुकानों में घुस गया।

मौसम विभाग ने कोटा सहित 9 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। कोटा जिले के सांगोद क्षेत्र में आज सुबह अचानक मौसम का मिजाज बदला और तेज मेघगर्जन के साथ बारिश का दौर शुरू हुआ।

करीब 3 घंटे तक हुई झमाझम बारिश से क्षेत्र के नदी नाले उफान पर आ गए। वहीं, सड़कों पर बारिश का पानी भर जाने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। निचले इलाकों में बने मकानों में पानी भर जाने से अफरा तफरी मच गई।

सांगोद इलाके में सुबह करीब 3 घंटे तक तेज बारिश हुई। भारी बारिश के चलते हरिपुरा गांव जलमग्न हो गया। वहीं, सांगोद क्षेत्र में उजाड़ नदी में तेज उफान है, जिससे निचले इलाकों लोगों को परेशानी हो रही है। क्षेत्र में एक ही दिन में अब तक करीब 4 इंच से अधिक बारिश हो चुकी है।

भरतपुर जिले के नगर में सर्वाधिक बारिश 35 मिमी दर्ज की गई। राजधानी जयपुर, अलवर, भरतपुर, करौली, कोटा और डूंगरपुर के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। वहीं, कोटा जिले के अयाना में शाम 5 बजे बाद बादल छाने के साथ तेज हवाओं के बीच करीब आधे घंटे झमाझम बारिश हुई, जिससे सड़कों पर पानी भर गया।

मौसम विभाग ने प्रदेश के 9 जिलों में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम केंद्र जयपुर के मुताबिक आज अलवर, भरतपुर, करौली, धौलपुर, दौसा, सवाई माधोपुर, कोटा, बारां और झालावाड़ में बारिश की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार पूर्वी राजस्थान में अगले एक सप्ताह बारिश कम रहने की संभावना है, हालांकि 15 अगस्त तक भरतपुर, उदयपुर, अजमेर, जयपुर व कोटा संभाग में हल्की से मध्यम बरसात हो सकती है। भरतपुर संभाग में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

घर लौट रहे व्यापारी के साथ लूट

कार सवार बदमाशों ने मारी गोली

जयपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। गोविंदगढ़ कस्बा थाना क्षेत्र में लूट और फायरिंग की सनसनीखेज वारदात सामने आई। कार में सवार बदमाशों ने किराना दुकानदार से 60 हजार रुपये नकद लूट लिए और विरोध करने पर उसके पैर में गोली मार दी। घायल दुकानदार को एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक्सरे में पैर के अंदर फंसी हुई गोली साफ नजर आ रही है। हाबु का बास निवासी गिरधारी लाल गढ़वाल (61) बागड़ो का बास स्टैंड पर किराने की दुकान चलाता है। गिरधारी लाल के भाई भगीरथ ने बताया कि वह रोजाना साढ़े 9 से 10 बजे के बीच दुकान बंद करके घर आता है। दुकान बंद कर मोटरसाइकिल पर सवार होकर बागड़ो का बास से घर आ रहा था। करीब 10 बजे बागड़ो का बास से हाबु का बास आने वाली सड़क पर रोजा वाली ढाणी के समीप हस्तेड़ा की ओर से आ रहे स्कार्पियो गाड़ी सवारों ने मोटरसाइकिल की साइड दबा दी।

खुद के मरने की सूचना पोस्ट की, पुलिस के हत्थे चढ़ा तो बोला- मैंने तो मजाक की थी

भरतपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। भरतपुर के एक युवक को पुलिस से मजाक करना भारी पड़ गया। सोशल मीडिया पर खुद के मरने की झूठी सूचना देने के मामले में पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। उच्चैन (भरतपुर) थानाप्रभारी गिर्राज सिंह ने बताया कि मोबाइल के जरिये सूचना मिली कि एक व्यक्ति ने सोशल मीडिया पर स्वयं के मरने की पोस्ट डाली है।

उसके मोबाइल नम्बर को राजकॉप पर सर्च किया तो मिलकपुर निवासी उमेशचन्द का नाम सामने आया। इस संबंध में एटीएस

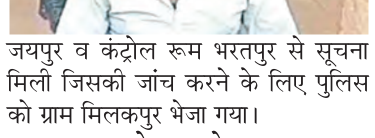

जयपुर व कंट्रोल रूम भरतपुर से सूचना मिली जिसकी जांच करने के लिए पुलिस को ग्राम मिलकपुर भेजा गया।

कहने लगा-देखना था पुलिस क्या करती है

उमेशचन्द से पूछताछ की तो उसने बताया कि इस नंबर की सिम को बेटा अनूप कुमार इस्तेमाल करता है। पुलिस ने अनूप से सोशल मीडिया पर की गई पोस्ट के बारे में पूछा तो उसने कहा कि मैंने तो मजाक की थी। सोचा, पुलिस व प्रशासन क्या कार्रवाई करता है।

मजाक-मजाक में ही जयपुर कॉल किया मुझे किसी प्रकार का कोई तनाव नहीं है, न मुझे कोई मार रहा है। मैंने मजाक-मजाक में ही जयपुर कॉल कर दिया था। पुलिस ने झूठी सूचना देने पर मिलकपुर निवासी अनूप कुमार को गिरफ्तार कर लिया।

रेलवे ट्रैक पर महिला की दर्दनाक मौत

अलवर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। अलवर जिले के सदर थाना क्षेत्र के भजेड़ा गांव में रविवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ। गांव निवासी 32 वर्षीय सविता (पत्नी राजेंद्र जाटव) की अज्ञात ट्रेन की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। सविता रविवार सुबह करीब 5 बजे घर से निकली थी। कुछ देर बाद वह रेलवे ट्रैक के पास पहुंची, जहां अचानक किसी अज्ञात ट्रेन की चपेट में आ गई। घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और शव को सामान्य चिकित्सालय ले जाया गया, जहां पुलिस और परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जाएगी। परिजनों ने बताया कि मृतका पिछले 7–8 दिनों से मानसिक बीमारी से जूझ रही थी और संभवतः इसी कारण वह रेलवे ट्रैक पर पहुंच गई। परिजनों का कहना है कि सविता चारे के लिए घर से निकली थी, लेकिन सुबह 5 बजे चारा लेने की जरूरत क्यों पड़ी, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। यह भी साफ नहीं है कि वह किस तरह ट्रेन की चपेट में आई। गांववालों का अनुमान है कि वह संभवतः मालगाड़ी की चपेट में आई होगी, क्योंकि उस समय यात्री ट्रेनों का समय नहीं था। सविता की मौत से पूरे गांव में शोक की लहर है।

शादियों के भविष्य पर क्यों उठने लगे सवाल ?

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। शादी-विवाह का इतिहास बहुत पुराना है। आखिर ये कैसे शुरू हुई? शादी का मतलब अलग-अलग लोगों के लिए अलग-अलग क्यों होता है? पैसे से शादी का रिश्ता कैसे बदला, इसे लेकर आंकड़े क्या कहते हैं?

विवाह का इतिहास बहुत पुराना और दिलचस्प है। प्राचीन काल में, जब लोग गुफाओं में रहते थे, तब 'विवाह' जैसा कुछ नहीं था। हालांकि, तब वे एक साथ शिकार करते थे और खाना बांटते थे। इसे शादी तो नहीं कहते थे, लेकिन यह साथ रहने की शुरूआत थी। बाद में, मेसोपोटामिया के लोगों ने 2300 बीसीई के आसपास शादी के कॉन्ट्रैक्ट्स बनाए। इससे 'प्यार' में लिखा-पढ़ी शुरू हो गई। इससे पता चलता है कि शादी को कानूनी रूप से भी महत्वपूर्ण माना गया।

भारत में शादी के कई रूप हैं। यहां हर जगह अलग-अलग रीति-रिवाज हैं। भारतीय विवाह की रस्में हड़प्पा और वैदिक काल से लेकर यूनानी, शक, कुषाण, हूण, तुर्क, अफगान, फारसी, अरब और यूरोपीय लोगों के समय तक के हैं। भारत में शादी कई संस्कृतियों का मिश्रण है।

पुराने समय में मिस्र के लोग बिना किसी रस्म के साथ रहने लगते थे। कोई पुजारी नहीं होता था, किसी को कोई आपत्ति है जैसे सवाल नहीं पूछा जाता था। और कोई समारोह नहीं होता था। यूनानियों ने शादी को दहेज के लेन-देन का जरिया बना दिया। इसमें प्यार नहीं था, लेकिन पार्टियां खूब होती थीं। रोम के लोगों ने शादियों को अलग-अलग श्रेणियों में बांटा। 'उसुस' का मतलब था साथ रहना यानी लिव इन, 'सह-उन्नयन' का मतलब था पत्नी को खरीदना, और 'कन्फ्ररेटिंओ' धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ शादी करना। रोम की महिलाओं को तलाक लेने और संपत्ति रखने का अधिकार था।

यह सब इतिहास बन गया जब ईसाई धर्म ने विवाह को ईश्वर का कार्य बना दिया। शादी एक धार्मिक समझौता बन गया। यह राजनीति और संपत्ति के लिए भी इस्तेमाल होने लगा। प्रोटेस्टेंट सुधार के बाद, लोगों को अपनी पसंद के व्यक्ति से शादी करने का मौका मिला। धीरे-धीरे, 'खुशी' को शादी से जोड़ा गया। लोगों को लगने लगा कि विवाह से उन्हें 'खुशी' मिल सकती है।

औद्योगीकरण के बाद लोग गांवों से शहरों में जाने लगे। इससे उन्हें अलग-अलग लोगों से मिलने का मौका मिला। वहां वे कारखानों में काम करते थे और उन्हें प्यार हो जाता था। समाज ने महिलाओं को पति की आज्ञा मानने के लिए मजबूर किया। दो विश्व युद्ध के बाद, शादी के नियमों में बदलाव आया। मारे गए सैनिकों की गर्भवती गर्लफ्रेंड को विधवा लाभ मिल सके, इसलिए मरणोपरांत विवाह भी होने लगे।

नारीवाद ने शादी में और बदलाव लाए। महिलाओं को शादी करने और करियर बनाने का अधिकार मिला। इससे दुनिया भर में महिलाओं को आजादी मिली। आज, पश्चिमी देशों में शादी अपनी पसंद से होती है। लेकिन दक्षिण एशियाई संस्कृतियों और धर्मों में, शादी अभी भी परिवारों का मिलन है। हालांकि, अब इसमें भी बदलाव आ रहा है, यह सोच धीरे-धीरे बदल रही है।

21वीं सदी में शादी का भविष्य :

क्या शादी 21वीं सदी में भी टिकेगी? इसका जवाब अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग है। भारत में, शादी लगभग सभी के लिए होती है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे 2019-21 के अनुसार, 50 साल की उम्र तक केवल 1 प्रतिशत महिलाएं और 3 प्रतिशत पुरुष अविवाहित रहते हैं। वहीं विकसित देशों में शादी कम हो रही है।

क्या खत्म हो जाएगी शादी :

फिर भी शादी खत्म हो जाएगी, ये कहना जल्दबाजी होगी। प्यू के 2019 में जारी आंकड़ों से पता चलता है कि 90 प्रतिशत लोग प्यार के लिए शादी करते हैं। वहीं 66 प्रतिशत लोग साथ के लिए शादी करते हैं।

शादी के आंकड़ों में गिरावट की एक वजह ये भी मानी जा रही कि यह बेहद महंगा पड़ता है। दक्षिण कोरिया में पिछले दस सालों में घर की कीमतें 80 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं। यूके में एक शादी में औसतन 30,000 पाउंड खर्च होते हैं। वहीं 45 साल की उम्र तक लोगों की बचत 10,000 पाउंड से ज्यादा नहीं होती है। जापान में न केवल लागत, बल्कि व्यस्त जीवन भी शादी न करने का अहम कारण है। 25 से 34 आयु वर्ग के 43 प्रतिशत पुरुषों और 48 प्रतिशत महिलाओं ने कहा कि उन्हें संभावित साथी से मिलने का मौका नहीं मिला।

केवल कॉलेज से पढ़े-लिखे और अधिक कमाने वाले लोगों में शादी अभी भी आम है। आंकड़ों से पता चलता है कि शिक्षा के वर्षों और शादी करने की संभावना के बीच सीधा संबंध है। लेकिन कॉलेज का कर्ज इस समूह के लिए भी एक समस्या बन रहा है। भारत में अभी भी 90 प्रतिशत से अधिक शादियां अरेंज्ड होती हैं।

भारत में अरेंज्ड मैरिज ही अहम :

शादी दुनिया में बदलाव के साथ बदल रही है। यह आज भी टिकी हुई है। आपके पड़ोस के पार्क में एक पिता अपने बच्चे के साथ खेल रहा है, यह इस बात का सबूत है। भारतीय पत्नियों और पतियों के बीच काम का बंटवारा महिलाओं के सशक्तिकरण के साथ बदल रहा है। पुरुष अभी भी महिलाओं से कम काम करते हैं, लेकिन उनके पिता की तुलना में वे बहुत बेहतर हैं।

अर्थशास्त्रियों बेट्सी स्टीवेन्सन और जस्टिन वोल्फर्स ने 'हेडोनिक मैरिज' शब्द का इस्तेमाल किया है। इसका मतलब है कि परिवार अब प्रोडक्शन यूनिट नहीं रहे, बल्कि खुशी के केंद्र बन गए हैं। खुशहाल जोड़े एक साथ खुशी बांटते हैं। बच्चे को पालना हो, फिल्म देखना हो या मंदिर जाना हो, यह सब एक साथ करने में मजा आता है।

अमीर देशों में लोग अपनी शिक्षा और सामाजिक दायरे में शादी कर रहे हैं। यह जाति विवाह की तरह है, लेकिन इसमें सरनेम की जगह डिग्री देखी जाती है। भारत में फिल्मों और नाटकों को छोड़कर, अमीर-गरीब का रोमांस अब पुरानी बात हो गई है। आजकल एशियाई महिलाएं और गोरे पुरुष सबसे ज्यादा शादी कर रहे हैं। यह अमेरिका में सबसे लोकप्रिय अंतरजातीय विवाह है।

बेंगलुरू में रिमोट हसबैंड का चलन बढ़ रहा है। वह घर से काम करता है, जबकि पत्नी ऑफिस जाती है। वह अपने परिवार के लिए हमेशा मौजूद रहता है और खुश रहता है। अब माता-पिता अपनी बेटियों के साथ भी बुढ़ापा बिता सकते हैं। यह एक शांत क्रांति है। इसका एक आय और कोई बच्चे नहीं। पर्यावरण के प्रति झुकाव, कोई बच्चे नहीं। दो इनकम, कोई बच्चे नहीं। दो इनकम, कोई बच्चे नहीं, सिर्फ डॉग्स।

जापान की तरह, कुछ युवा जोड़े रोमांस के दबाव को 'ना' कह रहे हैं और दोस्ती को 'हां' कह रहे हैं। वे आजादी के साथ रहना चाहते हैं। कुछ जोड़े एथिकल नॉन-मोनोगैमी और पॉलियामरी को अपना रहे हैं। भारत में इन जोड़ों के लिए खुलकर सामने आना आसान नहीं है। उनकी शादी उन्हें कई यौन संबंध रखने की अनुमति देती है। यह पारदर्शिता और सहमति पर आधारित है। यह धोखा नहीं है।

हालांकि अभी जश्न मनाने का समय नहीं आया है, लेकिन शादी में निष्पक्षता बढ़ रही है। घरेलू हिंसा और यौन उत्पीड़न कम हो रहा है। शादी तब बेहतर होती है जब यह जोड़ों के बारे में ज्यादा हो और सामाजिक दायित्वों के बारे में कम। मैरिजोलॉजिस्ट स्टेफनी कूनटज का कहना है कि आज की अच्छी शादी पुरुष और महिला दोनों के लिए पहले की तुलना में अधिक संतोषजनक है। ऐसा इसलिए क्योंकि पुराने नियमों पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

बेशक, कुछ लोग इससे खुश नहीं हैं। खाप पंचायत जैसे लोग ऐसी आजादी के खिलाफ हैं। वे शादी को एक कठोर ढांचे में वापस धकेलना चाहते हैं, लेकिन यह विनाशकारी होगा। आधुनिक शादी तभी सफल होती है जब यह गतिशील, विविध और व्यक्तिगत हो। ऐसे में शादी के भविष्य के बारे में निश्चित रूप से कुछ नहीं कहा जा सकता। लेकिन यह स्पष्ट है कि यह बदलती रहेगी और लोगों की जरूरतों के हिसाब से ढलती रहेगी।

बरसात का मौसम खत्म होने तक शहर के लोगों कोई असुविधा न हो : पोन्नम प्रभाकर

हैदराबाद प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बरसात का मौसम खत्म होने तक, राज्य परिवहन विभाग और जिला प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर गौड़ ने अधिकारियों को सभी विभागों के साथ समन्वय बनाकर काम करने के निर्देश दिए हैं ताकि शहर के लोगों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। रविवार को हैदराबाद स्थित जीएचएमसी मुख्यालय में मंत्री पोन्नम प्रभाकर और महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी के साथ बरसात के मौसम में लोगों को होने वाली असुविधा, मौसमी बीमारियों और अन्य मुद्दों से बचाने के लिए किए जा रहे एहतियाती उपायों पर एक समीक्षा बैठक हुई।

जीएचएमसी आयुक्त आरवी कर्णन ने पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से मंत्री को बरसात के मौसम में क्षेत्र स्तर पर लोगों को होने वाली कठिनाइयों को कम करने के लिए किए गए मानसून संबंधी कार्यों, सड़कों, बरसाती पानी की निकासी के कार्यों, डी-सीलिंग, सड़क सुरक्षा अभियान के तहत की गई सड़कों की मरम्मत, कैचपिट कार्यों और हाइड्रा के साथ समन्वय में किए जा रहे कार्यों के बारे में बताया। जल बोर्ड के एमडी अशोक रेड्डी ने मंत्री को बताया कि ओवरफ्लो की समस्या को हल करने के लिए सीवरेज और बरसाती पानी के मिलने वाले स्थानों की पहचान करने और उन्हें अलग करने की कार्रवाई की जा रही है। इस अवसर पर, मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने बैठक में अधिकारियों को कई सुझाव दिए।

हैदराबाद सहित ओआरआर के भीतर लोगों को होने वाली कठिनाइयों को कम करने के लिए, जीएचएमसी, हाइड्रा, जल बोर्ड, यातायात, बिजली, सिंचाई, राजस्व, झील विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को अधिक समन्वित और प्रभावी ढंग से काम करना चाहिए। मानसून के मौसम में समस्याओं के शीघ्र समाधान में संपर्क महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, और जीएचएमसी को इसकी मुख्य जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि मानसून के मौसम में सभी विभागों के अधिकारी और कर्मचारी सतर्क रहें। छुट्टियां रद्द कर दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब संकट और जटिल परिस्थितियां उत्पन्न हों, तो उन्हें मिलकर आगे बढ़ना चाहिए और उनका समाधान करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मानसून समाप्त होने तक वे चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेंगे। मंत्री ने कहा कि यदि सरकार की ओर से किसी भी प्रकार के हस्तक्षेप की आवश्यकता होगी, तो उनके ध्यान में लाए जाने पर वे तुरंत कार्रवाई करेंगे।

मंत्री ने अधिकारियों को झीलों, तालाबों और नालों में सीएंडडी (निर्माण एवं विध्वंस) अपशिष्ट डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की सलाह दी। मंत्री ने जीएचएमसी अधिकारियों को मौसमी बीमारियों को फैलने से रोकने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने की सलाह दी। मंत्री ने कहा कि वर्षा जल संरक्षण एक सामाजिक दायित्व है। जीएचएमसी, हाइड्रा और जल मंडली को शहर में जल प्रबंधन के लिए योजनाएं तैयार करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बारिश की हर बूंद को इकट्ठा करने और यह सुनिश्चित करने की ज़िम्मेदारी केवल अधिकारियों की ही नहीं, बल्कि लोगों की भी है। वह शहर के लोगों को इस दिशा में जागरूक करना चाहते हैं। वह चाहते हैं कि जो लोग उनकी बात नहीं मानते, वे सामान्य ज्ञान के तरीके अपनाएं, जैसे कि कुण्डों का उपयोग करके वर्षा जल का संरक्षण करें।

गर्भवती महिला को 2 किमी तक चलना पड़ा पैदल

रास्ते में ही बच्चे को दिया जन्म

संगारेड्डी, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। नागुलगिड्डा मंडल के सुदूर मुन्या नायक थांडा के ग्रामीणों को एक गर्भवती महिला को दो किमी तक कंधे पर उठाकर एम्बुलेंस तक पहुंचाना पड़ा, क्योंकि इस गांव में सड़क संपर्क नहीं है। रविवार दोपहर जब कौशी बाई को प्रसव पीड़ा हुई, तो ग्रामीण उसे 2 किमी दूर खड़ी एम्बुलेंस की ओर ले जाने लगे, लेकिन रास्ते में ही आशा कार्यकर्ताओं और स्थानीय महिलाओं की मदद से उसने खेत में ही एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया। इसके बाद माँ और नवजात

को एम्बुलेंस में ले जाया गया और इलाज के लिए नारायणखेड़ के क्षेत्रीय अस्पताल ले जाया गया।

सड़क न होने के कारण एम्बुलेंस गांव तक नहीं पहुंच पा रही थी, और हफ़्ते भर हुई बारिश ने स्थिति और भी बदतर कर दी, जिससे ज़मीन कीचड़ से भर गई और सफ़र और भी मुश्किल हो गया। इस घटना का वीडियो बनाने वाले एक परिवार के सदस्य ने बताया कि चुनाव प्रचार के दौरान नेताओं ने बार-बार सड़क संपर्क का वादा किया, लेकिन पूरा नहीं किया। रिश्तेदारों ने सत्तारूढ़ पार्टी पर गांव की उपेक्षा करने का आरोप लगाया, जबकि गांव की महिलाओं ने चेतावनी दी कि वे आगामी सरपंच और एमपीटीसी चुनावों में वोट मांगने वाले नेताओं से सवाल करेंगी।

16 अगस्त को गोकुलाष्टमी उत्सव

तिरुपति, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी 16 अगस्त को श्री वेंकटेश्वर गो संरक्षणशाला में भव्य गोकुलाष्टमी समारोह का आयोजन करेगा। इस अवसर पर गो पूजा और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। गोसंरक्षणशाला में आने वाले भक्तों को गायों को गुड़, चावल और चारा खिलाने का विशेष अवसर मिलेगा क्योंकि हिंदू धर्म में गाय को "गोमाता" सभी देवताओं का अवतार माना जाता है और माना जाता है कि गायों को खिलाने से अपार आध्यात्मिक पुण्य प्राप्त होता है। 16 अगस्त को कई विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं और सुबह 10:30 बजे से 11:00 बजे तक गो पूजा और श्री वेणुगोपालस्वामी की हरती के बाद भक्तिपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम, श्री वेणुगोपालस्वामी के दर्शन और प्रसाद वितरण होगा। शाम 6 बजे से 8 बजे तक टीटीडी हिंदू धर्म प्रचार परिषद के तत्वावधान में हरिकथा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

बस स्टेशन पर बहन ने आरटीसी ड्राइवर भाई को बांधी राखी

मेदक, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राखी पूर्णिमा के अवसर पर एक बहन ने शनिवार को रामायमपेट बस स्टेशन पर अपने आरटीसी चालक भाई से मुलाकात की, क्योंकि उसे त्योहार के लिए छुट्टी नहीं मिल पाई थी। कामारेड्डी बस डिपो के ड्राइवर जीएस नारायण अपनी निर्धारित यात्रा के दौरान कुछ देर के लिए रामायमपेट में रुके। उनकी बहन शारदा (जो उसी कस्बे में रहती हैं) उन्हें राखी बांधने स्टेशन पहुंची। भाई-बहनों ने एक-दूसरे को मिठाइयां बांटीं, जबकि यात्री प्रशंसा भरी निगाहों से उन्हें देख रहे थे।

केवल पच्चीस सालों के लिए एक हो जायें तो सिरमौर हो जाएंगे

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्र-संत महोपाध्याय ललितप्रभ सागर ने कहा कि हमने पिछले पच्चीस सौ सालों तक मंदिर-मस्जिद, पंथ-ग्रंथ, मूर्ति-मुहपत्ति, वस्त्र-शास्त्र के नाम पर लड़-लड़कर खोया ही खोया है, अब हम केवल पच्चीस सालों के लिए भेदभावों को भुलाकर एक हो जायें तो दुनिया में सिरमौर हो जाएंगे। दुनिया की सबसे बड़ी शक्ति पारस्परिक रहने वाली एकता है। अगर दुनिया में मुट्ठी भर लोग भी साथ हैं तो ताकतवर कहलाएंगे और हजारों लोग भी बिखरे हुए हैं तो अर्थहीन हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि भाइयों में अगर एकी है तो कोई भी उनके सामने आंख उठाकर देखने की हिम्मत नहीं करेगा, नहीं तो टूटे हुए भाइयों पर पड़ोसी भी भारी पड़ जाएगा।

वे रविवार को एग्जिबिशन ग्राउंड में आयोजित समाज में कैसे लाएं एकता विषय पर प्रवचन दे रहे थे। उन्होंने कहा कि दो हजार के नोट को चाहे मिट्टी में डाल दो या मरोड़ दो, उसकी कीमत में कोई फर्क नहीं आएगा, पर उसे फाड़ दिया तो उसकी कीमत भी फट जाएगी। उन्होंने कहा कि दर्जी की दुकान में 250 ग्राम की कैंची होती है और 1 ग्राम की सुई, पर कैंची काटने का काम करती है इसलिए पांव में पड़ी रहती है सुई-धागा जोडने का काम करता है इसलिए दर्जी उसे पगड़ी या टोपी में रखता है।

जुड़ने की सीख देते हुए संतश्री ने कहा कि इन्सान को बांटना वरदान नहीं अभिशाप है। व्यक्ति से धर्म-कर्म हो तो ठीक, न हो तो कोई दिक्कत नहीं, पर वह उदार बने और सोच को सकारात्मक बनाए यही सबसे बड़ा धर्म है। इस अवसर पर डॉ. मुनि शांतिप्रिय सागर महाराज ने नवकार महामंत्र की सामूहिक प्रार्थना करवाई।

दक्षिण भारत की पहली आंतरिक बीएसएल-3 प्रयोगशाला होगी स्थापित

जूनोटिक रोगों पर भी करेगी अनुसंधान

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। नेहरू प्राणी उद्यान में जल्द ही एक जैव सुरक्षा स्तर 3 (बीएसएल3) प्रयोगशाला होगी, जो एक उच्च सुरक्षा वाली प्रयोगशाला होगी (जो इसके पशु संग्रह में बीमारियों का पता लगाने) उपचार करने और रोकथाम के तरीके को बदल सकती है। यह सुविधा जूनोटिक रोगों पर भी अनुसंधान करेगी, जो पशुओं और मनुष्यों के बीच तथा पशुओं और मनुष्यों के बीच संचारित होते हैं।

इस प्रयोगशाला का विकास चिड़ियाघर की मौजूदा लघु प्रयोगशाला को अत्याधुनिक उपकरणों और बुनियादी ढांचे के साथ उन्नत करके किया जाएगा, तथा इसे एक परिष्कृत जैव-सुरक्षा अनुसंधान और निदान इकाई में परिवर्तित किया जाएगा।

प्रयोगशाला की स्थापना के लिए तेलंगाना पशु चिकित्सा जैविक एवं अनुसंधान संस्थान, पी.वी. नरसिम्हा राव तेलंगाना पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय और अन्य सरकारी अनुसंधान संस्थानों के साथ चर्चा चल रही है। अधिकारियों के अनुसार, एक बार स्थापित होने के बाद, शहर का यह चिड़ियाघर दक्षिण भारत में अपनी तरह का पहला ऐसा चिड़ियाघर होगा जिसमें इस तरह की सुविधा होगी। तेलंगाना चिड़ियाघर उद्यान निदेशक डॉ. सुनील एस. हिरेमठ ने बताया, रोग निदान और जूनोटिक रोगों के अध्ययन के लिए एनजेडपी में एक अत्याधुनिक बीएसएल3 प्रयोगशाला स्थापित करने का प्रस्ताव है।

एक बार चालू हो जाने पर, यह प्रयोगशाला चिड़ियाघर के अधिकारियों को संक्रामक रोगों की आंतरिक, वास्तविक समय पर जांच करने, मृत पशुओं के मृत्यु-पश्चात निदान करने में सक्षम बनाएगी, साथ ही चिड़ियाघर को अपने पशु संग्रह के लिए दीर्घकालिक रोग निवारण रणनीतियां तैयार करने में भी मदद करेगी। वर्तमान में, चिड़ियाघर निदान के लिए अन्य अनुसंधान प्रयोगशालाओं पर निर्भर है, जिसमें समय लगता है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, अगर चिड़ियाघर की अपनी प्रयोगशाला होगी, तो रोगों का शीघ्र निदान आसान हो जाएगा। इस प्रयोगशाला से चिड़ियाघर को जानवरों की मौत के कारणों का पता लगाने के लिए मौके पर ही पोस्टमार्टम करने में मदद मिलेगी। इससे जानवरों में बीमारियों की रोकथाम के लिए रणनीति बनाने में भी मदद मिलेगी। वर्तमान में, चिड़ियाघर प्रभावी कृमि मुक्ति और स्वास्थ्य देखभाल के लिए नमूनों में परजीवी भार का पता लगाने हेतु क्षेत्रवार मल के नमूने एकत्र करता है। नमूनों को निदान और पुष्टि के लिए बीआरआई को भेजा जाता है। चिड़ियाघर में बीमार और बचाए गए जानवरों के इलाज के लिए एक विशेष पशु अस्पताल है। इसके अलावा, अन्य चिड़ियाघरों से लाए गए जानवरों के लिए एक संगरोध सुविधा भी है, जहां उन्हें प्रदर्शन के लिए छोड़े जाने से पहले रखा जाता है और उनकी निगरानी की जाती है।

सीरवी समाज का वार्षिकोत्सव व दुज महोत्सव 25 को

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पारसीगुटा स्थित सीरवी समाज की आस्था का केन्द्र श्री आईमाता मंदिर मे सीरवी समाज बन्धुओं के सानिध्य मे रविवार 10 अगस्त सायं 3.15 बजे विशेष मीटिंग आयोजित कर श्री आईमाताजी के 610 वाँ अवतरण दिवस व 43 वाँ वार्षिक सम्मेलन पर दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत भादवा सुदी एकम रविवार 24 अगस्त महिला मंडल द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम व भादवा सुदी दुज सोमवार 25 अगस्त प्रात: वेला मे पूजा-अर्चना, भजन व महाप्रसादी कार्यक्रम भव्यरुप से आयोजित करने के लिए विचार विमर्श किया गया।

प्रेस विज्ञप्ति मे अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़ व सचिव नारायणलाल काग ने संयुक्त रुप से बताया कि हर वर्ष की भांति समाज बन्धुओ के सानिध्य मे दो दिवसीय भादवा सुदी दुज महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। रविवार 24 अगस्त प्रात: वेला मे श्री आईमाता मंदिर को विशेष फूलों व लाइटिंग से सजाकर माई का विशेष श्रंगारकर सायं 4.15 बजे से 9.15 बजे तक महिला मंडल द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम व सोमवार 25 अगस्त प्रात: 9.15 बजे गणेश वंदना व आईमाँ की पूजा-अर्चना, प्रात: 10.15 बजे भजन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिसमे संदीप सेजु माई के चरणों मे भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे। अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़ की अध्यक्षता मे पधारे मेहमानों का स्वागत, कोषाध्यक्ष खंगारसिंह लचेटा द्वारा आय व्यय का विवरण, सचिव नारायणलाल काग द्वारा, समाज मे किये गये विकासशील कार्यो का विवरण प्रस्तुत करेंगे। पधारे समाज बन्धुओं व भक्तों के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था मंदिर प्रांगण मे रहेगी। विशेष मीटिंग में अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, उपाध्यक्ष मूलाराम चोयल, रमेश पंवार, सचिव नारायणलाल काग, कोषाध्यक्ष खंगारसिंह लचेटा, सलाहकार चोलाराम हाम्बड़, जसवन्त देवड़ा, शिक्षा समिति अध्यक्ष लाबुराम पंवार, कोषाध्यक्ष हिमताराम हाम्बड़, पूर्व अध्यक्ष भुराराम चोयल, जसराज सोलंकी, महिला मंडल अध्यक्षा सुशीला देवड़ा, सचिव निर्मला देवड़ा, कोषाध्यक्षा नीलू लचेटा, सहसचिव कविता सोलंकी एवं तीनों कमिटीयों के पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे। अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़ ने निवेदन किया है कि दुज महोत्सव पर अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर, समाज बन्धु सपरिवार पधारकर कार्यक्रम का लाभ लेवे।

कांग्रेस के अधूरे वादों को उजागर करने के लिए चिपकाए गए क्यूआर कोड

आदिलाबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सरपंच गाडगे मीनाक्षी ने रविवार को कांग्रेस पर झूठे वादे करके जनता का समर्थन हासिल करने और सत्ता में 20 महीने बाद भी उन्हें पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया। इकोडा मंडल के मुखरा (के) गांव में, उन्होंने लोगों को अधूरे वादों की याद दिलाने के लिए घरों की दीवारों पर क्यूआर कोड चिपकाए। मीनाक्षी ने बताया कि मोबाइल फोन पर कोड स्कैन करने पर चुनाव से पहले किए गए वादों के वीडियो और तस्वीरें दिखाई देंगी। उन्होंने दावा किया कि छह प्रमुख वादे अधूरे रह गए हैं, जिनमें रैतु भरोसा योजना में बढ़ोतरी, कल्याण लक्ष्मी लाभार्थियों के लिए एक तोला सोना, पूर्ण फसल ऋण माफी और महिलाओं के लिए 2,500 रुपये मासिक पेंशन शामिल हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

विराट-रोहित के फैंस को लगा बड़ा झटका

दोनों दिग्गजों का विश्व कप 2027 खेलना हुआ मुश्किल! बीसीसीआई ने रखी शर्त

मुंबई, 10 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय टीम के दोनों दिग्गज रोहित शर्मा और विराट कोहली टी20I फॉर्मेट से सन्यास ले चुके हैं। आईपीएल 2025 के बाद दोनों ने टेस्ट फॉर्मेट को भी अलविदा बोल दिया। अब दोनों दिग्गज वनडे फॉर्मेट में ही खेलते हुए नजर आएंगे। फैंस को उम्मीद थी कि दोनों वनडे विश्व कप 2027 तक ब्लू जर्सी में खेलते हुए नजर आएंगे। हालांकि हालत अब बिगड़े हुए नजर आ रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक बीसीसीआई ने दोनों दिग्गजों के सामने एक बड़ी शर्त रखी है।

विराट-रोहित को लगा बड़ा झटका

दैनिक जागरण की रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई वनडे विश्व कप 2027 के लिए विराट कोहली और रोहित शर्मा को टीम में नहीं देख रही है। हालांकि BCCI ने दोनों दिग्गजों के सामने शर्त रख दी है कि अगर विराट कोहली और रोहित शर्मा को खेलना है, तो उन्हें विजय हजारे ट्रॉफी में खेलना होगा। जोकि 24 दिसंबर 2025 से 18 जनवरी 2026 तक खेला जाएगा। हिटमैन और किंग ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल के बाद से कोई इंटरनेशनल मुकाबला नहीं खेला है। ऐसे में वो अब सीधे 19 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में खेलते हुए नजर आएंगे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज हो सकती है आखिरी

रोहित शर्मा और विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में खेलते हुए नजर आएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक अगर वो बीसीसीआई की शर्त नहीं मानते हैं, तो उनके लिए ये सीरीज ही आखिरी हो सकती है। हालांकि अगर विराट-रोहित इस शर्त को मान लेते हैं, तो फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी होगी। दोनों दिग्गज ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलते हुए नजर आ सकते हैं। वहीं उसके फौरन बाद वो विजय हजारे ट्रॉफी में खेलेंगे। वहीं इसके बाद जनवरी 2026 में वो न्यूजीलैंड के खिलाफ भी वनडे सीरीज खेल सकते हैं।

यश दयाल पर बैन, यूपी टी20 लीग से किया गया बाहर

बेंगलुरु, 10 अगस्त (एजेंसियां)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के तेज गेंदबाज यश दयाल की मुसीबत कम होने का नाम ही नहीं ले रही है. रेप केस में फंसे यश दयाल का करियर अब खतरे में पड़ता हुआ नजर आ रहा है. उन्हें एक बड़ी लीग से बाहर कर दिया गया है. यश दयाल पर 17 साल की नाबालिग के साथ रेप करने का आरोप है. इसके बाद उन पर गिरफ्तारी का खतरा मंडरा रहा है. यश दयाल इंडियन प्रीमियर लीग 2025 की ट्रॉफी जीतने वाली आरसीबी की हिस्सा थे. इस सीजन में उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया था और 15 मैचों में 13 विकेट हासिल किए थे, लेकिन अब उनका करियर पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं.

यूपी टी20 लीग से किए गए बाहर

रिपोर्ट्स के मुताबिक आरसीबी के तेज गेंदबाज यश दयाल के यूपी टी20 लीग में खेलने पर रोक लगा दी गई है. यूपी क्रिकेट एसोसिएशन ने ये फैसला लिया है. जिसकी वजह से ये तेज गेंदबाज अगले सीजन में नहीं खेल पाएगा. यूपीसीए ने जयपुर के सांगानेर सदर पुलिस स्टेशन में यश दयाल के खिलाफ केस दर्ज होने के बाद ये फैसला लिया है. यश दयाल पर 17 साल की नाबालिग लड़की से रेप का आरोप है.

यूपी टी20 लीग की टीम गोरखपुर लायंस ने इस तेज गेंदबाज को 7 लाख रुपये में खरीदा था, लेकिन वो अब इस लीग में नहीं खेले पाएंगे. इस दौरान यश दयाल को राजस्थान हाई कोर्ट से एक बड़ा झटका मिल चुका है.

हाई कोर्ट से नहीं मिली राहत

रेप केस के मामले में यश दयाल को राजस्थान हाई कोर्ट से राहत नहीं मिली है. कोर्ट ने इस मामले में उनकी गिरफ्तारी और पुलिस कार्रवाई पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था. कोर्ट ने कहा था कि ये मामला नाबालिग से जुड़ा है, इसलिए स्टे नहीं दे सकते हैं. इस मामले की अगली सुनवाई 22 अगस्त को होगी.

यश दयाल पर पहला केस गाजियाबाद में दर्ज हुआ था. इसमें कहा गया था कि यश दयाल ने गाजियाबाद की रहने वाली एक महिला को शादी का झांसा देकर उनका यौन शोषण किया. हालांकि इस मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने यश दयाल की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी. फिर जुलाई की शुरुआत में आरसीबी के इस तेज गेंदबाज पर जयपुर में मुकदमा दर्ज हुआ था. इस बार राजस्थान हाई कोर्ट ने गिरफ्तारी पर रोक लगाने से इनकार कर दिया.

तीसरे दौर के बाद एरिगेसी दूसरे स्थान पर

जर्मन ग्रैंडमास्टर कीमर शीर्ष पर

चेन्नई 10 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी अमेरिकी ग्रैंडमास्टर रे रॉबसन को हराकर क्वांटबॉक्स चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स के तीसरे दौर के बाद अकेले दूसरे स्थान पर बने हुए हैं जबकि अमेरिकी ग्रैंडमास्टर रे रॉबसन शीर्ष पर काबिज हैं। मास्टर्स वर्ग में राउंड-रॉबिन प्रतियोगिता में छह दौर और बाकी हैं। दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी एरिगेसी के 2.5 अंक हैं जबकि कीमर क्लासिकल शतरंज टूर्नामेंट में कार्तिकेयन मुरली के खिलाफ एक और जीत हासिल करने के बाद तीन अंक के परफेक्ट स्कोर के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं।

एक अन्य भारतीय ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती ने हमवतन निहाल सरीन के खिलाफ एक महत्वपूर्ण जीत के साथ वापसी की जबकि अमेरिकी ग्रैंडमास्टर अवॉन्डर लियांग ने नीदरलैंड के ग्रैंडमास्टर जॉर्डन वान फॉरीस्ट को हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की। प्रतियोगिता में युवा खिलाड़ियों में से एक वी प्रणव ने शीर्ष वरीयता प्राप्त अनीश गिरी को ड्रॉ पर रोककर प्रभावित किया।

चैलेंजर्स वर्ग में अभिमन्यु पुराणिक ने हर्षवर्धन जीबी पर जीत के साथ अपनी बढ़त बरकरार रखी जबकि एम प्रणेश ने पी इनियान को हराया। लियोन ल्यूक मेंडोंका ने आर वैशाली को हराया, जबकि अधिबान भास्करन ने डी हरिका के साथ अंक बांटे। आर्यन चोपड़ा और दिप्तायन घोष ने भी ड्रॉ खेला।

वर्कलोड पर मोहम्मद सिराज को मिली सलाह

पूर्व भारतीय गेंदबाज आरपी सिंह ने किया सतर्क

मुंबई, 10 अगस्त (एजेंसियां)। मोहम्मद सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने सभी मैच में कमाल की गेंदबाजी की और सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे, जिसके बाद उनकी फिटनेस की चर्चा काफी तेजी के साथ हो रही है। हालांकि पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज आरपी सिंह ने उन्हें वर्कलोड को लेकर नसीहत दी है। उनका मानना है कि सिराज को सतर्क रहने की जरूरत है।

आरपी सिंह ने नसीहत

आरपी सिंह ने सिराज को सतर्क करते हुए कहा कि फिलहाल उनका शरीर पूरी तरह से फिट है और वे अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं, लेकिन सिराज को भी सतर्क रहने की जरूरत है। कार्यभार प्रबंधन की समस्याएं उन्हें भी देर-सवेर प्रभावित करेंगी। जसप्रीत बुमराह को अपने अनोखे गेंदबाजी एक्शन के कारण नुकसान उठाना पड़ा है। वह और सिराज दोनों ही हमारी संपत्ति हैं और उनके कार्यभार पर नजर रखने की जरूरत है। हालांकि, कार्यभार प्रबंधन घरेलू क्रिकेट में होना चाहिए, न कि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में।

अर्शदीप सिंह पर भी दी राय

इंग्लैंड दौरे पर अर्शदीप सिंह को प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिला। इस पर आरपी सिंह ने अपनी राय देते हुए कहा कि निश्चित रूप से, अर्शदीप को 100 फीसदी मौका दिया जाना चाहिए। वह एक बेहतरीन गेंदबाज हैं। वह गेंद को दोनों तरफ स्विंग करा सकते हैं और उन्होंने अपनी गति भी विकसित की है। मुझे यकीन है कि किसी समय वह प्लेइंग इलेवन का हिस्सा जरूर होंगे। अभी, वह जगह नहीं बना पा रहे हैं क्योंकि सीनियर खिलाड़ी भी मौजूद हैं। आरपी का मानना है कि अर्शदीप सिंह को देर सवेर ही सही। लेकिन उन्हें मौका मिलेगा।

सिराज का शानदार प्रदर्शन

सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ सभी मैच खेले। इस दौरान उन्होंने 5 मैचों में 23 विकेट अपने नाम किए। उन्होंने पूरी सीरीज में 185.3 ओवर गेंदबाजी की, जो इस सीरीज में किसी गेंदबाज द्वारा फेंकी गई सबसे ज्यादा गेंदें थीं।

6 छक्के-6 चौके जड़कर खेली तूफानी पारी

फिर भी नहीं मिली जीत, करीब आकर हारी ये टीम

खेल डेस्क, 10 अगस्त (एजेंसियां)। मैच में 6 छक्के-6 चौके जड़ने और 172 रन की स्ट्राइक रेट से बैटिंग करने के बावजूद इंग्लैंड का बल्लेबाज अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाया. ये खिलाड़ी अंत तक नाबाद रहा, लेकिन उसकी टीम जीत से 8 रन दूर रह गई. इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में मुंबई इंडियंस की ओर से खेलने वाले इस बल्लेबाज की टीम अभी तक द हंड्रेड लीग में अपनी जीत का खाता भी नहीं खोल पाई है और पॉइंट्स टेबल में छठे स्थान पर मौजूद है. इस मैच में न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियम्सन की टीम ने शानदार जीत दर्ज की. उनकी इस लीग में पहली जीत है.

जॉनी बेयरस्टो की पारी हुई बेकार

द हंड्रेड (मेंस) लीग का छठा मुकाबला लंदन स्पिरिट और वेल्श फायर के बीच खेला गया. इस मैच में 164 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेल्श फायर की टीम को रोमांचक मुकाबले में 8 रन हार झेलनी पड़ी. वेल्श फायर के ओपनर जॉनी बेयरस्टो ने टीम को जीत दिलाने की भरपूर कोशिश की, लेकिन वे नाकाम रहे. उन्होंने इस दौरान 50 गेंदों में 6 चौके और 6 छक्कों की मदद से नाबाद 86 रनों की पारी खेली. इसके बावजूद उनकी टीम 100 गेंद में 6 विकेट से 155 रन ही बना सकी.

वेल्श फायर की इस लीग में लगातार दूसरी हार है. वो अभी तक अपनी जीत का खाता नहीं खोल पाया है. पिछले मैच में उसे नार्दन सुपरचार्जर्स ने 8 विकेट से करारी मात दी थी. उस मैच में भी बेयरस्टो ने 23 गेंदों में 42 रनों की पारी खेली थी. द हंड्रेड के छठे मुकाबले में लंदन स्पिरिट के ओपनर डेविड वार्नर ने तूफानी फिफ्टी ठोक टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया.

डेविड वार्नर ने ठोकी फिफ्टी

द हंड्रेड लीग के छठे मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए लंदन स्पिरिट ने 100 गेंद में 5 विकेट पर 163 रन बनाए. कप्तान केन विलियम्सन इस मैच में कुछ खास नहीं कर पाए और 14 गेंद में 14 रन बनाकर पवेलियन लौट गए, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज डेविड वार्नर ने तूफानी फिफ्टी ठोककर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया. उन्होंने 45 गेंदों में 8 चौके और 2 छक्कों की मदद से नाबाद 70 रनों की पारी खेली.

महेंद्र सिंह धोनी या ऋषभ पंत टेस्ट में कौन है नंबर 1 विकेटकीपर?

आकाश चोपड़ा ने दिया चौंकाने वाला जवाब

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय टेस्ट टीम में बहुत कम ऐसे विकेटकीपर रहे हैं, जिन्होंने बल्ले से साथ भी बहुत इंपैक्ट डाला हो। दिग्गज महेंद्र सिंह धोनी और ऋषभ पंत ने टेस्ट क्रिकेट में विकेटकीपर बल्लेबाज की भूमिका अच्छे से निभाई है। जिसके कारण ही इन दोनों के बीच तुलना होती रहती है। अब एक बार फिर से चर्चा शुरू हो गई है कि महेंद्र सिंह धोनी और ऋषभ पंत में कौन बेहतर टेस्ट विकेटकीपर बल्लेबाज हैं। आकाश चोपड़ा ने इस चर्चा पर चौंकाने वाली राय रखी है।

धोनी या पंत कौन है टेस्ट में नंबर 1 विकेटकीपर?

महेंद्र सिंह धोनी और ऋषभ पंत के बीच हो रही तुलना पर पूर्व भारतीय बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'मैचों की संख्या और रन बनाने के मामले में महेंद्र सिंह धोनी टॉप पर हैं। उन्होंने 90 मैच, 144 पारियां खेली हैं, 38.09 की औसत से 4876 रन बनाए हैं और उनके नाम छह शतक हैं। ऋषभ पंत ने पिछले 5 वर्षों में छह शतक लगाए हैं। अगर हम ओवरऑल देखें तो ऋषभ पंत पहले ही 8 शतक लगा चुके हैं और धोनी ने छह शतक लगाए थे। ऋषभ पंत पहले ही दूसरे स्थान पर हैं (रनों की संख्या के मामले में)। वह महेंद्र सिंह धोनी से 1400 रन पीछे हैं और लगभग आधे मैच खेल चुके हैं। अगर वह और खेलते हैं, तो वह निश्चित रूप से धोनी से आगे निकल जाएंगे।'

ऋषभ पंत की आकाश चोपड़ा ने की तारीफ

भारतीय टेस्ट टीम के उपकप्तान ऋषभ पंत की तारीफ करते हुए आकाश चोपड़ा ने कहा, 'अगर हम इंग्लैंड में किसी विकेटकीपर द्वारा बनाए गए सर्वाधिक रनों को देखें, तो पंत एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने इंग्लैंड में 1000 रन बनाए हैं। उन्होंने 4 शतक और 5 अर्धशतक लगाए हैं। उन्होंने 13 मैचों और 24 पारियों में 1000 से अधिक रन बनाए हैं। हो सकता है कि इंग्लैंड में उनकी प्रतिमा बननी शुरू हो जाएँ। अगर हम आज तक दुनिया के सभी टेस्ट विकेटकीपरों की सूची देखें, तो एडम गिलक्रिस्ट ने 96 मैचों में 47.60 की औसत से 5570 रन बनाए हैं। वह उनसे काफी आगे हैं। हालांकि, गिलक्रिस्ट भी पीछे छूट सकते हैं क्योंकि पंत उनसे लगभग 2250 रन पीछे हैं। बिना किसी संदेह के, भारत के अब तक के नंबर 1 विकेटकीपर-बल्लेबाज और विश्व क्रिकेट में, वह सर्वश्रेष्ठ और शायद सर्वश्रेष्ठ में से एक बनकर उभरेंगे।'

एआईएफएफ ने रेफरियों को अनुबंध नवीनीकरण का आश्वासन दिया

आईएसएल पर अब भी अनिश्चितता के बादल

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। आगामी इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) सत्र के भविष्य को लेकर अनिश्चितता से जूझ रहे अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने अपने रेफरियों को आश्वासन दिया कि उनके अनुबंध स्थापित प्रक्रिया के अनुसार नवीनीकृत किए जाएंगे।

एआईएफएफ ने कहा कि उसे पांच अगस्त को नौ रेफरियों का एक संयुक्त पत्र मिला जिसमें 31 अगस्त को समाप्त होने वाले उनके पेशेवर मैच आधिकारिक अनुबंधों को बढ़ाने का अनुरोध किया गया था। एआईएफएफ ने एक नोटिस में कहा, 'एआईएफएफ यह आश्वासन देना चाहता है कि इन अनुबंधों का नवीनीकरण स्थापित प्रक्रियाओं के अनुसार किया जाएगा जो एलीट रेफरी विकास कार्यक्रम की मौजूदा प्रक्रिया के अधीन होगा।'

महासंघ ने आगे कहा, 'एआईएफएफ सभी पक्षों से शांत रहने का आग्रह करता है क्योंकि वर्तमान में कई प्रतियोगिताएं चल रही हैं जहां हमारे कई रेफरी डूरंड कप और फुटसल क्लब चैंपियनशिप जैसे मैचों में अंपायरिंग कर रहे हैं।' उसने कहा, 'अन्य गतिविधियां जैसे म्यांमा में एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप 2026 क्वालीफायर में अंडर-20 महिला राष्ट्रीय टीम के मैच तथा बेंगलुरु में अंडर-23 पुरुष और अंडर-17 महिला राष्ट्रीय टीम के शिविर भी चल रहे हैं।'

रेफरियों की चिंता का कारण आईएसएल के 2025-26 सत्र को लेकर चल रहा गतिरोध माना जा सकता है।

मोहन बागान ने डायमंड हार्बर को हराया

डूरंड कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंची टीम

नई दिल्ली 10 अगस्त (एजेंसियां)। मोहन बागान सुपर जायंट्स ने ग्रुप बी के महत्वपूर्ण मैच में डायमंड हार्बर एफसी को 5-1 से हराकर डूरंड कप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अनिरुद्ध थापा ने गोल कर मोहन बागान को आगे कर दिया लेकिन पांच मिनट बाद लुका माजसेन ने बराबरी का गोल दाग दिया। इसके बाद जेमी मैकलारेन, लिस्टन कोलाको, सहल अब्दुल समद और जेसन कमिंग्स ने गोल कर सुनिश्चित किया कि मोहन बागान ग्रुप विजेता के रूप में क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालिफाई कर जाए। डायमंड हार्बर को अब सर्वश्रेष्ठ दूसरे स्थान पर रहने वाली टीमों में से एक के रूप में नॉकआउट में जगह बनाने के लिए अन्य परिणामों पर निर्भर रहना होगा।

आरआर छोड़ने के सवाल पर आ गया संजू सैमसन का जवाब

स्टार खिलाड़ी ने कर दी दिल छू लेने वाली बात

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 से पहले संजू सैमसन राजस्थान रॉयल्स छोड़ने का फैसला कर चुके हैं। संजू आगामी सीजन से पहले राजस्थान से अलग होना चाहता हैं। हालांकि अब राजस्थान के छोड़ने के सवाल पर स्टार खिलाड़ी का बयान सामने आया है। उन्होंने आर अश्विन को दिए इंटरव्यू में राजस्थान को लेकर दिल छू लेने वाली बात की है। संजू का बयान चर्चा में है।

संजू सैमसन हुए भावुक

संजू सैमसन ने राजस्थान रॉयल्स पर बात करते हुए कहा कि आरआर मेरे लिए दुनिया है। केरल के एक गांव से आने वाला एक छोटा बच्चा, अपनी प्रतिभा दिखाना चाहता था। और फिर राहुल (द्रविड़) सर और मनोज बडाले सर ने मुझे एक मंच दिया ताकि मैं आगे बढ़ सकूं और दुनिया को दिखा सकूं कि मैं किस चीज से बना हूं। उस समय, उन्होंने मुझ पर पूरा भरोसा किया। आरआर के साथ मेरा सफर वाकई शानदार रहा है, और मैं इस तरह की फ्रैंचाइजी में शामिल होने के लिए बहुत आभारी हूं। यह मेरे लिए वाकई बहुत मायने रखता है।

सीएसके में जा सकते हैं सैमसन

माना जा रहा है कि संजू सैमसन आईपीएल 2026 से पहले सीएसके में ट्रेड हो सकते हैं। उन्हें फ्रेंचाइजी भविष्य के तौर पर देख रही है। इसके अलावा वह कप्तानी भी संभाल सकते हैं। बता दें कि संजू राजस्थान के लिए साल 2013 से खेल रहे हैं। वह 13 साल से इस फ्रेंचाइजी के साथ जुड़े हुए हैं। अब तक खेले गए 144 आईपीएल मैच में उन्होंने 4027 रन बनाए हैं। फिलहाल वह भारत के लिए भी टी-20 प्रारूप में लगातार खेल रहे हैं। एशिया कप 2025 इस बार टी-20 फॉर्मेट में होने वाला है। ऐसे में संजू सैमसन से काफी उम्मीदें होने वाली हैं।

बीआरएस सरकार ने जल परियोजनाओं की परवाह नहीं की : भट्टी

परियोजना का उद्देश्य लगभग 60,000 एकड़ भूमि को सिंचाई जल उपलब्ध कराना : कोमटिरेड्डी

मधिरा में जवाहर लिफ्ट सिंचाई योजना का शिलान्यास

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने रविवार को खम्मम जिले के मधिरा विधानसभा क्षेत्र के वंगावीडु गांव में 630.30 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली जवाहर लिफ्ट सिंचाई योजना का शिलान्यास किया।

कार्यक्रम में मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, उत्तम कुमार रेड्डी, वक्ति श्रीहरि और पोंगुलेटी श्रीनिवास राव, विधायक, विधान पार्षद और कई अन्य नेता उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए, सड़क एवं भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने घोषणा की कि आगामी परियोजना का उद्देश्य निकट भविष्य में लगभग 60,000 एकड़ भूमि को सिंचाई जल उपलब्ध कराना है।

उन्होंने बताया कि भट्टी विक्रमार्क लगातार चार बार विधायक चुने गए हैं और पिछली बीआरएस सरकार के दौरान विपक्ष के नेता के रूप में कार्य किया है। इस तथ्य के बावजूद कि उस दौरान कई कांग्रेस विधायकों ने पार्टी छोड़ दी थी, भट्टी विक्रमार्क ने पांच विधायकों के साथ मिलकर केसीआर प्रशासन के खिलाफ खड़े होकर पार्टी को सत्ता में वापस लाने में अहम भूमिका निभाई। कोमटिरेड्डी ने संकेत दिया कि पिछली केसीआर सरकार की लापरवाही के कारण एसएलबीसी सुरंग जीर्ण-शीर्ण हो गई थी, लेकिन वर्तमान प्रशासन इसके पुनर्निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, हम इसे जल्द ही पूरा कर लेंगे।

कोमटिरेड्डी ने यह भी बताया कि सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी के सहयोग से, वे ब्राह्मण वेल्लमला, डिंडी, पलामुरु लिफ्ट सिंचाई और देवदुला सहित सभी लंबित सिंचाई परियोजनाओं को अंतिम रूप देने के लिए काम कर रहे हैं। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि दस साल तक पिछली बीआरएस सरकार ने जल परियोजनाओं की परवाह नहीं की। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि हालांकि उन्होंने कई वर्षों तक जवाहर परियोजना पर चर्चा की थी और यह मुद्दा विधानसभा में भी उठाया गया था, लेकिन पिछली सरकार ने इस पर विचार नहीं किया। भट्टी के अनुसार, जब कांग्रेस सरकार सत्ता में आई, तो सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने पहल की और परियोजना को पूरा करने के लिए सभी आवश्यक स्वीकृतियां प्रदान कीं।

सिंचाई के लिए 600 करोड़ की जवाहर लिफ्ट सिंचाई योजना को मंज़ूरी

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने दोहराया है कि तेलंगाना सरकार आंध्र प्रदेश में बनकाचेरला परियोजना के निर्माण की अनुमति नहीं देगी। रविवार को खम्मम जिले के मधिरा विधानसभा क्षेत्र में जवाहर लिफ्ट सिंचाई योजना की आधारशिला रखने के बाद एक कार्यक्रम में बोलते हुए, भट्टी विक्रमार्क ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायुडू से श्रीशैलम के ऊपरी हिस्से से पोथिरेड्डीपाडु लिफ्ट प्रणाली के माध्यम से प्रतिदिन 11 टीएमसी पानी के डायवर्जन को तुरंत रोकने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि नागार्जुन सागर की बाईं नहर के माध्यम से प्रतिदिन केवल 1 टीएमसी पानी छोड़े जाने से लाखों एकड़ भूमि की सिंचाई होती है, जबकि पोथिरेड्डीपाडु के माध्यम से प्रतिदिन 11 टीएमसी पानी का डायवर्जन पूर्ववर्ती नलगोंडा और खम्मम जिलों के किसानों के साथ घोर अन्याय है। इस डायवर्जन के परिणामस्वरूप श्रीशैलम परियोजना केवल 25 दिनों में खाली हो जाएगी।

मेटपल्ली में नागरिक आपूर्ति गोदाम में लग गई आग

जगतियाल, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मेटपल्ली स्थित कृषि बाजार प्रांगण में स्थित नागरिक आपूर्ति विभाग के गोदाम में रविवार को आग लग गई। स्थानीय निवासियों ने गोदाम से आग की लपटें निकलती देखीं तो उन्होंने अग्निशमन विभाग को सूचना दी।

दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और दो दमकल गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया। गोदाम में रखी बोरियां पूरी तरह जलकर खाक हो गईं। मंडी समिति अध्यक्ष गोवर्धन ने बताया कि लगभग नौ लाख रुपये के नुकसान का अनुमान है। आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है।

जन औषधि केंद्र स्थापित करने के लिए भारी सब्सिडी : किशन रेड्डी

केंद्रीय मंत्री ने राज्यपाल के साथ पीएमबीजेएपी गोदाम का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा के साथ शहर में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना तेलंगाना विपणन एवं वितरण गोदाम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि लोगों की जीवनशैली में बदलाव के कारण वे अनजाने में बीमार पड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि सौ में से 95 लोगों को डॉक्टर के पास जाना पड़ता है।

उन्होंने यह भी बताया कि सेवानिवृत्त लोगों को अपनी पूरी पेंशन अपने इलाज पर खर्च करनी पड़ती है। उन्होंने कहा, गरीब और

मध्यम वर्ग के लोगों को भी, अगर वे बीमार पड़ जाते हैं, तो अपनी पूरी ज़िंदगी की कमाई इलाज पर खर्च करनी पड़ती है। इसीलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों के स्वास्थ्य के लिए कई पहल कर रहे हैं। उन्होंने आयुष्मान भारत योजना लाई है, जिसके तहत हर व्यक्ति को सालाना 5 लाख रुपये का मुफ़्त बीमा मिलता है और किसी भी अस्पताल में इलाज कराने की सुविधा सफलतापूर्वक प्रदान की है। हम आयुष्मान भारत योजना के ज़रिए 70 साल से ज़्यादा उम्र के बुजुर्गों को मुफ़्त इलाज मुहैया करा रहे हैं। हमने तेलंगाना के बस्ती दवाखानों में वेलनेस सेंटर शुरू किए हैं। यह पूरी व्यवस्था केंद्र सरकार द्वारा संचालित है। साथ ही, लोगों की जेब पर बोझ न पड़े और उन्हें बेहद कम दामों पर दवाइयां उपलब्ध कराने के लिए नरेंद्र मोदी सरकार ने जन औषधि केंद्र शुरू किए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ये केंद्र सामान्य मेडिकल स्टोर्स की तुलना में 50 से 90 प्रतिशत कम दामों पर दवाइयां उपलब्ध करा रहे हैं। रेड्डी ने कहा, बेरोज़गार युवाओं को रोज़गार देने के अलावा, वे गरीबों को कम दामों पर दवाइयां उपलब्ध कराने के लिए बड़े पैमाने पर जन औषधि केंद्र स्थापित करने के लिए भारी सब्सिडी भी दे रहे हैं।

वन विभाग वास्तविक किसानों को भूमि आवंटित करने को तैयार : अधिकारी

किसानों ने भूमि के स्वामित्व की मांग को लेकर निकाला था विरोध मार्च

कुमराम भीम आसिफाबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। वन अधिकारियों ने आरोप लगाया है कि चिंतालमनेपल्ली मंडल के दिमदा गांव के कुछ निवासियों ने पर्याप्त राजस्व भूमि होने के बावजूद वन भूमि पर अतिक्रमण कर लिया है। यह टिप्पणी स्पष्ट रूप से दिमदा से हैदराबाद तक पोडू किसानों द्वारा भूमि के स्वामित्व की मांग को लेकर निकाले गए विरोध मार्च के बाद आई है, जो शनिवार को कागजनगर पहुंचा।

कागजनगर वन प्रभागीय अधिकारी शुशांत बोबड़े ने कहा कि कई किसानों ने वन भूमि के बड़े हिस्से पर कब्ज़ा कर रखा है, जबकि उनके पास पहले से ही राजस्व क्षेत्र में ज़मीन थी। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि विभाग वास्तविक किसानों को न्याय से वंचित नहीं करेगा और जिन किसानों की ज़मीन वापस ली गई है, उन्हें तीन एकड़ तक ज़मीन आवंटित करने को तैयार है।

अतिक्रमण के आंकड़ों का हवाला देते हुए, अधिकारियों ने बताया कि दिमदा के ग्रामीण 2,635 एकड़ वन क्षेत्र पर खेती कर रहे थे। इसमें से 16 परिवारों के पास 472 एकड़ और 44 परिवारों के पास 634 एकड़ ज़मीन थी। लगभग 1,200 परिवार 800 एकड़ ज़मीन पर खेती कर रहे थे। कब्ज़े वाली ज़मीन का एक बड़ा हिस्सा गैर-आदिवासियों के पास था। उन्होंने बताया कि विभाग भूमिहीन किसानों के लिए ज़मीन चिह्नित करने को तैयार है।

अधिकारियों ने सुझाव दिया कि किसानों का मार्च राजनीतिक रूप से प्रभावित हो सकता है, जिससे संरक्षण प्रयासों में बाधा आ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि 30 एकड़ से ज़्यादा ज़मीन वाले ज़मीन मालिक विभाग के प्रस्ताव से नाखुश हैं और दूसरों को भड़काने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विभाग की कार्रवाई का उद्देश्य महाराष्ट्र से इस क्षेत्र में आए बाघों के संरक्षण के लिए वन क्षेत्र को बहाल करना था। उन्होंने जंगल और बाघों दोनों की सुरक्षा में किसानों से सहयोग की अपील की।

कोंडा मुरली एक बार फिर कांग्रेस पार्टी की अनुशासन समिति के समक्ष पेश हुए

शिकायतों पर अपना स्पष्टीकरण दिया

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व विधान पार्षद और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कोंडा मुरली रविवार को गांधी भवन में पार्टी की अनुशासन समिति के समक्ष पेश हुए और वारंगल के नेताओं द्वारा दर्ज कराई गई शिकायतों पर अपना स्पष्टीकरण दिया।

पूर्व वारंगल जिले के कई विधायकों, विधान पार्षदों और पार्टी के प्रमुख नेताओं सहित नेताओं ने हाल ही में पार्टी के उच्च अधिकारियों के समक्ष मंत्री कोंडा सुरेखा और उनके पति मुरली के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने दंपति पर स्वतंत्र रूप से काम करने, पार्टी के अन्य सदस्यों के साथ सहयोग न करने और निर्णय लेने की प्रक्रिया में उन्हें हाशिए पर रखने का आरोप लगाया। नेताओं ने एआईसीसी तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन और टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ से अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करने का आग्रह किया।

इसके बाद, अनुशासन समिति ने कोंडा मुरली को नोटिस जारी कर स्थिति के बारे में स्पष्टीकरण मांगा। नोटिस के जवाब में, कोंडा मुरली ने अनुशासन समिति के अध्यक्ष, सांसद मल्लू रवि को छह पन्नों का एक पत्र सौंपा और कुछ दिन पहले इस प्रकरण पर स्पष्टीकरण दिया। हालांकि, अनुशासन समिति ने इस मामले पर लिखित स्पष्टीकरण के लिए फिर से कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

इस संबंध में, कोंडा मुरली दूसरी बार समिति के समक्ष उपस्थित हुए। बाद में, मीडिया से बात करते हुए, कोंडा मुरली ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के प्रति उनकी गहरी निष्ठा है और उन्होंने पार्टी के निर्देशों का पालन करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कोंडा मुरली ने कहा, मेरा लक्ष्य राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनते देखना है। मैंने पहले ही अनुशासन समिति को आश्वासन दिया है कि स्थानीय निकाय चुनावों में सभी लोग सहयोग करेंगे। मैंने समिति द्वारा पूछे गए सभी प्रश्नों का उत्तर दिया है।

अनुशासन समिति के अध्यक्ष मल्लू रवि ने बताया कि समिति ने वारंगल में नेताओं के बीच मतभेदों के साथ-साथ विधायक अनिरुद्ध रेड्डी से संबंधित स्थिति की भी समीक्षा की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस विधायक कोमटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी से जुड़ा मामला उनके ध्यान में नहीं लाया गया है और उनके खिलाफ कोई शिकायत दर्ज नहीं की गई है।

अस्पतालों में डेंगू, चिकनगुनिया और इन्फ्लूएंजा के मामलों में बढ़ोतरी

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में खराब मौसम ने मौसमी बीमारियों के बढ़ने के लिए आदर्श माहौल बना दिया है। क्लीनिक, नर्सिंग होम, बस्ती दवाखाना, गांधी अस्पताल के बाह्य रोगी विभाग, नल्लाकुंटा स्थित फीवर अस्पताल और उस्मानिया जनरल अस्पताल में सामान्य से ज़्यादा मरीज आने लगे हैं। रिपोर्ट की जा रही लगभग सभी बीमारियां वेक्टर और जलजनित, वायरल बुखार और इन्फ्लूएंजा से संबंधित हैं। निजी और सरकारी अस्पतालों से रिपोर्ट किए जा रहे मामलों के आधार पर, डेंगू, चिकनगुनिया और वायरल बुखार व इन्फ्लूएंजा जैसी वायुजनित बीमारियों के लक्षणों वाले मरीज़ स्वास्थ्य सेवा केंद्रों में आ रहे हैं।

जन स्वास्थ्य निदेशक (डीपीएच), डॉ.बी. रविंदर नायक सलाह देते हैं, कम तापमान और अधिक आर्द्रता मौसमी बीमारियों, खासकर वेक्टर, जल और वायु जनित रोगों को जन्म देती है। सभी सरकारी अस्पतालों में मरीजों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। हालांकि, आम लोगों को भी सतर्क रहना चाहिए और अपनी तरफ से सावधानियां बरतनी चाहिए। डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया फैलाने वाले मच्छरों के प्रजनन से निपटने के लिए, सार्वजनिक स्वास्थ्य शाखा ने लोगों से सप्ताह में एक दिन शुक्रवार को 'शुष्क दिवस' के रूप में मनाने का आग्रह किया है ताकि वे अपने घरों के आसपास जमा पानी से छुटकारा पा सकें। सलाह में कहा गया है, जाल, स्क्रीन और मच्छर भगाने वाले उत्पादों का इस्तेमाल करें। पानी के जमाव को रोकने के लिए घरेलू प्रणालियों को बनाए रखें। मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए घरेलू सेप्टिक टैंकों को जाली से ढक दें।

लोगों को दूषित पानी और भोजन से बचने की सलाह देने के अलावा, स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से इन्फ्लूएंजा से बचाव के लिए बुनियादी खांसी शिष्टाचार बनाए रखने का आग्रह किया है।

बारिश से अफरा-तफरी के बीच मुख्यमंत्री असहाय : रामचंद्र राव

पूर्व विधायक बलाराजू बीजेपी में शामिल

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। नागर कर्नूल जिले के अचमपेट निर्वाचन क्षेत्र के पूर्व विधायक गुव्वाला बलराजू आज भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। नामपल्ली में पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक समारोह में भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष रामचन्द्र राव और राज्यसभा सदस्य डॉ.के. लक्ष्मण ने गुव्वाला बलराजू को पार्टी का दुपट्टा पहनाकर उनका पार्टी में स्वागत किया।

इस कार्यक्रम में भाजपा विधायक पलवई हरीश बाबू, एमएलसी अंजी रेड्डी, अचारी, भाजपा प्रदेश महासचिव गुज्जुला प्रेमेंदर रेड्डी, कासम वेंकटेश्वरलू, पार्टी प्रदेश कोषाध्यक्ष शांति कुमार, पार्टी प्रदेश प्रवक्ता, मीडिया प्रभारी एन.वी.सुभाष, पार्टी प्रदेश प्रवक्ता सोलंकी श्रीनिवास, कट्टा सुधाकर, भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य दिलीप

अचारी, जिला अध्यक्ष नरेंद्र राव और अन्य ने भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, रामचंद्र राव ने कहा कि गुव्वाला बलराजू एक वकील हैं और उन्होंने कानून में पीएचडी की है। उन्होंने बताया कि उन्होंने 2014 और 2018 के विधानसभा चुनावों में अचम्पेटा से दो बार विधायक के रूप में जीत हासिल की थी। राव ने दावा किया कि भाजपा तेलंगाना राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी का विकल्प बन रही है। उन्होंने कहा, बलराजू ने इसे पहचाना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गरीबों और कमज़ोर वर्गों के लिए सुशासन और देश के विकास से आकर्षित होकर भाजपा में शामिल हो रहे हैं। उन्हें पार्टी की सदस्यता इस विश्वास के साथ दी गई थी कि वह न केवल अचम्पेट क्षेत्र में, बल्कि पूरे तेलंगाना में भाजपा को मज़बूत करने के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी को 2023 के विधानसभा चुनावों में 13.9 प्रतिशत वोट मिले थे, और 2024 के संसदीय (लोकसभा) चुनावों में यह प्रतिशत बढ़कर 36 प्रतिशत हो गया। राव ने दावा किया, हमारी पार्टी ने 8 सांसद सीटें जीतीं। बीआरएस पार्टी को लोकसभा चुनाव में एक भी सीट नहीं मिली और पार्टी की हालत शून्य हो गई है। हाल ही में हुए एमएलसी चुनावों में भी हमने 2 सीटें जीती हैं। तेलंगाना में भाजपा धीरे-धीरे बढ़ रही है। राज्य भर में कई लोग भाजपा में शामिल होने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि हैदराबाद में बारिश के कारण लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है और कहा कि थोड़ी सी भी बारिश राज्य की राजधानी में यातायात की समस्या पैदा कर देती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को दिल्ली के दौरे करने के बजाय नगर प्रशासन विभाग का ध्यान रखकर हैदराबाद के विकास पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा, एक ओर जहां बारिश से अफरा-तफरी मची हुई है, वहीं मुख्यमंत्री असहाय अवस्था में हैं और ऐसा व्यवहार कर रहे हैं जैसे कुछ हुआ ही न हो। वह "हैदराबाद का प्रवेश द्वार" जैसी बातें कर रहे हैं। आने वाले दिनों में, तेलंगाना भारतीय जनता पार्टी के लिए "तेलंगाना का प्रवेश द्वार" बन जाएगा। गुव्वाला बलराजू का पार्टी में शामिल होना इसका प्रमाण है। इस अवसर पर, बलराजू को पार्टी की सदस्यता दिलाई गई। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष का पदभार संभाले एक महीने का समय बीतने का उल्लेख करते हुए, राव ने कहा कि इन महीनों में उन्होंने 16 जिलों में 3500 किलोमीटर की यात्रा की है और हज़ारों पार्टी कार्यकर्ताओं और लोगों से मुलाकात की है। उन्होंने कहा, इन यात्राओं के दौरान, हमें जन मुद्दों पर लोगों से सैकड़ों आवेदन प्राप्त हुए हैं। मैं जहां भी जाता हूं, पूर्व सांसद, पूर्व सांसद पार्षद, पूर्व सरपंच जैसे कई लोग पार्टी में शामिल होते हैं। सभी जिलों में लोग स्वेच्छा से भाजपा में शामिल हो रहे हैं। यह लोगों के विश्वास का प्रमाण है। उन्होंने सभी वर्गों के लोगों से भाजपा में शामिल होने का आग्रह किया।

भाजपा में एक साधारण कार्यकर्ता की तरह काम करूंगा : बालराजू

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के पूर्व विधायक गुव्वाला बालराजू (जो रविवार को भाजपा में शामिल हुए) ने दावा किया कि बीआरएस पार्टी और तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी के शासन में राज्य की जनता को धोखा दिया गया, छला गया और झूठे लोगों के हाथों में धकेला गया। उन्होंने कहा कि भाजपा के प्रत्येक नेता और कार्यकर्ता ने शानदार लड़ाई लड़ी। उन्होंने कहा कि भाजपा में शामिल होने से पहले उन्होंने काफी शोध किया था। शुरूआत में उन्हें लगा था कि भाजपा केवल एक ही प्रकार के सामाजिक समूह को बढ़ावा देती है। लेकिन बाद में, उन्हें पता चला कि कई अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, खासकर अल्पसंख्यक भाई-बहन जो कट्टर देशभक्त हैं, वे भी भाजपा की ओर देख रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, इसका मुख्य कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व है। वह भारत की रक्षा और प्रगति के लिए काम कर रहे हैं और यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे हैं कि हर गरीब व्यक्ति को कल्याण, सरकारी लाभ और सम्मान मिले।

लगातार बारिश से हैदराबादियों का जीवन अस्त-व्यस्त

घुटनों तक पानी में ट्रैफ़िक में फंसना बेहद दर्दनाक अनुभव

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। इस महीने के अभी दस दिन ही बीते हैं और हैदराबाद के लोगों को अभी से इस बात का डर सताने लगा है कि अगस्त का बाकी महीना उनके लिए क्या लेकर आएगा। हर बार जब आसमान में अंधेरा छा जाता है, तो हैदराबाद के लोगों में चिंता और डर की लहर दौड़ जाती है, क्योंकि अब बाहर निकलना भी बारिश से बचने का मुश्किल बन गया है। पिछले कुछ हफ़्ते हैदराबाद में आम जनता के लिए ख़ासे मुश्किल भरे रहे हैं, बादल फटने जैसी लगातार बारिश ने उनका जीवन दूभर कर दिया है और शहर में मानो थम-सा गया है। भारी बारिश के दौरान घुटनों तक पानी में ट्रैफ़िक में फंसना बेहद दर्दनाक अनुभव है, जिसने लोगों को सोशल मीडिया पर अपना गुस्सा निकालने पर मजबूर कर दिया है।

पिछले हफ़्ते ही, शाम को आई बाढ़ के बाद, आईटी कॉरिडोर के अलावा, पंजागुट्टा और अमीरपेट जैसे मुख्य इलाकों में प्रमुख मुख्य सड़कों पर यात्री घंटों फंसे रहे। शनिवार को भी मलकपेट, सरूरनगर और एलबी नगर और उसके आसपास के इलाकों के लोगों को मलकपेट रेलवे स्टेशन पर कमर तक पानी भर जाने के कारण सबसे बुरा अनुभव सहना पड़ा। बारिश के दौरान शहरी अव्यवस्था को लेकर लोगों में काफ़ी निराशा है और मौजूदा हालात के लिए अधिकारियों के प्रति गुस्सा भी। बंजारा हिल्स स्थित एक दवा कंपनी में काम करने वाले पी. मणिवर्णन कहते हैं, पिछले हफ़्ते मैं ऑफिस से आधी रात के बाद घर पहुंचा। मैं शाम लगभग 6:30 बजे बंजारा हिल्स स्थित अपने ऑफिस से निकला और लगभग आधी रात को 12:30 बजे कोमपल्ली स्थित अपने घर पहुंचा। वह

बहुत ही दर्दनाक अनुभव था और तब से मैं बाहर नहीं निकला हूं। हर बार जब बारिश होती है, तो अंदर ही अंदर एक डर बना रहता है क्योंकि मैं अपनी सुरक्षा को लेकर पूरी तरह से अनिश्चित रहता हूं। हैदराबाद में अगस्त की बारिश को इतना प्रभावशाली बनाने वाली बात सिर्फ़ बारिश की कुल मात्रा नहीं, बल्कि उसकी प्रकृति भी है। आईएमडी हैदराबाद के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि अगस्त में कम अवधि की, तेज़ बारिश होती है जिससे शहरों में तेज़ी से बाढ़, जलभराव और यातायात जाम की समस्या हो सकती है।

हैदराबाद में भारी बारिश की चेतावनी

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मौसम विभाग ने हैदराबाद और तेलंगाना के कई जिलों में 14 से 17 अगस्त के बीच भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। 11 से 13 अगस्त तक भारी बारिश का येलो अलर्ट भी जारी किया गया है।

ऑरेंज अलर्ट, जिसमें 14 से 17 अगस्त के बीच 115.6 मिमी से 204.5 मिमी तक बारिश होने की उम्मीद है, आदिलाबाद, कोमाराम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल, जगतियाल, करीमनगर, पेद्दापल्ली, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, निर्मल, निज़ामाबाद, जगतियाल, नलगोंडा, महबुबाबाद, यदाद्री भुवनगिरी, रंगारेड्डी, हैदराबाद, मेडचल मल्काजगिरी, विकाराबाद, संगारेड्डी और मेदक जिले के लिए जारी किया गया है।

11 अगस्त से 14 अगस्त के बीच मुलुगु, निर्मल, भद्राद्री कोत्तागुडेम, खम्मम, विकाराबाद, संगारेड्डी, मेदक, कामारेड्डी, आदिलाबाद, कोमाराम भीम आसिफाबाद, सिद्दीपेट, यदाद्री भुवनगिरी, रंगारेड्डी, हैदराबाद, मेडचल मल्काजगिरी और कामारेड्डी जिले में 64.5 मिमी से 115.66 मिमी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान में यह भी संकेत दिया गया है कि 17 अगस्त तक राज्य भर में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा जारी रहेगी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.